हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 13 सितंबर 2026

KP GROUP Quality Since 1965

नया दशन पैक

30% EXTRA

KP GROUP Quality Since 1965

CELEBRATING 60 YEARS

राजश्री ®

पान मसाला

NO TOBACCO, NO NICOTINE

No Tobacco, No Nicotine

Not recommended for minors

Chewing of pan masala is injurious to health

18वां ब्रिक्स सम्मेलन झलकियां

नई दिल्ली के भारत मंडपम में चल रहे 18वें ब्रिक्स समिट के दौरान शनिवार को एक जॉइंट ट्री प्लांटेशन इनिशिएटिव हुआ, इसमें सभी मेहमान राष्ट्राध्यक्षों ने भाग लिया। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ।





सम्मेलन में पीएम मोदी, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन।



इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबिय अहमद के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।



नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ मोदी।

भारतीय कला-संस्कृति से हुईं रूबरू ब्रिक्स बाजार में ईरानी राष्ट्रपति की बेटी



18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान, दिल्ली के नेशनल क्राफ्ट्स म्यूजियम में लगा ब्रिक्स बाजार भी लोगों का ध्यान खींच रहा है, जहां रंग-बिरंगे टेक्सटाइल, हैंडीक्राफ्ट और अलग-अलग देशों की सांस्कृतिक झलक देखने को मिल रही है। इस बीच ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान की बेटी जहरा पेजेशकियान भी अपने पति हसन मजीदी के साथ नेशनल क्राफ्ट्स म्यूजियम में आयोजित ब्रिक्स बाजार पहुंचीं। जहां उनके साथ केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी भी मौजूद रहीं।

भारतीय संस्कृति की खूबसूरत झलक

जहरा पेजेशकियान इस दौरान ब्रिक्स बाजार में लगे अलग-अलग पवेलियन का दौरा किया।यहां ब्रिक्स मेंबर्स और साझेदार देशों की कला, हैंडीक्राफ्ट, हैंडलूम और टेक्सटाइल की झलक देखने को मिली। दोनों ने भारतीय पवेलियन का भी दौरा किया और देश की पारंपरिक कला एवं सांस्कृतिक विरासत को करीब से देखा।

15 सितंबर तक चलेगा ब्रिक्स बाजार

ब्रिक्स बाजार का आयोजन मिनिस्ट्री ऑफ टेक्सटाइल्स और विदेश मंत्रालय की ओर से नेशनल क्राफ्ट्स म्यूजियम एंड हस्तकला अकादमी में किया गया है। बाजार की शुरुआत 10 सितंबर को हुई है और यह 15 सितंबर तक चलेगा। यहां आने वाले लोगों को पारंपरिक हैंडीक्राफ्ट, हैंडलूम प्रोडक्ट्स, टेक्सटाइल और कई अन्य क्रिएटिव प्रोडक्ट्स को देखने का मौका मिल रहा है।

ब्रिक्स सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक तनाव पर जताई चिंता

ग्लोबल पावर एक पिरामिड की तरह कुछ देश ही ले रहे दुनिया का फैसला

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली स्थित भारत मंडपम में हो रहा है 18वां ब्रिक्स सम्मेलन

भारत के प्रधानमंत्री ने ब्रिक्स देशों के सामने रखे कई अहम प्रस्ताव

भारत मंडपम में 18वें ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान भारत के प्रधानमंत्री ने ब्रिक्स देशों के सामने कई अहम प्रस्ताव रखे. उन्होंने ब्रिक्स पर अगले समिट तक एक रोडमैप बनाने के लिए भी कहा। इस दौरान उन्होंने वैश्विक तनाव को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि आज सबसे ज्यादा संकट 'ग्लोबल साउथ' झेल रहा है, लेकिन फैसले के दौरान उसकी कोई खास भूमिका नहीं है।

पीएम मोदी ने कहा कि ग्लोबल पावर एक पिरामिड की तरह है, जहां ऊपरी देशों के पास पावर और डिसीजन मेकिंग है और इनकी संख्या कम है। वहीं नीचे की ओर, ज्यादा देश हैं और वे इन फैसलों से प्रभावित भी हो रहे हैं और संकट भी झेल रहे हैं, लेकिन फैसला लेने में इनका कोई रोल नहीं है। इसे बदलने की आवश्यकता होगी।



ग्लोबल गवर्नेंस का प्रस्ताव

पीएम मोदी ने कहा कि अगली समिट तक ब्रिक्स को अपने रोडमैप तैयार करना चाहिए। अध्यक्षता कोई भी करे, हमारा लक्ष्य नहीं बदलना चाहिए। पीएम मोदी ने ग्लोबल गवर्नेंस को लेकर 10 प्रस्ताव भी पेश किए। उन्होंने आगे कहा कि ब्रिक्स देशों को रिप्रेजेंटेशन रिस्पॉन्सिबिलिटी और रूल मेकिंग पर ध्यान रखना होगा और इसी आधार पर रोडमैप तैयार करना होगा। रिप्रेजेंटेशन का मतलब यूएन काउंसिल में रिफॉर्म टाला नहीं जा सकता है। निश्चित समय सीमा और स्पष्ट परिणाम से जोड़ना होगा। आज की पॉलिसी के हिसाब से ग्लोबल गवर्नेंस पर फोकस रखना चाहिए। सभी देशों की वोटिंग पावर, रूलर मेकिंग और अन्य में हिस्सेदारी होनी चाहिए। आज ग्लोबल साउथ देश भी समस्याओं का समाधान करने में सक्षम हैं। ब्रिक्स देशों को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा कि जिन देशों का वैश्विक व्यापार में बहुत बड़ा योगदान है, उन देशों को भी ग्लोबल डिसीजन मेकिंग में शामिल करना होगा।

व्यापार सहयोग बढ़ाने पर भी बात

पीएम मोदी ने ब्रिक्स देशों को व्यापार बढ़ाने के लिए भी कहा. विश्व के तहत समान भागीदारी तैयारी करना बेहद जरूरी है। एआई, बॉयो, टेक्नोलॉजी को आगे बढ़ाना होगा, रूल टेकर से रूल गिवर की ओर बढ़ना होगा। सभी देशों को समान भागीदारी के साथ काम करना होगा। पीएम मोदी का इस बयान को इसलिए भी खास माना जा रहा है, क्योंकि दुनिया में जियो-पॉलिटिकल तनाव चल रहा है और कुछ देशों की लड़ाई की वजह से बाकी देश झेल रहे हैं। दुनिया में एनर्जी संकट गहराया है और महंगाई लगातार बढ़ रही है।



मलेशिया पीएम के साथ ऊर्जा, रक्षा पर वार्ता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ शनिवार को वार्ता की और इस दौरान ऊर्जा, रक्षा, व्यापार एवं निवेश समेत विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। अनवर ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए नयी दिल्ली आए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया पर कहा, 'फरवरी 2026 में प्रधानमंत्री मोदी की मलेशिया यात्रा के दौरान द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति को आगे बढ़ाते हुए दोनों नेताओं ने व्यापार एवं निवेश, रक्षा, सेमीकंडक्टर, बुनियादी ढांचा, डिजिटल अर्थव्यवस्था, ऊर्जा और दोनों देशों के लोगों के बीच संबंधों समेत विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की प्रगति की समीक्षा की।'

ब्रिक्स सहयोग के दो दशक, स्मारक डाक टिकट जारी



नई दिल्ली। ब्रिक्स के दो दशक पूरे होने के उपलक्ष्य में, 12 सितंबर 2026 को नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान दो स्मारक डाक टिकट जारी किए गए। 'ब्रिक्सः टू डिकेड्स ऑफ कोऑपरेशन, 2006–2026' / 'ब्रिक्सः सहयोग के दो दशक, 2006–2026' लिखे हुए इस स्मारक डाक टिकट के माध्यम से बातचीत और सहयोग के एक महत्वपूर्ण मंच के तौर पर ब्रिक्स के विकास का उत्सव मनाया जा रहा है। ये दोनों डाक टिकट भारत की 2026 की ब्रिक्स की अध्यक्षता की प्राथमिकताओं को भी दर्शाते हैं, जिसकी थीम हैः 'सुदृढ़ता, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण।' जहां पहला डाक टिकट आपसी सम्मान, समझ और एकजुटता की भावना वाले एक मंच के तौर पर ब्रिक्स के उभरने को दर्शाता है, वहीं दूसरा डाक टिकट भारत की अध्यक्षता के 'मानवता सबसे पहले' और 'जन केंद्रित' विजन एवं लोगो को दर्शाता है।



हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

गांजा, हरिभूमि की पड़ताल में कई जिलों में खुलेआम बिक्री



बड़ा सवाल- गांजा तस्करी की चेन क्यों नहीं टूट रही...

- केवल ट्रक और ड्राइवर-कंडक्टर ही पकड़े जाते हैं, उसके बाद की कड़ी नहीं टूटती
- रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर में टीम हरिभूमि ने खरीदा आसानी से गांजा
- दुर्ग में बच्चों के हाथ में पुड़िया, रायपुर में सड़क पर सौदा

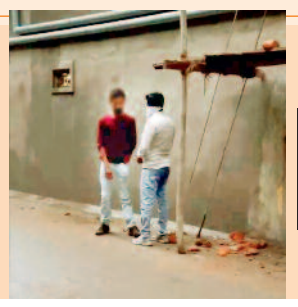
हर साल हजारों किलो की जब्ती, फिर भी गलियों तक पहुंच रहा

रायपुर- ललित राठौड़, धमतरी-दिलीप देवांगन, भिलाई-जेएम तांडी की विशेष रिपोर्ट

छत्तीसगढ़ में गांजा तस्करी के खिलाफ पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। कहीं ट्रक से गांजा पकड़ा जाता है, कहीं कार से, कहीं दोपहिया वाहन से। बस और ट्रेन से भी गांजा जब्त होना आम बात हो गई है। पुलिस बरामद गांजे का वजन और उसकी बाजार कीमत बताती है। तस्कर, गाड़ियों के ड्राइवर और कंडक्टर गिरफ्तार होते हैं, पुलिस ▶▶|शेष पेज 5 पर

रायपुरः बदला गांजा तस्करों का तरीका अब ठिकाना बदलकर हो रही बिक्री

रायपुर में पुलिस की सख्ती का असर जरूर दिखता है लेकिन तस्करों ने धंधा बंद नहीं किया है। कानूनी शिकंजे से बचने के लिए गांजा बेचने का तरीका बदल दिया है। पहले जहां एक ही जगह पर गांजा बेचने का काम होता था, अब तस्करों ने शहर में कई नए ठिकाने बना लिए हैं। हर ग्राहक को एक ही जगह ▶▶|शेष पेज 5 पर



केस 01

कुकुरबेड़ा में पुराने ठिकाने से मिला नए ठिकाने का सुराग

हरिभूमि की टीम जब कुकुरबेड़ा पहुंची, तो उस पुराने स्थान पर पड़ताल की गई, जहां पहले पुलिस कार्रवाई कर चुकी है। गांजे की पुड़िया के संबंध में जानकारी लेने पर वहां मौजूद एक युवक ने बताया कि गांजा लेने के लिए स्कूल की ओर जाना होगा। ▶▶|शेष पेज 5 पर

सवाल सिर्फ जब्ती का नहीं

यहां सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर गांजा तस्करी की वह चेन क्यों नहीं टूट रही, जिसके चलते एक खेप पकड़े जाने के बाद दूसरी खेप बाजार तक पहुंच जाती है? पुलिस ट्रक, वाहन और ड्राइवर-कंडक्टर को पकड़ लेती है, लेकिन क्या जांच वहां से आगे बढ़कर उस व्यक्ति तक पहुंचती है, जिसने गांजा भेजा? उस सप्लायर तक, जिसने माल उपलब्ध कराया?



उस व्यक्ति तक, जिसे गांजा पहुंचना था? और उस नेटवर्क तक, जो इस पूरे कारोबार के लिए पैसा और बाजार उपलब्ध करा रहा है? अगर बड़ी खेप पकड़ने के बाद भी शहर की गलियों ▶▶|शेष पेज 5 पर

दुर्ग-भिलाई : कालेज, स्कूल और पॉश कालोनी बड़ा अड्डा

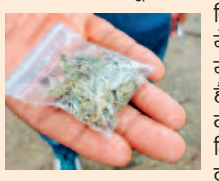
टीम हरिभूमि ने गांजा तस्करों के बारे में पड़ताल की। पता चला कि गिरधारी नगर, गंजपारा, मोहन नगर, खुर्सीपार, पाटन, नेवई, कुम्हारी, पद्मनाभपुर क्षेत्र में गांजा का बड़ा अवैध कारोबार चल रहा है। टीम हरिभूमि गंजपारा पहुंची। वहां कुछ युवक, जिनमें कुछ नाबालिग भी थे, सीढ़ियों पर बैठे थे। वहां गांजा बेचा जा रहा था। उनसे पूछताछ करने पर उन्होंने जेब से गांजा निकालकर दिया। दूसरे इलाकों में भी सौ-सौ रुपए में गांजा बेचने की पुष्टि हुई। ▶▶|शेष पेज 5 पर

पुलिस ने हाइड्रोपोनिक गांजा तस्करों को पकड़ा था। एनडीपीएस के मामलों में पुलिस ने टीम बनाई है। दबिश देकर पुलिस ने कई कार्रवाई किया है। जिले से नशे को पूरी तरफ खत्म किया जाएगा। टास्क फोर्स भी बनाया गया है।

विजय अग्रवाल, एसएसपी दुर्ग

गांजा के गोरखधंधे में नाबालिगों की एंट्री

धमतरी। मादक पदार्थ गांजा के खिलाफ लगातार हो रही कार्रवाई के बावजूद शहर के विभिन्न वार्डों में गांजा की बिक्री हो रही है। हालांकि घरों में खुलेआम बिक रहे इस मादक पदार्थ पर लगाम लगी है लेकिन इस गोरखधंधे में नाबालिग युवकों का सहारा लिया जा रहा है। शहर के दानीटोला, मकेश्वर वार्ड, रिसाईपारा, हटकेशर, शीतलापारा वार्ड के ▶▶|शेष पेज 5 पर



ब्रिक्स सम्मेलन की हुई शुरुआत साझा बयान में पहलगाम हमले की निंदा

आतंकवाद पर ब्रिक्स का कड़ा संदेश न मकसद चलेगा और न पनाहगाह

ब्रिक्स में बॉन्डिंग की ताकतवर तस्वीर!



प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ हाथ थामे हुए एक तस्वीर पोस्ट की, जो तीनों नेताओं के बीच अच्छे संबंधों का संकेत है। तस्वीर में मोदी, पुतिन और शी के बीच खड़े दिख रहे हैं एवं तीनों नेता मुस्कुरा रहे हैं।

रूस और चीन समेत ब्रिक्स देशों ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की है। देशों ने कहा कि आतंकियों को पनाह देने वालों के खिलाफ मिलकर कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही, आतंकियों तक पहुंचने वाली फंडिंग रोकने और उन्हें सुरक्षित ठिकाने देने वालों पर कार्रवाई करने पर भी सहमति बनी है। सीमा पार आतंकवाद, आतंकी फंडिंग और आतंकियों को पनाह देने वालों के खिलाफ साझा कार्रवाई का संकल्प दोहराया गया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारत ने शनिवार को तब एक बड़ी कूटनीतिक सफलता हासिल की, जब ब्रिक्स द्वारा अंगीकार किए गए 'नयी दिल्ली घोषणापत्र' में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में अप्रैल 2025 में हुए आतंकवादी हमले की निंदा की गई और देश-समर्थित सीमा-पार आतंकवाद के प्रति कतई बर्दाश्त नहीं की नीति अपनाने का आह्वान किया। 'लचीलेपन, नवोन्मेष, सहयोग और स्थिरता का निर्माण' शीर्षक वाले 45 पन्ने के इस व्यापक घोषणा-पत्र में वैश्विक आतंकवाद, अवैध वित्तीय लेन-देन, साइबर धोखाधड़ी और उभरते हुए सीमा-पार धोखाधड़ी नेटवर्क के ▶▶|शेष पेज 5 पर

आतंकवाद किसी भी रूप में मंजूर नहीं, ब्रिक्स की नई दिल्ली घोषणा



सबसे अहम बातें

- मोदी-शी मिले, मतभेदों को विवाद न बनने देने पर जोर
- पुतिन के साथ भी हुई अहम बातचीत, 2030 तक 100 अरब डॉलर का लक्ष्य
- मोदी-पुतिन की एक कार ने खींचा ध्यान
- ईरान के राष्ट्रपति पेजेश्कियन से भी मिले पीएम मोदी
- एकतरफा प्रतिबंध और टैरिफ पर ब्रिक्स का विरोध
- एआई से लेकर साइबर-अंतरिक्ष तक भारत का जोर

सीमा पर शांति जरूरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच शनिवार को द्विपक्षीय बैठक हुई। दोनों नेताओं ने भारत-चीन संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। दोनों नेताओं ने सहमति जताई कि सीमा पर शांति जरूरी है। मतभेदों को विवाद में नहीं बदलना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों के संबंधों को तीन 'परस्पर' सिद्धांतों- आपसी सम्मान, आपसी संवेदनशीलता और आपसी हित से निर्देशित होना चाहिए। वहीं, इस बैठक के दौरान शी जिनपिंग ने कहा कि चीन ▶▶|शेष पेज 5 पर

वंतारा, माधुरी के साथ जीवन भर खड़ी रहेगी, चाहे उसका घर कहीं भी हो

कोल्हापुर। कोल्हापुर में महादेवी के नाम से जाने वाली और प्रिय माधुरी (हाथी) को 30 जुलाई



2025 को उच्चाधिकार प्राप्त समिति के निर्देशों के अनुपालन में जामनगर स्थित वंतारा लाया गया था। इन निर्देशों को माननीय बॉम्बे उच्च न्यायालय और



माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने भी बरकरार रखा था। वंतारा ने उसकी कस्टडी की मांग नहीं की थी। उसे वहां लाया गया और उसकी देखभाल की गई, क्योंकि



ऐसा करने का निर्देश दिया गया था। हम कोल्हापुर में माधुरी को लेकर लोगों की गहरी भावनाओं को पूरी तरह समझते हैं। महाराष्ट्र सरकार, उसके अधिकारियों, हितधारकों और समुदाय के सदस्यों के साथ चर्चा के बाद, वंतारा ने 06 अगस्त 2025 को कहा था कि वह उन भावनाओं का सम्मान करता है और सक्षम प्राधिकारियों के निर्देशों का पालन करेगा। इसके बाद माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने संबंधित पक्षों को अपने दावे उच्चाधिकार प्राप्त समिति के समक्ष रखने का निर्देश दिया। पक्षों की सुनवाई करने, रिपोर्ट मंगाने और नंदानी स्थित सुविधा का निरीक्षण करने के बाद, उच्चाधिकार प्राप्त समिति ने 09 सितंबर 2026 को एक कारणयुक्त आदेश पारित किया, जिसमें सख्त शर्तों के अधीन माधुरी को कोल्हापुर लौटने की अनुमति दी गई। इन शर्तों में शामिल है कि उसका उपयोग जुलूसों या किसी अन्य उद्देश्य के लिए नहीं किया जाएगा, उसे चौबीसों घंटे देखभाल प्रदान की जाएगी और हर पखवाड़े उसका चिकित्सकीय परीक्षण कराया जाएगा। वंतारा उच्चाधिकार प्राप्त समिति के अधिकार का सम्मान करता है और उसके निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन करेगा। माधुरी के संबंध में हमारा रुख हमेशा पशु चिकित्सा विज्ञान और उसके कल्याण से निर्देशित रहा है। निरंतर पशु चिकित्सा देखभाल के माध्यम से उसकी स्थिति को स्थिर किया गया है, लेकिन उसकी पुरानी बीमारियां समाप्त नहीं हुई हैं। उसे अभी भी उचित देखभाल, सहायक उपचार एवं प्रबंधन तथा नियमित पशु चिकित्सा निगरानी की आवश्यकता है। माधुरी के कोल्हापुर लौटने के साथ हमारी जिम्मेदारी समाप्त नहीं होती। वंतारा ने उसकी वापसी की प्रक्रिया में सहयोग करने के लिए यह सुनिश्चित करने में मदद की है कि उचित रहने की



परिस्थितियां, पशु चिकित्सा संबंधी बुनियादी ढांचा, चिकित्सा उपकरण, दवाइयां और अन्य आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध हों। उच्चाधिकार प्राप्त समिति के निर्देशानुसार, वंतारा के पशु चिकित्सक हर पखवाड़े कोल्हापुर में माधुरी का चिकित्सकीय परीक्षण करने और अपनी रिपोर्ट सक्षम प्राधिकारियों को सौंपने जाएंगे। यह देखभाल की निरंतरता बनाए रखने और उसके कल्याण की सुरक्षा सुनिश्चित करने के बारे में है, चाहे उसे कहीं भी रखा जाए। वंतारा ने नंदानी स्थित उस बाड़े और सुविधा पर भी काम किया है, जहां माधुरी अब लौट रही है। उपलब्ध बुनियादी ढांचे के भीतर उसके लिए सर्वोत्तम संभव व्यवस्थाएं की गई हैं। इस चरण में बुनियादी ढांचे में और सुधार नहीं किया जा सका, क्योंकि नगर नियोजन संबंधी बाधाओं के





कारण ट्रस्ट की भूमि से होकर गुजरने वाली सड़क ने विकास के लिए उपलब्ध भूमि को सीमित कर दिया है। माधुरी के वहां व्यवस्थित हो जाने के बाद, वंतारा सुविधा के उन्नयन के लिए मठ को सहयोग देने हेतु



तो वंतारा इस उन्नयन में भी समान रूप से सहायता करेगा। वंतारा का मानना है कि वास्तविक पशु कल्याण के लिए तथ्यों, पशु चिकित्सा विज्ञान, जिम्मेदार देखभाल, उचित कानूनी प्रक्रिया के सम्मान और जीवन की हमेशा रक्षा करने की अटूट प्रतिबद्धता की आवश्यकता होती है। वंतारा माननीय सर्वोच्च न्यायालय, माननीय बॉम्बे उच्च न्यायालय और HPC के निर्देशों के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त करता है। हम महाराष्ट्र और गुजरात सरकारों तथा उनके अधिकारियों को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद देते हैं। हम मठ और कोल्हापुर के लोगों के भी समान रूप से आभारी हैं, जिन्होंने माधुरी के प्रति अपनी चिंता व्यक्त की। हम माधुरी की स्थिति को उच्चाधिकार प्राप्त समिति के समक्ष लाने में पेटा इंडिया की भूमिका को भी स्वीकार करते हैं और पशु कल्याण के उद्देश्य से उनके साथ अपने लंबे संबंध को महत्व देते हैं। माधुरी का कल्याण वंतारा की पहली प्राथमिकता बना हुआ है। उसके स्वास्थ्य, कल्याण और गरिमा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता इस बात पर निर्भर नहीं करती कि वह कहां रहती है। हम उसके अच्छे स्वास्थ्य और लंबे, सुरक्षित एवं सुखमय जीवन की कामना करते हैं। *-वंतारा*



तरकश

संजय के. दीक्षित

ईडी के राडार पर कई आईएएस

करीब पांच हजार करोड़ के कोयला, आबकारी और डीएमएफ घोटाले में ईडी ने नौकरशाहों पर फिर शिकंजा बढ़ा दिया है। पता चला है, एक पूर्व मुख्य सचिव समेत छह आईएएस अधिकारियों को ईडी ने रायपुर के सुभाष स्टेडियम स्थित कार्यालय में बुलाकर तीन दिन तक कड़ी पूछताछ की है। इन अधिकारियों का इन मामलों में कोई कनेक्शन है या नहीं, ये जांच में पता चलेगा मगर ईडी ने टेंशन तो बढा ही दिया है। वैसे, बताते हैं इन घोटालों की जांच में ईडी को कुछ व्हाट्सएप चेट मिले हैं, इसके बाद ईडी ने जांच का दायरा बढ़ाया है। मगर मिलियन डॉलर का सवाल है...आखिर ऐसा क्या हुआ, जब सारे मामले पुराने और ठंडे पड़ते जा रहे थे, तब ईडी ने फिर से इंवेस्टिगेशन की फाईलें फिर से ओपन कर दी है...वो भी सभी एक साथ।

और गिरफ्तारियां?

ईडी ने पीएससी घोटाले में टामन सिंह सोनवानी के बाद एडिशनल कलेक्टर चेतन बोरघरिया को गिरफ्तार किया है। हालांकि, टामन सिंह पहले से जेल में हैं। सीबीआई ने उन्हें अरेस्ट किया था। सो, ईडी की अरेस्टिंग औपचारिक थी। खैर पता चला है, पीएससी घोटाले में ईडी कुछ और बड़ी गिरफ्तारियां करने वाली है। बताते हैं, राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी चेतन की कोई रिश्तेदार पीएससी के जरिये एसीएफ याने सहायक वन संरक्षक बन गई है, उसमें कुछ क्लू ईडी को मिले हैं। बता दें, चेतन पूर्व मुख्यमंत्री के ओएसडी रहे। हालांकि, 2022 में उनके कुछ कारनामों की वजह से पिछली सरकार ने सीएम हाउस से खो कर मंत्रालय में अवर सचिव बनाकर शंट कर दिया था। फिर भी पुराने संपर्कों से कुछ बड़ा कर डाला।

जय तुकाराम



महाराष्ट्र के फूड एंड ड्रग कंट्रोलर तुकाराम मुंडे ने बता दिया है कि आईएएस अगर ट्रांसफर, पोस्टिंग की परवाह छोड़ दें तो कुछ भी कर सकता है। तुकाराम ने मुंबई के ऐसे स्टार रेस्टोरेंटों को निशाने पर लिया, जिन्हें कोई टच नहीं कर सकता था। अब बात छत्तीसगढ़ की। छत्तीसगढ़ में फूड एंड ड्रग कंट्रोलर कौन हैं? पीएससी के किस चर्चित बैच के हैं? और इस समय कहां हैं...? इससे ज्यादा महत्वपूर्ण है कि इस समय इस डिपार्टमेंट को चला रहा, इंद्रावती भवन में बैठा क्लास थ्री का एक मुलाजिम। कुल मिलाकर फूड एंड ड्रग फिक्सिंग का डिपार्टमेंट बनकर रह गया है। लेब में किसका सेंपल पास और किसका फेल...यह सब 'मनीराम' पर निर्भर करता है। 'मनीराम' मिल गया तो सेंपल पास, नहीं मिला तो फिर गए काम से। मुंबई वाले तुकाराम बड़े-बड़े लोगों को निबटा रहे तो छत्तीसगढ़ में...? आखिर, बड़े प्रतिष्ठानों पर एक्शन क्यों नहीं? पान मसालों में कई खतरनाक चीजें मिलाई जाती है, मगर उसका कभी सेंपल क्यों नहीं। आखिर मेडिकल स्टोर्स की कभी जांच क्यों नहीं होती? 4000 हजार में दवा दुकान का लायसेंस बन जाता है, उसके बाद साल का दुकान की साइज से पांच से 25 हजार रुपए तय...इसके बाद कुछ भी बेचो, आपके मेडिकल शॉप में कोई झांकने नहीं आएगा। बता दें, इस विभाग को जानमाल की सुरक्षा के लिए बनाया गया था। उद्देश्य बड़ा पवित्र था...मिलावटी खाद्य पदार्थों की जांच कर लोगों को गंभीर बीमारियों से बचाया जाए। मगर पिछले ढाई-तीन दशक से यह विभाग छत्तीसगढ़ में सिर्फ और सिर्फ डॉक्टरों और दवा दुकानों की संख्या बढ़ाने का काम कर रहा। मिलावटी चीजें से ही सूबे में कैंसर के केसेज तेजी से बढ़े हैं। आलम यह है कि पिछले एक दशक में सिर्फ रायपुर में कैंसर के आधा दर्जन अस्पताल खुल गए। यद्यपि, इंटरेस्टिंग यह है कि मुंबई वाले तुकाराम की वजह से छत्तीसगढ़ में फूड एंड ड्रग डिपार्टमेंट में आमदनी इतनी बढ़ गई है कि अब इस विभाग के उपर से लेकर नीचे तक के मुलाजिम बोल रहे...जय तुकाराम।

भूपेश को झटका?

कांग्रेस हाई कमान ने भूपेश बघेल को चुनाव से पहले पंजाब के प्रभारी पद से हटा दिया। उनकी जगह सचिन पायलट को वहां की जिम्मेदारी सौंपी गई है। भूपेश अब असम के प्रभारी होंगे। असम में इसी साल विधानसभा चुनाव हुआ है, और वहां अगले चार साल कुछ करने के लिए बचा नहीं है। बहरहाल, कांग्रेस नेतृत्व के इस फैसले से भूपेश को कितना झटका लगा है, ये तो नहीं पता मगर छत्तीसगढ़ में उनके विरोधी गुट के नेताओं का टेंशन जरूर बढ़ गया होगा। पंजाब में चूकि विधानसभा चुनाव का था, इसलिए प्रभारी की हैसियत से छह-सात महीने भूपेश पंजाब में व्यस्त रहते। मगर, वे इससे फ्री हो गए हैं। भूपेश के करीबी लोग पार्टी कार्यकर्ताओं को यही बता रहे...दाउ अब छत्तीसगढ़ में अपना पूरा फोकस बढ़ाएंगे। ऐसे में, कांग्रेस के लीडर परेशान होंगे।

सीजी के जस्टिस, बड़ी चुनौती

बिलासपुर हाई कोर्ट के जस्टिस संजय के. अग्रवाल को राजस्थान हाई कोर्ट का चीफ जस्टिस अपाइंट किया गया है। कॉलेजियम ने ऐसे समय पर उनके नाम की सिफारिश की, जब राजस्थान हाई कोर्ट में बवाल मचा था। कार्यवाहक चीफ जस्टिस और वकील आमने-सामने थे। वकीलों ने एक सितंबर से काम बंद करने का ऐलान कर दिया था। केसों के रोस्टर तय करने में मनमानी से शुरू हुआ विवाद कार्यवाहक सीजे को हटाने की मांग पर पहुंच गया था। सुप्रीम कोर्ट ने समय रहते इसे संज्ञान लिया...वकीलों की हड़ताल से 15 घंटे पहले कॉलेजियम ने जस्टिस संजय के. अग्रवाल को राजस्थान हाई कोर्ट की सीजे बना दिया। छत्तीसगढ़ के लिए यह गौरव की बात होगी। राजस्थान हाई कोर्ट की चुनौतीपूर्ण स्थिति में सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ के न्यायाधीश को वहां भेजने का फैसला किया। संजय के. अग्रवाल बिलासपुर जिले के रतनपुर के रहने वाले हैं। रतनपुर के सरकारी स्कूल में पढ़े। फिर बिलासपुर से कॉलेज किए। फिर जबलपुर हाई कोर्ट में प्रैक्टिस। नवंबर 2000 में अगल राज्य बनने पर बिलासपुर हाई कोर्ट आए। वे एडवोकेट जनरल रहे, फिर 48 साल की उम्र में हाई कोर्ट जज बन गए। वे दीगर राज्यों के हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस बनने वाले तीसरे जज होंगे। उनसे पहले प्रशांत मिश्रा आंध्रप्रदेश, मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव सिक्किम के चीफ जस्टिस रह चुके हैं।

20 विधायकों पर संकट



सरकार के ढाई बरस पूरे होने पर बीजेपी ने विधायकों के परफार्मेंस पर एक अंदरुनी सर्वे कराया है। इसके आउटकम चौंकाने वाले हैं। ढाई साल में ही 20 विधायकों की स्थिति बेहद खराब हो गई है। इन 20 विधायकों से न उनके विधानसभा इलाके के लोग खुश हैं और न ही पार्टी के कार्यकर्ता। इन 20 विस क्षेत्र में कामकाज की स्थिति भी सिफर है। कार्यकर्ताओं का फीडबैक है...चुनाव जीतने के बाद विधायक ठेकेदारों से घिर गए हैं। विधायक निधि के कार्य भी भाई, भतीजे करा रहे। इन पुअर परफार्मेंस वाले विधायकों में तीन मंत्री भी हैं। खैर, ये तो ढाई साल के सर्वे हैं। पार्टी के नेता भी मानते हैं...चार साल पूरे होने के बाद जो सर्वे होगा, विधायकों के रंग-ढंग को देखते...अगले चुनाव में 25-30 चेहरे बदलने पड़ेंगे।

कंसलटेंट कल्चर और खतरे

छत्तीसगढ़ में मंत्रालय समेत विभिन्न सरकारी बोर्ड और कारपोरेशनों में इन दिनों कंसलटेंट कल्चर तेजी से हॉवी होता जा रहा। लाख रुपए से लेकर पांच-पांच लाख रुपए मासिक पगार पर ढेरों की संख्या में विभागों में सलाहकारों की नियुक्ति की जा रही है। यह तब नहीं हुआ, जब नवंबर 2000 से लेकर 2015-16 तक आईएएस अफसरों की काफी कमी रही। हेवी पैकेज वाले सलाहकारों की जरूरत तब पड़ रही, जब सिर्फ मंत्रालय में सचिवों की संख्या 50 से अधिक हो गई है। खासतौर से मंत्रालय में कॉरपोरेट ड्रेस वालों की बाढ़ जैसी आ गई है। सिस्टम को कंसलटेंस का लिमिटेशन तय करना चाहिए। असल में, पर्सनल इंटरेस्ट से कुछ ब्यूरोक्रेट्स ही कंसलटेंसी को पोषित और पल्लवित कर रहे हैं, मगर इसके नुकसान को भी कैलकुलेट करना चाहिए। जाहिर है, सरकार के भीतर कंसलटेंट कल्चर पर इंफोसिस के सह-संस्थापक गोपालकृष्णन भी चिंता व्यक्त कर चुके हैं। उनका मानना है कि सरकार द्वारा नीति निर्माण और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में बाहरी कंसल्टेंट्स पर अत्यधिक निर्भरता नौकरशाही के कौशल और क्षमता को कमजोर कर सकती है। बात सही है भी है। कंसलटेंसी में जवाबदेही का अभाव रहता है। बाहरी कंसल्टेंट्स अक्सर सुझाव, सलाह देकर चले जाते हैं। लेकिन उसके फेल होने पर उनकी कोई जिम्मेदारी नहीं होती। कंसलटेंट से सरकारी गोपनीयता की भी अपेक्षा नहीं की जा सकती। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी में यही तो हुआ। वहां 95 परसेंट से अधिक कंसलटेंसी वाले लोग हैं। नीट पेपर लीक होने पर जांच रिपोर्ट में भी ये बात सामने आई है कि एनटीए को कंसलटेंसी से मुक्त करना चाहिए।

तू डाल-डाल, मैं पात-पात

सरकार ने आम आदमी की दिक्कतों को समझते हुए जमीन, संपत्ति की रजिस्ट्री के साथ ही आटोमेटिक नामंतरण की सुविधा प्रारंभ की तो राजस्व विभाग ने इसका भी तोड़ निकाल लिया। पहले छोटे प्लॉटों के नामंतरण का रेट 10 हजार तय था। एक दिन में पांच भी आए तो एसडीएम, तहसीलदार रोज सिर्फ नामंतरण से 50 हजार रुपए लेकर घर जाते थे। अब जब से आटोमेटिक नामंतरण हुआ, उसके बाद राजस्व अधिकारियों ने नया आईडिया निकाला है। खासकर बड़े मामलों में अपने लोगों से कंप्लेन करा जमीन को विवादित बना दो। वो इसलिए कि सरकार ने एक क्लॉज छोड़कर रखा है कि विवादित जमीन का नामंतरण आटोमेटिक नहीं होगा। बहरहाल, इस नए आईडिया से राजस्व विभाग को फायदा यह हुआ कि अभी 10-10 हजार का चिल्हर नहीं गिनना पड़ रहा। दिन में एकाध भी ऐसा केस क्रियेट हो गया तो अब एक मुश्त पेटी पहुंच जा रहा।

कलेक्टर बड़ा या एसडीएम या पैसा?

छत्तीसगढ़ के कलेक्टरों ने जमीन की बिक्री पर रोक लगा, और फिर उसे खोलने का खेला कर अरबों रुपए कमाए होंगे और कमा रहे भी हैं। मगर कुछ जिलों में अब यही काम एसडीएम और तहसीलदारों ने शुरू कर दिया है। जबकि, भू-राजस्व संहिता में तहसीलदारों और एसडीएम को ये पावर नहीं है। देश के किसी भी राज्य में ऐसी अराजकता नहीं। मगर छत्तीसगढ़ में व्यापक स्तर पर यह खेल हो रहा...कलेक्टर्स तो कर रही रहे, पैसे के लिए एसडीएम भी जमीनों की बिक्री पर रोक लगा दे रहे। हालांकि, कोर्ट में इस रोक का कोई महत्व नहीं। मगर जमीन के बड़े काम करने वाले या फिर आम आदमी कोर्ट-कचहरी करना नहीं चाहता। सो, एसडीएम को चढ़ावा चढ़ा बैन हटवा लेता है। सरकार को इसकी जांच करानी चाहिए कि कितने कलेक्टरों और एसडीएम ने जमीनों की बिक्री पर क्यों बैन लगाया, और कुछ ही महीने बाद उसे फिर ओपन कैसे कर दिया...? बड़ा स्कैम उजागर होगा।

संगठन इग्नोर क्यों?

छत्तीसगढ़ में पिछले आठ महीने से बीजेपी के प्रदेश प्रभारी का पद खाली है। नितिन नबीन 27 जनवरी को राष्ट्रीय अध्यक्ष बने थे, उसके बाद यहां कोई नियुक्ति नहीं हुई। संगठन मंत्री पवन साय का पिछले छह महीने से प्रमोशन की हवा उड़ी हुई है। वे अपग्रेड होकर क्षेत्रीय संगठन मंत्री बनने वाले हैं। प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव महीने भर से अधिक समय से अस्वस्थ चल रहे। सामने तीन नगर निगमों का चुनाव है। सरकार के ढाई साल होने के बाद कांग्रेस हमलावर होती जा रही। सिंहदेव की जगह कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त करने की अटकलें तेज थी, मगर पार्टी ने उस पर भी अभी तक कोई फैसला नहीं किया है। कार्यकर्ताओं के नाखुश होने की ये भी एक बड़ी वजह है। क्योंकि, बड़े नेताओं के अपने काम तो हो जा रहे, छोटे कार्यकर्ता जाते हैं, तो फिर टरका दिया जाता है...मेरा कोई सुन नहीं रहा। इससे पार्टी ही नहीं, सरकार के प्रति परसेप्शन पर भी असर पड़ रहा।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. छत्तीसगढ़ के 98 परसेंट विभागों में जब ट्रांसफर, पोस्टिंग के लिए खुली बोली लग रही है...ऐसे में उनसे डेवलपमेंट की उम्मीद रखनी चाहिए क्या?
2. वे कौन से मंत्री है, जिनके एजेंट खुला खेल करके संघ से लेकर दिल्ली तक को बदनाम कर रहे हैं?

'हनुमान अंश' अब तेलुगू में, 160 करोड़ कमाने के बाद नए धमाके की तैयारी...



मुंबई। कम बजट में बनी फिल्म 'हनुमान अंश' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई कर इतिहास रच दिया है। महज 2 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने भारत में 163 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है। अब ये फिल्म तेलुगू दर्शकों के बीच पहुंचने के लिए तैयार है। मशहूर निर्देशक त्रिविक्रम श्रीनिवास इसे प्रस्तुत कर रहे हैं। 'हनुमान अंश' को तेलुगू दर्शकों के बीच सिनेमाघरों में भव्य तरीके से रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म की कमाई ने ट्रेड पंडितों को भी हैरान कर दिया है। उत्तर भारत में धमाल मचाने वाली इस फिल्म के तेलुगू वर्जन के अधिकार मशहूर निर्देशक त्रिविक्रम श्रीनिवास ने खरीदे हैं। उनकी पत्नी साई सौजन्या के नेतृत्व वाले 'फॉर्च्यून फोर सिनेमाज' बैनर के तहत फिल्म को तेलुगू राज्यों में बड़े स्तर पर रिलीज करने की तैयारी की गई है। निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज को लेकर पूरी योजना तैयार कर ली है।

इस दिन रिलीज होगी 'हनुमान अंश'

सोशल मीडिया पर इस प्रोजेक्ट को लेकर पहले से ही चर्चा थी। अब निर्माण कंपनी ने आधिकारिक तौर पर मोशन पोस्टर जारी कर फिल्म की रिलीज डेट 18 सितंबर तय होने की जानकारी दी है। त्रिविक्रम श्रीनिवास का नाम जुड़ने से तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री में इस फिल्म को लेकर काफी उत्साह है। ये फिल्म नीम करोली बाबा के जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं और उनकी आध्यात्मिक यात्रा की कहानी दिखाती है। नीम करोली बाबा दुनियाभर में प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु थे।

नीम करोली बाबा की जिंदगी का अनसुना और अनदेखा सफर: लक्ष्मी नारायण शर्मा नाम का एक छोटा बच्चा भगवान हनुमान की भक्ति में लीन होकर ईश्वर की तलाश में निकल पड़ता है और आगे चलकर नीम करोली बाबा बन जाता है। निर्देशक विशाल चतुर्वेदी ने उनकी इस यात्रा को बेहद भावुक और दिल छू लेने वाले अंदाज में पेश किया है। फिल्म में शोभिनव सत्या ने मुख्य भूमिका निभाई है। वहीं चंदन आनंद, निखिल दुबे, उदय सिंह राजपूत और पूर्णिमा तिवारी अहम किरदारों में नजर आए हैं।

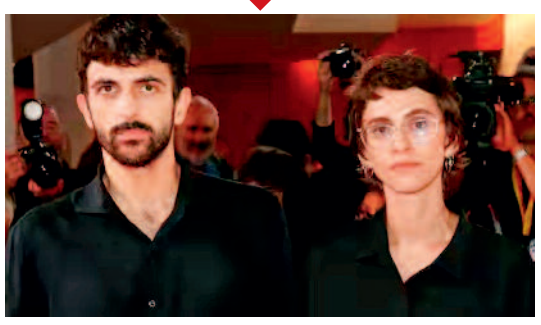
'उड़ता तीर' की रिलीज टली, नई तारीख का ऐलान

मुंबई। आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की फिल्म 'उड़ता तीर' अब नई तारीख पर आएगी। आकाश ए कौशिक द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म को पहले 11 सितंबर को रिलीज किया जाना था, लेकिन अब इंतजार की घड़ियां बढ़ गई हैं। फिल्म अब 9 अक्टूबर को सिनेमाघरों का रुख करेगी। निर्माताओं ने नई तारीख का खुलासा करते हुए फिल्म का पहला पोस्टर भी जारी किया है। इसमें आयुष्मान का मजेदार अंदाज देखने को मिल रहा है। बता दें, 'उड़ता तीर' निर्माण धर्मा प्रोडक्शंस और सिखिया एंटरटेनमेंट ने किया है। 'उड़ता तीर' के पोस्टर में आयुष्मान को भारत-पाकिस्तान सीमा के बीच झूलते हुए देखा जा सकता है।



उनके ऊपर एक अति गोपनीय फाइल रखी है। जबकि दोनों ओर भारत और पाकिस्तान के देशचिन्ह बने हुए हैं। उनका यह गजब अंदाज फिल्म के हास्यपूर्ण और हटके अंदाज की ओर इशारा करता है।कैप्शन में लिखा है, 'देशभक्ति तो याद है...पर देश नहीं असीमित अराजकता, भ्रम और एक्शन के लिए तैयार हो जाइए!'

टीवी मसाला



इजराइली फिल्म 'नाजा' ने वेनिस फिल्म फेस्टिवल में रचा इतिहास

लॉस एंजिल्स। *ऑस्कर विजेता इजराइली फिल्ममेकर युवल अब्राहम और राचेल सोर की डॉक्यूमेंट्री 'नाजा' ने वेनिस फिल्म फेस्टिवल में धूम मचा दी। गाजा में आम फिलिस्तीनियों के साथ हुए दर्दनाक नरसंहार पर बनी इस फिल्म के प्रीमियर पर दर्शकों ने खड़े होकर 25 मिनट तक तालियां बजाईं। पिछले साल की 'द वॉइस ऑफ हिंद रजब' के बाद इस बार 'नाजा' को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया सिनेमा के जरिए दुनिया तक सच्चाई पहुंचाने की असरदार मिसाल बन गई है।*

फिल्म ने बनाया नया रिकॉर्ड

रिपोर्ट के अनुसार, प्रीमियर पर फिल्म को 25 मिनट का ऐतिहासिक स्टैंडिंग ओवेशन मिला, जो इस फेस्टिवल का नया रिकॉर्ड माना जा रहा है। स्क्रीनिंग खत्म होने के बाद दर्शकों ने दोनों निर्देशकों के लिए लगातार तालियां बजाईं। इसी के साथ इस फिल्म ने पिछले साल की डॉक्यू-ड्रामा 'द वॉइस ऑफ हिंद रजब' को मिले 23 मिनट की तालियों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया, जो इजराइली सेना द्वारा 5 साल की मासूम बच्ची की हत्या पर बनी थी।

रेड कार्पेट पर लगे 'फ्री फिलिस्तीन' के नारे

इससे पहले रेड कार्पेट पर जब दोनों फिल्ममेकर युवल अब्राहम और राचेल सोर ऑडिटोरियम की तरफ बढ़ रहे थे, तब वहां मौजूद लोगों ने फ्री फिलिस्तीन और फ्री इजराइल के जोरदार नारे लगाए। इस फिल्म को वेनिस फेस्टिवल के शीर्ष पुरस्कार की मजबूत दावेदार माना जा रहा है। बता दें कि पिछले साल भी 'द वॉइस ऑफ हिंद रजब' को भारी समर्थन से मुख्य दावेदार माना गया था, लेकिन जूरी में फूट के कारण उसे दूसरा पुरस्कार ही मिला।

3 साल तक गुपचुप शूट हुई 'नाजा'

ग्लोबल फिल्म फेस्टिवल्स में स्टैंडिंग ओवेशन से ही किसी फिल्म के प्रभाव का अंदाजा लगाया जाता है। डॉक्यूमेंट्री 'नाजा' को 3 साल तक तेल अवीव की छतों पर गुपचुप तरीके से शूट किया गया है। इस फिल्म में 24 इजराइली सैन्य अधिकारियों और सैनिकों ने पहली बार कैमरे पर आकर गाजा युद्ध और फिलिस्तीनी नागरिकों के व्यवस्थित नरसंहार की सनसनीखेज सच्चाई उजागर की है। उनकी पहचान छुपाने के लिए आवाज और चेहरे डिजिटल रूप से बदले गए हैं।

'वृषकर्मा' दिसंबर में करेगी धमाका

मुंबई। नाग चैतन्य की आने वाली फिल्म 'वृषाकर्मा' के लिए तैयार हो जाइए। यह एक पौराणिक थ्रिलर फिल्म है, जिसे कार्तिक दंडु ने निर्देशत की है। यह फिल्म 4 दिसंबर, 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। लगभग 2 साल के लंबे इंतजार के बाद बन रही यह फिल्म दर्शकों को एक शानदार और अलौकिक रोमांच से भरी यात्रा पर ले जाने का वादा करती है। नाग ने खुद एक्स पर फिल्म की रिलीज की तारीख का ऐलान किया। फिल्म का टीजर एक रहस्यमय खजाने की खोज की कहानी दिखाता है, जहां एक ताकतवर बुराई अपना सिर उठा रही है।

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का सेलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें
हर्बल लेप शिव मस्सानाशक
शिव मस्सानाशक को 12-15 घटों तक लगाकर रखेंगे तो यह मस्से को शीघ्र हटा देगा। जब तक मस्सा न हट जाए, रोज 1-2 बार लगाना है। यदि लगाने के बाद किसी कारणवश लेप पुछ जाए तो पुन: लगा दें।
94060-21769

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

अहलूवालिया हॉस्पिटल
81031 28515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • सभी प्रकार के ऑपरेशन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चो के ऑपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
सुविधाएं : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड़, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

AB आई हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
पता : - 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डायबिटिक क्लीनिक
डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

सिंघानिया स्किन केयर
सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email-bsinghania111@yahoo.co.in
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लेप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत नि:शुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330 मो. 0771-4347172

रायपुर
रविवार 13 सितंबर 2026
भाद्रपद शुक्ल पक्ष द्वितीया
वर्ष : 25, अंक : 54
पृष्ठ : 12+4+4 = 20 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 30.4
न्यून. 24.4

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

पाठक सूचना
हरिभूमि
सुनहरा मौका
सुनिश्चित उपहार 2026
का मास्टर कूपन
कल के अंक में देखें।

सबसे कम कीमत पर आभूषण NOW OPEN ANAND Gold पंडरी, रायपुर

देवताओं ने थाने में दी हाजिरी, पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने किया स्वागत



केशकाल में भंगाराम जात्रा की हुई शुरुआत, नौ परगना के देवी-देवता हुए शामिल

केशकाल में देवताओं की अदालत, थाने में हाजिरी देने पहुंचे नौ परगना के देवी-देवता

विराग उपाध्याय ⏭ केशकाल

अलग खबर

बस्तर की समृद्ध धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं में विशेष स्थान रखने वाली केशकाल की प्रसिद्ध भंगाराम जात्रा की शुरुआत शनिवार को पारंपरिक रीति-रिवाजों और धार्मिक मान्यताओं के साथ हुई। जात्रा में नौ परगना के देवी-देवताओं के प्रतीक स्वरूप शामिल हुए, जिसके चलते केशकाल क्षेत्र में सुबह से ही श्रद्धा और उत्साह का माहौल बना रहा। भंगाराम जात्रा की परंपरा के अनुसार देवी-देवताओं के प्रतीक ⏭शेष पेज 5 पर





नौ परगना के देवी-देवताओं का समागम

भंगाराम जात्रा की खासियत यह है कि इसमें आसपास के विभिन्न क्षेत्रों और परगनों से देवी-देवताओं के प्रतीक स्वरूप शामिल होते हैं। नौ परगना के देवी-देवताओं के एक स्थान पर पहुंचने से यह आयोजन धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक एवं सांस्कृतिक समागम का रूप ले लेता है। देवी-देवताओं के साथ पारंपरिक वेशभूषा और रीति-रिवाजों के साथ पहुंचे ग्रामीण इस आयोजन को और विशेष बनाते हैं।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA sky | airtel
चैनल नं. 1155 | चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

पुलिस थाने पर पेट्रोल बम से किया हमला

शिलांग। मेघालय के लाबान थाना पर शुक्रवार रात अज्ञात बदमाशों ने पेट्रोल बम से हमला किया। घटना में कोई पुलिसकर्मी घायल नहीं हुआ। पुलिस अधीक्षक विवेक सियाम ने कहा कि अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। अज्ञात बदमाश दोपहिया वाहन से आए और उन्होंने दो पेट्रोल बम फेंके।



नक्सली ठिकाने से जिलेटिन की 250 छड़ें बरामद

जमुई। बिहार पुलिस ने जमुई जिले के एक जंगल से अत्यधिक विस्फोटक क्षमता वाली जिलेटिन की 250 छड़ें बरामद की हैं। अधिकारियों को संदेह है कि इन्हें नक्सलियों ने वहां छिपाकर रखा होगा। बिहार पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने बताया कि नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शुक्रवार को गुइया इलाके से औद्योगिक श्रेणी का विस्फोटक बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि बरामद जिलेटिन की छड़ों को बम निरोधक एवं निपटान दस्ते ने निष्क्रिय कर दिया।

डेटिंग ऐप पर झांसा 18 लाख की ठगी

नोएडा। अज्ञात साइबर अपराधियों ने एक डेटिंग ऐप के माध्यम से लड़की से मिलवाने का झांसा देकर एक व्यक्ति से 17.98 लाख रुपए की ठगी कर ली। सेक्टर-52 निवासी निखिल कुमार रस्तोगी ने इस संबंध में शनिवार सुबह साइबर अपराध थाने में शिकायत दर्ज कराई।रस्तोगी 27 अगस्त को 'टेलीग्राम ऐप' के माध्यम से 'फ्लर्टीफाई क्लब' नामक एक डेटिंग ऐप से जुड़े और एक लड़की के संपर्क में आए।



कार और ट्रक की टक्कर में पांच की मौत

तेजपुर। असम के सोनितपुर जिले में शनिवार को कार और ट्रक की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। हादसा रंगापारा थाना क्षेत्र के बालीपारा में एक पेट्रोल पंप के पास तब हुआ जब सामने से आ रहे ट्रक से कार की टक्कर हो गई। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। हादसे में मारे गए सभी लोग कार में सवार थे। मरने वालों की पहचान हर गोविंद हजोआरी, नयन स्वर्गियारी, पप्पू, प्रांजल और संजय मेच के रूप में हुई है।

एकलव्य आवासीय विद्यालय के कंप्यूटर शिक्षक पर आरोप, शिकायत के बाद फरार

बालिकाओं के साथ यौन दुर्व्यवहार, कलेक्टर और एसपी से शिकायत, सात छात्राओं ने दिया बयान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपालपटनम

बीजापुर जिले के रूद्रारम के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में बालिकाओं के साथ यौन दुर्व्यवहार का मामला सामने आया है। विद्यालय के कंप्यूटर शिक्षक देवेंद्र दहिया पर दो साल से छात्राओं के साथ अनुचित व्यवहार और उन्हें परेशान करने का आरोप लगा है। छात्राओं ने अपने परिजनों को बताया उसके बाद खुलासा हुआ।

पालक शिकायत लेकर कलेक्टर और एसपी के पास पहुंचे। शिकायत में शिक्षक के खिलाफ जांच कर कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है। आरोपी कंप्यूटर शिक्षक फरार हो गया है। छात्राओं का कहना है कि जब भी वे इस संबंध में शिकायत करने की बात करते थे तो उन्हें कथित तौर पर डराया-धमकाया जाता था। इसी वजह से छात्राएं काफी समय तक इस मामले को लेकर खुलकर सामने नहीं आ सकी। कुछ दिन पहले छात्राओं ने अपने माता-पिता को पूरे मामले की जानकारी दी। इसके बाद पालकों ने आपस में चर्चा कर मामले को सामने लाने का निर्णय लिया। ⏭शेष पेज 5 पर

खास खबर

आरोपी शिक्षक फरार

आवासीय विद्यालय की प्राचार्या नारायणम्मा ने कहा कि 3-4 दिन पहले जानकारी मिलने पर आरोपी शिक्षक को निकाल दिया गया। वहीं लोगों का कहना है कि वह 7 सितम्बर से फरार है। कहा गया है कि हरियाणा निवासी शिक्षक की दो साल की परीविक्षा अवधि जून 2026 को समाप्त हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार प्राचार्या बीजापुर जिले की मद्देड निवासी है वहीं अधिक्षिका प्रसूती अवकाश पर है।



एसडीएम कार्यालय में हो रहा बयान

कलेक्टर के निर्देश पर भोपालपटनम के एसडीएम नाग पालकों की उपस्थिति में बालिकाओं का बयान दर्ज कर रहे है वहीं लोगों में इस घटना को लेकर काफी आक्रोश है पालकों के साथ शहर के लोग भी एसडीएम कार्यालय में मौजूद है। रूद्रारम आवासीय विद्यालय अनुविभाग मुख्यालय भोपालपटनम से महज सवा किलोमीटर दूर राष्ट्रीय राजमार्ग पर है।

5 सदस्यीय टीम गठित

12 सितम्बर को मुझे इस संबंध में जानकारी मिली तब तुरन्त हमने कलेक्टर एवं अन्य अधिकारियों को जानकारी दी। कलेक्टर के द्वारा 5 सदस्यों की टीम बनाकर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व भोपालपटनम को जांच करने नियुक्त किया गया है।

देवेन्द्र सिंह सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास बीजापुर

रायपुर में 25 लाख, पूरे प्रदेश में डेढ़ करोड़ से ज्यादा आशीर्वाद दीये



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर 17 सितंबर को प्रदेश में बड़ा आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के रूप में 25 साल पूरे होने पर भाजपा का राष्ट्रीय संगठन देशभर में सेवा, संकल्प अभियान का प्रारंभ 17 सितंबर से कर रहा है। 17 सितंबर को नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर छत्तीसगढ़ में राजधानी रायपुर में जहां 25 लाख आशीर्वाद दीये जलाएं जाएंगे। वहीं रायपुर जिले में 31 लाख दीये जलेंगे। प्रदेशभर में भाजपा एक करोड़ 54 लाख दीये जलाएगी। इसके लिए प्रदेश के जिलों के लिए प्रभारी ⏭शेष पेज 5 पर

सभी एक दीया जलाकर पीएम को दें आशीर्वाद

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, हमारे



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के रूप में 25 साल पूरे होने पर देशभर में भाजपा संगठन द्वारा सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाया जाएगा। 17 सितंबर को प्रधानमंत्री के जन्मदिन की शाम 7 बजे पूरे देश के साथ छत्तीसगढ़ में भी दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। श्री साय ने प्रदेश के सभी ⏭ शेष पेज 5 पर

सीएम हाउस में छत्तीसगढ़ी रंग, तीजा-पोरा तिहार में लोक-संस्कृति की झलक

छत्तीसगढ़ सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए लगातार काम कर रही : साय



मुख्यमंत्री निवास में शनिवार को तीजा-पोरा तिहार के अवसर पर विशेष आयोजन हुआ। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक परंपरा, संस्कृति और पारिवारिक भावनाओं की झलक देखने को मिली। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के आतिथ्य में हुए इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया। लोकगीतों, पारंपरिक नृत्य, झूलों और छत्तीसगढ़ी पकवानों ने पूरे आयोजन में उत्सव का रंग भर दिया। तीजा ⏭ शेष पेज 5 पर

39वें नेशनल गेम्स की तैयारी तेज, 40वें की मेजबानी के लिए छत्तीसगढ़ का दावा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन की वार्षिक आमसभा और कार्यकारिणी बैठक में लिए गए अहम निर्णय

छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन की वार्षिक आमसभा व कार्यकारिणी बैठक का आयोजन शनिवार को न्यू सर्किट हाउस में किया गया। कार्यकारिणी की बैठक के बाद वार्षिक आमसभा का आयोजन किया गया। ⏭शेष पेज 5 पर

खास खबर



खेल संघों को उद्योगों द्वारा गोद लिया जाए

छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन के उपाध्यक्ष हिमांशु द्विवेदी ने प्रस्ताव रखा कि सभी खेल संघों को उद्योगों द्वारा गोद लिया जाए। इसके लिए सरकारी पदाधिकारी नियुक्त कर जल्द से जल्द प्रक्रिया शुरू करने की बात रखी गई। मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि सरकार खिलाड़ियों के हित में लगातार कार्य कर रही है और राज्य में बस्तर ओलंपिक की गतिविधियों का भी निरंतर विस्तार हो रहा है।

कुलेश्वरनाथ महादेव मंदिर का आधे से अधिक हिस्सा डूबा

गंगरेल के 6 गेट खोले, महानदी में बाढ़ छोड़ रहे हर सेकंड 10400 क्यूसेक पानी



हरिभूमि न्यूज ⏭ धमतरी-राजिम

पानी की आवक बढ़ने से गंगरेल बांध के छह गेट खोल दिए गए हैं, जिससे महानदी में बाढ़ के हालात हैं। फिलहाल प्रति सेकंड 10400 क्यूसेक (एक क्यूसेक यानी 28.317 लीटर) पानी छोड़ा जा रहा है। जबकि शुक्रवार-शनिवार की दरम्यानी रात गंगरेल बांध से 53 हजार क्यूसेक पानी प्रति सेकंड ⏭शेष पेज 5 पर



बाढ़ में फंसा मरीज, खाट के सहारे पार कराया नाला

नगरी। सिहावा-नगरी क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं, जिससे कई रास्ते पूरी तरह बंद हो गए हैं। नगरी विकासखंड के लटियारा ग्राम पंचायत के आश्रित ग्राम चर्रा के कछारपारा के बीच स्थित डुमर नाला में पुलिया नहीं होने से शनिवार को एक मरीज कोखाट पर लादकर नाला पार कराना पड़ा। बता दें कि बरसात के दिनों में नाले में बाढ़ आने से आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाता है। इसका ताजा उदाहरण चर्रा निवासी गोपेश कुमार पटेल की ⏭ शेष पेज 5 पर



राजिम-नवापारा के तटवर्ती इलाकों तक फैला पानी

राजिम। महानदी ने एक बार फिर अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। ऊपरी इलाकों में हुई झमाझम बारिश के बाद गंगरेल जलाशय से पानी छोड़े जाने से नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। राजिम पहुंचते-पहुंचते महानदी की धार ने तटों को अपने आगोश में ले ले लिया है। त्रिवेणी संगम क्षेत्र से लेकर राजिम और नवापारा के नदी किनारे तक दूर-दूर तक पानी का फैलाव दिखाई दे रहा है। नदी पर बने पांचों एनीकट के ऊपर पानी बह रहा है। विभाग के इंजीनियर आयुष सिंह ने बताया कि नदी तटवर्ती क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति निर्मित हो सकती है। उन्होंने नदी किनारे रहने वाले ⏭ शेष पेज 5 पर



राजधानी दिल्ली के सत्य निकेतन में जर्जर इमारत ढहने की घटना कोई अकेली त्रासदी नहीं है, बल्कि यह भारत की बदहाल शहरी बुनियादी संरचना और जर्जर इमारतों के उस विशाल संकट का एक खौफनाक प्रतीक है, जहां सुरक्षा मानकों की अनदेखी, अवैध निर्माण और प्रशासन की घोर लापरवाही इंसानी जिंदगियों पर भारी पड़ रही है। एक तरह शहरों में तब्दील हो रहे गांव और उनमें बढ़ती आबादी के जरूरत अनुसार तमाम सुविधाएं जुटाने और सुरक्षा मुहैया कराने में प्रशासन और स्थानीय निकाय सुस्त पड़े हैं। वहीं किसी भी घटना के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय न होना भी इस समस्या को और विराल रूप दे रही है। शहरों को स्मार्ट बनाने का अर्थ केवल कैमरे, ऐप और डिजिटल सिस्टम लगाना नहीं है। स्मार्ट शहर वह है, जहां नागरिक को साफ सड़क, सुरक्षित फुटपाथ, व्यवस्थित यातायात, पर्याप्त पानी, बेहतर सीवर, स्वच्छ वातावरण और समय पर सरकारी सेवाएं मिलें। इसके लिए सरकार को शहरी प्रशासन का विकेंद्रीकरण, स्थानीय निकायों को पर्याप्त वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकार, विभागों के बीच बेहतर समन्वय और नागरिकों के प्रति स्पष्ट जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। अब समय केवल शहरों को फैलाने का नहीं, बल्कि उन्हें बेहतर तरीके से संचालित करने का है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

बढ़ती आबादी और सुस्त स्थानीय निकाय



विश्लेषण

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ स्तंभकार

शिक्षक दिवस के अगले ही दिन दिल्ली के सत्य निकेतन की एक इमारत के जमींदोज होने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने भारत की शहरी आबादी की सुरक्षा, सहूलियतों और सुविधाओं पर सवाल खड़ा कर दिया है। भारत की सदियों से पहचान उसकी ग्राम और कृषि संस्कृति के लिए रही है। लेकिन आधुनिक आर्थिकी को अपनाने के बाद भारत अपनी इस पहचान को लगातार पीछे छोड़ने की कोशिश में जुटा है। पश्चिम की तरह वह भी शहरीकरण को विकास का मानदंड मान चुका है। देश की बड़ी आबादी कभी मजबूरी के रोजगार तो कभी शिक्षा तो कभी स्वास्थ्य कारणों से लगातार शहरों की ओर पलायन कर रही है। पलायन की इस प्रवृत्ति को प्रतिशत के लिहाज से देखें तो बड़ी भले न लगे, लेकिन विशाल जनसंख्या वाले देश के लिहाज से असल में यह संख्या बहुत बड़ी है। इसका असर शहरी नियोजन और प्रशासन पर भी रोजाना दिखता है।

आंकड़ों की बाजीगरी में इस दबाव की लगातार अनदेखी होती रहती है। इस खेल में शहरी इलाकों में रहने वाली जनसंख्या और उन्हें मिलने वाले छोटे और किसी तरह पेट भर पाने वाले रोजगार को ही विकास का पैमाना मान लिया जाता है। सत्य निकेतन की घटना ने आंकड़ों की इसी बाजीगरी और शहरी नियोजन के साथ ही शहरी निकाय प्रबंधन के बारे में सोचने का अवसर मुहैया कराया है। शहरी नियोजन और उसकी चुनौतियों को समझने से पहले शहरी इलाकों में रह रही जनसंख्या और शहरों की ओर बढ़ती ललक के आंकड़ों पर ध्यान देना जरूरी है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में शहरी आबादी देश की कुल जनसंख्या का 31.16 प्रतिशत यानी करीब 37.71 करोड़ थी। हालिया अनुमानों के अनुसार, यह आंकड़ा बढ़कर लगभग 36 प्रतिशत के आसपास पहुंच गया है। 1981 की जनगणना रिपोर्ट के मुताबिक देश की शहरी आबादी 15.9 करोड़ और तब की आबादी का 23.3 प्रतिशत थी। साफ है कि भारत में शहरीकरण या शहरों की ओर पलायन अस्सी के दशक में बढ़ गया था, जिसमें नई आर्थिक नीति के बाद तेजी दिख रही है।

शहरी नियोजन और उसकी चुनौतियों को समझने से पहले शहरी इलाकों में रह रही जनसंख्या और शहरों की ओर बढ़ती ललक के आंकड़ों पर ध्यान देना जरूरी है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में शहरी आबादी देश की कुल जनसंख्या का 31.16 प्रतिशत यानी करीब 37.71 करोड़ थी। हालिया अनुमानों के अनुसार, यह आंकड़ा बढ़कर लगभग 36 प्रतिशत के आसपास पहुंच गया है। 1981 की जनगणना रिपोर्ट के मुताबिक देश की शहरी आबादी 15.9 करोड़ और तब की आबादी का 23.3 प्रतिशत थी। साफ है कि भारत में शहरीकरण या शहरों की ओर पलायन अस्सी के दशक में बढ़ गया था, जिसमें नई आर्थिक नीति के बाद तेजी दिख रही है।



अवैध मकान बनाने की प्रवृत्ति पर लगाम नहीं

नगर निगम और पुलिस वालों में इतना सहयोग दिखता है कि अगर एक किसी नए निर्माण की सूचना से वंचित रह गया तो दूसरा अपना हिस्सा लेने के बाद उसे सूचित जरूर करता है, ताकि बेईमानी की इस कमाई में आपसी ईमान बना रहे। दिल्ली ही नहीं, देश के तमाम राज्यों में स्थानीय स्तर पर कई गांव भी शहरों में समा गए हैं। लेकिन उनके प्रशासन और नियोजन के लिए स्थानीय निकायों में उस तरह की दिलचस्पी नहीं देखी जाती, जैसी विकसित कॉलोनियों और पॉश मोहल्लों के लिए दिखती है। एक यह भी कारण है कि सत्यनिकेतन की बिल्डिंग जैसे कमजोर और अवैध मकान बनाने की प्रवृत्ति पर लगाम नहीं लग सकती। दो राय नहीं कि संविधान के 73वें और 74वें संशोधन के बाद स्थानीय निकायों को वित्तीय और दूसरे अधिकार तो मिले ही हैं, उनके लिए आवंटन भी बढ़ा। लेकिन उन्हें जैसी चुस्ती दिखानी चाहिए, वह उनमें नहीं दिखती। एक बात और है कि शहरी निकाय प्रशासन की कल्पना शक्ति जैसी होनी चाहिए, नजर नहीं आती। इसलिए विकास की दिशा को लेकर वे सचेत नहीं दिखते। सत्यनिकेतन की घटना के बहाने शहरी निकाय प्रशासन की इन चुनौतियों पर खुला विमर्श होना चाहिए, तभी राह निकलेगी और भविष्य में देश के शहर भी अमेरिकी-यूरोपीय शहरों की तरह साफ, चमकीले और नागरिक सुविधाओं से युक्त बन सकेंगे।

शहरों की ओर पलायन

संयुक्त राष्ट्र-हैबिटैट के वर्ल्ड सिटीज रिपोर्ट 2016 के आकलन के मुताबिक भारत की शहरी आबादी 2015 में 42 करोड़ थी। कुछ अनुमानों के अनुसार, साल 2030 तक भारत की 40 फीसद से अधिक आबादी शहरी क्षेत्रों में रहने लगेगी, जबकि कुछ अनुमानों में इसे पचास प्रतिशत तक बताया जा रहा है। अगर मौजूदा आंकड़ों के अनुसार मान लें कि करीब 40 फीसद ही आबादी शहरों में रह रही है तो एक सौ पचास करोड़ की जनसंख्या के लिहाज से यह संख्या साठ करोड़ के आसपास बैठती है। यह संख्या अकेले अमेरिका की जनसंख्या से दोगुनी है। लेकिन अर्थव्यवस्था के लिहाज से देखें तो भारत की स्थिति अमेरिका के मुकाबले बेहद कम है। इसलिए उसकी बराबरी कम से कम मौजूदा हालात में संभव नहीं है।

उदारीकरण की जिस मौजूदा आर्थिकी को पूरी दुनिया ने अपना रखा है, वह अमेरिका और ब्रिटेन से आई है। इस लिहाज से देखें तो मौजूदा आर्थिकी के प्रभाव में पूरी दुनिया अमेरिका होना चाहती है, लेकिन संसाधनों के संदर्भ में देखें तो ऐसा होना तत्काल संभव नहीं है।

उचित सुविधाएं जुटाना कठिन

अमेरिका या यूरोप की तरह शहरों में बसना आज प्राथमिकता हो गई है, सरकारें भी चाहती हैं कि गांवों की तुलना में शहर ही ज्यादा हों। इसकी वजह यह है कि शहरी जनसंख्या और रिहायश घनी होती है, ग्रामीण आबादी की तरह बिखरी नहीं होती। इसकी वजह से बिजली और परिवहन जैसी सुविधाएं गांवों की तुलना में शहरी आबादी को कहीं ज्यादा आसानी से उपलब्ध कराई जा सकती है। इस प्रक्रिया में हो ये रहा है कि बेतहाशा बढ़ती शहरी आबादी के लिए उचित सुविधाएं जुटाना ना तो सरकारों के लिए आसान है और न ही शहरी प्रबंधन की जवाबदेही वाले स्थानीय निकाय ही। रही बात शहर आने वाले लोगों की तो उनमें बड़ी संख्या कुछ हजार महीने कमाने वालों की है। अपनी छोटी कमाई से वे किसी तरह गुजर-बसर ही करते हैं। शहरों की बड़ी आबादी इसी वजह से सस्ते या कई बार दड़बेनुमा सीलनभरे मकानों और कमरे में ही जिंदगी गुजारने को मजबूर है। कमजोर आर्थिक पृष्ठभूमि से आने वाले छात्रों के सामने भी कुछ वैसी ही चुनौतियां हैं। सत्यनिकेतन में मारे गए छात्रों में से ज्यादातर ऐसी ही पृष्ठभूमि से थे।

छात्रावासों की निगरानी जरूरी

मौजूदा अर्थव्यवस्था के चलते किसी भी राज्य या शहरी निकाय प्रशासन और सरकार के लिए संभव ही नहीं है कि हर व्यक्ति को साफ और उचित घर मुहैया करा सके।

केंद्र सरकार के भी वश का नहीं कि हर छात्र को वह स्वच्छ और सहूलियत युक्त छात्रावास और कमजोर आर्थिक आय वाले व्यक्ति को मकान उपलब्ध करा सके। लेकिन सरकारें एक काम जरूर कर सकती हैं। खुले बाजार में उचित दर पर सहूलियत भरे मकान उपलब्ध कराने वाले मकान मालिकों और छात्रावास संचालकों की निगरानी जरूर कर सकती है, लेकिन ऐसा होता नहीं। स्थानीय प्रशासन और स्थानीय निकायों के जवाबदेह ज्यादातर लोगों की निगाह ऊपरी कमाई पर होती है। दिल्ली के लोगों को पता है कि वे अगर घर बनाना शुरू करते हैं तो नगर निगम का स्थानीय बेलदार मकान मालिक से वसूलने में देर नहीं लगाता। कानूनी रूप से अब दिल्ली पुलिस की भूमिका इन मामलों में खत्म कर दी गई है। लेकिन अब भी स्थानीय बीट कांस्टेबल भी निर्माण कार्यों के एवज में वसूली करते हैं।

निकायों की जवाबदेही तय करने का समय



व्यवस्था

योगेश कुमार सोनी

स्वतंत्र पत्रकार

परिवर्तन संसार का नियम है। तरक्की करना व्यक्ति व देश की अनिवार्यता है, लेकिन इसके चलते साइड इफेक्ट का भी ध्यान रखना जरूरी है। भारत तेजी से शहरीकरण की ओर बढ़ रहा है। गांवों और कस्बों से शहरों की ओर बढ़ती आबादी ने महानगरों पर भारी दबाव पैदा कर दिया है। सड़कें पहले से अधिक व्यस्त हैं, सीवर व्यवस्था पर बोझ बढ़ रहा है, पेयजल की मांग बढ़ रही है और कचरा प्रबंधन जैसी समस्याएं लगातार गंभीर होती जा रही हैं। इसके बावजूद हमारी शहरी व्यवस्था आज भी काफी हद तक पुराने ढर्रे पर चल रही है। सवाल यह है कि क्या केवल नई सड़कें, फ्लाईओवर और कुछ बड़ी परियोजनाएं बनाकर शहरों को बेहतर बनाया जा सकता है? शायद नहीं। आवश्यकता इस बात की है कि स्थानीय निकायों और शहरी प्रशासन के पूरे ढांचे की समीक्षा की जाए। नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत नागरिकों के सबसे नजदीक की सरकार हैं। नागरिकों की रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी अधिकांश समस्याएं इन्हीं संस्थाओं से संबंधित होती हैं- सड़क, नाली, सीवर, कूड़ा, स्ट्रीट लाइट, पार्क, पार्किंग और स्थानीय स्तर की स्वच्छता। लेकिन समस्या यह है कि कई बार जिम्मेदारी स्थानीय निकाय की होती है, जबकि निर्णय लेने और धन उपलब्ध कराने की शक्ति किसी दूसरे स्तर पर होती है। परिणामस्वरूप नागरिक विभागों के बीच चक्कर लगाता रहता है। इस व्यवस्था में बदलाव जरूरी है। जिस संस्था को जिम्मेदारी दी जाए, उसे पर्याप्त अधिकार और वित्तीय संसाधन भी दिए जाने चाहिए। सड़क बने और कुछ दिन बाद फिर खोद दी जाए। हमारे शहरों की एक बड़ी समस्या विभागों के बीच समन्वय की कमी है। एक एजेंसी सड़क बनाती है, कुछ समय बाद सीवर या पानी की पाइपलाइन के लिए सड़क खोद दी जाती है। फिर किसी अन्य एजेंसी द्वारा केबल या पाइपलाइन डालने के लिए वही सड़क दोबारा खोदी जाती है। इससे सरकारी धन की बर्बादी तो होती ही है, नागरिकों को भी धूल, जाम, दुर्घटना और जलभराव जैसी परेशानियां झेलनी पड़ती हैं। इसका समाधान एकीकृत शहरी योजना में है। सड़क निर्माण से पहले यह तय होना चाहिए कि अगले कई वर्षों में उस सड़क के नीचे किन-किन सेवाओं की जरूरत पड़ेगी। नागरिक केवल करदाता नहीं, भागीदार भी हैं। शहर में रहने वाला नागरिक केवल संपत्ति कर, पानी का बिल या अन्य शुल्क देने वाला व्यक्ति नहीं है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में उसे यह जानने का अधिकार भी है कि उसके क्षेत्र के विकास के लिए कितना धन आया, कहां खर्च हुआ और काम की गुणवत्ता कैसी रही। सूचना का अधिकार नागरिकों को सरकारी रिकॉर्ड और परियोजनाओं से संबंधित जानकारी हासिल करने का महत्वपूर्ण माध्यम देता है। इसी तरह शिकायत निवारण की प्रभावी व्यवस्था नागरिकों को अपनी समस्याएं संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने का रास्ता देती है। लेकिन अधिकार तभी प्रभावी होंगे जब शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई भी हो। यदि किसी इलाके में महीनों से सड़क टूटी हुई है, नाली जाम है या जलभराव लगातार हो रहा है, तो नागरिक को यह पता होना चाहिए कि इसके लिए जिम्मेदार विभाग कौन है और समाधान की समयसीमा क्या है। आज जरूरत ऐसी व्यवस्था की है जिसमें हर शिकायत का एक जिम्मेदार अधिकारी, निश्चित समयसीमा और कार्रवाई की स्थिति नागरिक को दिखाई दे। इसके साथ ही नगर निकायों के बजट और परियोजनाओं को अधिक पारदर्शी बनाया जाना चाहिए। जनता को यह जानकारी आसानी से उपलब्ध होनी चाहिए कि उसके वार्ड में कितना पैसा स्वीकृत हुआ और उसका उपयोग कहां किया गया। वार्ड स्तर पर बढ़े नागरिकों की भागीदारी भी महत्वपूर्ण है। शहरी प्रशासन को केवल अधिकारियों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। वार्ड समितियों और स्थानीय नागरिक समूहों को प्रभावी बनाया जाना चाहिए। मोहल्ले के लोगों को यह बताने का अवसर मिलना चाहिए कि उनके क्षेत्र की प्राथमिक जरूरत क्या है। कहीं सड़क की जरूरत है, कहीं पार्क की, कहीं पार्किंग की और कहीं जल निकासी की। हर इलाके की समस्या एक जैसी नहीं होती। इसलिए स्थानीय जरूरतों के आधार पर स्थानीय योजनाएं बनाना अधिक प्रभावी होगा। शहरों का भविष्य केवल सरकार नहीं, नागरिक भी तय करेंगे। शहरों को स्मार्ट बनाने का अर्थ केवल कैमरे, ऐप और डिजिटल सिस्टम लगाना नहीं है। स्मार्ट शहर वह है जहां नागरिक को साफ सड़क, सुरक्षित फुटपाथ, व्यवस्थित यातायात, पर्याप्त पानी, बेहतर सीवर, स्वच्छ वातावरण और समय पर सरकारी सेवाएं मिलें। इसके लिए सरकार को शहरी प्रशासन का विकेंद्रीकरण, स्थानीय निकायों को पर्याप्त वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकार, विभागों के बीच बेहतर समन्वय और नागरिकों के प्रति स्पष्ट जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। आखिरकार शहर किसी एक सरकार या विभाग के नहीं होते। शहर वहां रहने वाले नागरिकों के होते हैं। इसलिए शहरी विकास की हर योजना के केंद्र में नागरिक होना चाहिए। यदि सरकार स्थानीय निकायों को अधिकार, संसाधन और जवाबदेही के तीनों स्तंभ मजबूत कर दे, तो शहरों की अनेक बुनियादी समस्याओं का समाधान स्थायी रूप से किया जा सकता है। अब समय केवल शहरों को फैलाने का नहीं, बल्कि उन्हें बेहतर तरीके से संचालित करने का है।

हमारे शहरों की एक बड़ी समस्या विभागों के बीच समन्वय की कमी है। एक एजेंसी सड़क बनाती है, कुछ समय बाद सीवर या पानी की पाइपलाइन के लिए सड़क खोद दी जाती है। फिर किसी अन्य एजेंसी द्वारा केबल या पाइपलाइन डालने के लिए वही सड़क दोबारा खोदी जाती है।

अदालती चेतावनी को भी कर रहे नजरअंदाज



अनदेखी

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में एक बहुमंजिला इमारत गिरने की घटना में एक बार फिर साबित कर दिया है कि राष्ट्रीय राजधानी में लापरवाही की कीमत लोगों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ रही है। जहां कभी अवैध इमारत ढह जाती है, कभी होटलों में आग लग जाती है, कभी पानी कोचिंग सेंटरों के भीतर घुस जाता है, तो कभी भगदड़ जैसी घटनाएं हो जाती हैं। हर बार जवाबदेही बयानों और कागजों में दबकर रह जाती है। सत्य निकेतन की घटना कोई अकेली त्रासदी नहीं है, बल्कि यह भारत की बदहाल शहरी बुनियादी संरचना और जर्जर इमारतों के उस विशाल संकट का एक खौफनाक प्रतीक है, जहां सुरक्षा मानकों की अनदेखी, अवैध निर्माण और प्रशासन की घोर लापरवाही इंसानी जिंदगियों पर भारी पड़ रही है।

दिल्ली में इमारत गिरने की यह कोई अकेली घटना नहीं है। बीते दो वर्षों में रोहिणी, साकेत, वेलकम, करोल बाग, पहाड़गंज और मुस्तफाबाद के अलावा दिल्ली के कई अन्य इलाकों में इमारत गिरने की घटनाएं हुईं। दिल्ली की एक बड़ी समस्या अनऑथराइज्ड कॉलोनियां भी हैं, जिसकी वजह से आए दिन कोई न कोई हादसा सुनने में आता ही है। इन इलाकों में लंबे समय से मालिकाना हक, सड़क, सीवर और दूसरी बुनियादी सुविधाओं की समस्या रही है। अप्रैल 2026 में सरकार ने 1,511 अनऑथराइज्ड कॉलोनियों को 'जैसी है, जहां है' के आधार पर नियमित करने का फैसला किया। दिल्ली में समस्या यह नहीं है कि हर घर असुरक्षित है या हर सड़क जानलेवा है। समस्या यह है कि बार-बार होने वाले हादसे व्यवस्था की कमजोरियां सामने ला रहे हैं। एनसीआरबी की एक्सीडेंटल डेथ्स एंड सुसाइड्स इन इंडिया (एडीएसआई) रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2020 से 2024 के बीच देशभर में कुल 7,874 लोगों की जान चली गई। इसमें सबसे चिंताजनक स्थिति देश की राजधानी में इस तरह की घटनाओं में मौत के आंकड़ों का बढ़ना है। अवैध निर्माण के विरुद्ध कार्रवाई की जगह उन्हें संरक्षण दिया जाता है। इन घटनाओं से अवैध निर्माण को कानूनन वैध करने की प्रक्रिया पर भी प्रश्न खड़े होते हैं। अदालती चेतावनी को भी नजरअंदाज किया जाता है। वर्ष 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने भी इसे लेकर चेतावनी देने के साथ ही वैधानिक कर्तव्यों का निर्वहन करने में विफल रहने वाले अधिकारियों की जवाबदेही पर जोर दिया था। इसके बावजूद अवैध और असुरक्षित भवनों के विरुद्ध कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया। राजधानी में सस्ते आवास की कमी के कारण छात्र, प्रवासी और गरीब परिवार इन असुरक्षित भवनों में रहने को मजबूर होते हैं। साफ है, भारतीय शहरों की घनी आबादी और जमीनों की ऊंची कीमत भी निम्न मध्यम वर्गीय लोगों को, जिन्होंने किसी तरह से खुद के लिए छोटे मकान का बंदोबस्त किया है, वे ही अतिरिक्त निर्माण के लिए बाध्य हैं। ऐसे सभी निर्माण, योजना कानूनों को धराशायी कर देते हैं। उन्हें स्थानीय निकायों के तरफ से नोटिस भी दिया जाता है, परंतु आमतौर पर ऐसे हालातों में स्थानीय प्रबंधन का सहारा ले लिया जाता है, ताकि इन्हें नजरअंदाज कर दिया जाए। कई धनाढ्य लोगों के लिए, कानून के कोई मायने नहीं होते हैं। उनमें से कई लोग अनाधिकृत निर्माण में लिप्त होते हैं और राजनीतिक रसूख़ अथवा पैसों की मदद से अपने विरोधियों का मुह बंद कर देते हैं। अहम सवाल ये है कि देश की राजधानी में हुई घटना के लिए किसको जिम्मेदार ठहराया जाए? दिल्ली सरकार, एमसीडी या स्थानीय प्रशासन? कहने को तो कुछ अधिकारियों को निलंबित किया गया है, जैसा कि ऐसे हादसों के बाद हमेशा होता है। क्या निलंबन कोई कार्रवाई होती है? जो आज निलंबित होंगे, वे चार-छह महीनों में दोबारा कुर्सियों पर आ टिकेंगे। क्या इससे जवाबदेही तय होगी? कामकाज में कोई सुधार आएगा? क्या इस कार्रवाई के बाद इमारतें नहीं ढहेंगी? यह सिर्फ दिल्ली का नहीं, पूरे देश का मामला है। सरकारें क्या कर रही हैं? अधिकारी कब जागेंगे? आम आदमी की जान की कद्र कब होगी? दुर्भाग्यवश, हमें ईमानदारीपूर्वक ये मानना होगा कि शहरों में अवैध निर्माण के प्रसार पर समूची रोकथाम नहीं लगाई जा सकी है। इनके सतत बढ़त के पीछे कई वजह हैं। जैसे-जैसे हम बढ़ते हैं और घेरा बनाते जाते हैं, ये शहर अपने साथ-साथ समस्याओं में और भी जटिलताएं लाते हैं।



भारतीय शहरों की घनी आबादी और जमीनों की ऊंची कीमत भी निम्न मध्यम वर्गीय लोगों को, जिन्होंने किसी तरह से खुद के लिए छोटे मकान का बंदोबस्त किया है, वे ही अतिरिक्त निर्माण के लिए बाध्य हैं। ऐसे सभी निर्माण, योजना कानूनों को धराशायी कर देते हैं।

बेहतर व्यवस्था ही दिलाएगी असली गौरव



बुनियादी जरूरत

सुशील देव

स्वतंत्र पत्रकार

इस समय दिल्ली में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन चल रहा है, जिसमें चीन,रूस जैसी महाशक्तियों समेत कुल 21 देशों के प्रमुख एक ही मंच पर दिखाई दे रहे हैं। यह हम सबके लिए गौरव की बात है। यानी दुनिया की नजरें इस समय दिल्ली पर टिकी हैं। सम्मेलन में वैश्विक साझेदारी, खुले व्यापार या बदलते शक्ति संतुलन की चर्चाएं हो रही हैं, लेकिन दूसरी तरफ इस राजधानी में नागरिक सुविधाओं को लेकर भी चर्चाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। आखिर क्यों किसी खास मौके पर ही सरकारी तंत्र सक्रिय हो जाते हैं और यातायात, सफाई व्यवस्था, सुरक्षा तथा पुलिसिंग सब ठीक-ठाक हो जाती है? दिल्ली के नागरिकों की ओर से सरकार के समक्ष यह एक बड़ा सवाल है। कहते हैं कि सस्ती सुविधाओं के लिए सरकार राजधानी शहर में भी सुरक्षा जैसी बुनियादी जरूरतों से समझौता करती है। सरकार कई मोर्चे पर असफल साबित होती हैं। यातायात, सफाई और सुरक्षा व्यवस्था के अलावा कई बुनियादी जरूरतें भी हैं जिनमें ढिलाई, भ्रष्टाचार या लापरवाही शामिल हैं। इनके कारण दिल्ली शहर की लगातार बदनामी होती है।

दिल्ली में सत्य निकेतन की घटना में 9 लोगों की जान चली गई। इनमें ज्यादातर छात्र थे। पांच मंजिला इमारत में नियम-कानून को ताक पर रखकर पीजी चलाया जा रहा था। हालांकि इस घटना में एमसीडी के कई अफसरों को निलंबित कर दिया गया। मकान मालिक को गिरफ्तार किया गया। लेकिन यह सब तब हुआ, जब हादसा हो गई। ऐसे में यह सवाल उठता है कि हादसा होने से पहले प्रशासन नींद से क्यों नहीं जागता? घटना के बाद पड़ताल की जा रही है तो एक के बाद एक ऐसी जर्जर इमारतों का पता चल रहा है, जो बहुत ही खतरनाक हैं। पता नहीं, वह किस दिन गिर जाए और कई जिंदगियां दफन हो जाएं। इन इमारतों में रहने वाले छात्र, जो देश का भविष्य हैं। उनका जीवन हर पल खतरे के साए में रहता है। अवैध निर्माण का मुद्दा एक बार फिर सुर्खियों में है, जो शहरी नियोजन और सुरक्षा प्रणालियों की खामियों को उजागर करता है।

रोशनी, हवा से महरूम डिब्बानुमा कमरे में आज लाखों बच्चे दिल्ली के विभिन्न सघन आबादी वाले इलाकों में पढ़ाई कर रहे हैं। इस उम्मीद में कि एक दिन उसका करियर और सपना पूरा होगा। इसके लिए विभिन्न शिक्षण संस्थानों में महंगी फीस चुकाकर और महंगे खर्च उठाकर अपना भविष्य संवारने की कोशिश करते हैं। परंतु पैसा कमाने की हवस में मकान मालिक या पीजी संचालक उन्हें मौत का दरवाजा तक दिखा देते हैं। उनकी सुविधाओं का जरा भी ख्याल नहीं रखा जाता। किराया वसूली के लिए काम चलाऊ निर्माण जरूर कर दिया जाता है। सभी जानते हैं कि दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैंपस के निकट छात्र आवास का सघन बाजार है। निजी पेइंग गेस्ट भी बहुत ज्यादा हैं।

गली-मोहल्लों में अवैध निर्माण कर हॉस्टल बना दिए गए हैं। वहां कोई नियम या सरकार की नीति नहीं है। बेहतर प्रबंधन नहीं। जिम्मेदार महकमों से सौदेबाजी कर जहां-तहां बहुमंजिला इमारत खड़ी कर दी जाती है। इनमें होटल और रेस्टोरेंट भी बिना मानक के चला दिए जाते हैं, जो सरासर गलत है। यह घटना कोई नई नहीं है। दिल्ली के हौजरानी, सैदुलाजाब की घटनाओं को अभी लोग भूले भी नहीं थे कि फिर से सत्य निकेतन की हृदयविदारक घटना घट गई। हादसे में किसी ने अपने बेटे, किसी ने भाई और किसी ने परिवार के चिराग को खो दिया। सवाल उठता है कि किसी भी अनहोनी के बाद ही सरकारी सिस्टम क्यों एक्टिव होता है?

अफसरों पर कोई भी कठोर सजा या तुरंत एफआईआर क्यों नहीं होती? हालांकि प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस घटना का तुरंत संज्ञान लिया था, लेकिन उस प्रशासनिक छवि का क्या होगा, जो राजधानी शहर में अच्छा होने का दंभ भरते हैं? आखिर, कब तक जर्जर दीवारों के बीच छात्रों का दम घुटता रहेगा? नॉर्थ कैंपस एरिया, लक्ष्मी नगर, रमेश पार्क, राजेंद्र नगर, पटेल नगर, मुखर्जी नगर और मुनिरका जैसे इलाके में भी सत्य निकेतन जैसे हालात हैं जहां पुरानी इमारतें, संकरी गलियां, भीड़ और कमजोर सुरक्षा इंतजाम दिखते हैं। इसलिए सरकार को मास्टर प्लान 2047 से पहले भी दिल्ली में बहुत कुछ करने और बदलने की जरूरत है।



गली-मोहल्लों में अवैध निर्माण कर हॉस्टल बना दिए गए हैं। वहां कोई नियम या सरकार की नीति नहीं है। बेहतर प्रबंधन नहीं। जिम्मेदार महकमों से सौदेबाजी कर जहां-तहां बहुमंजिला इमारत खड़ी कर दी जाती है। इनमें होटल और रेस्टोरेंट भी बिना मानक के चला दिए जाते हैं, जो सरासर गलत है।



भारत से पश्चिम को गया स्पष्ट संदेश, किसी के विरोध में नहीं, शांति के पक्ष में खड़ा 'ब्रिक्स'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित किए जा रहे 18 वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भारत की धरती से पश्चिम के देशों के अलावा पूरी दुनिया को साफ शब्दों में यह संदेश चला गया है कि 11 देशों का यह अंतरराष्ट्रीय समूह किसी का विरोधी नहीं है। बल्कि इसका मकसद तथा सोच सिर्फ और सिर्फ शांति पर ही केंद्रित है। इस बाबत हालांकि शुरुआत में कुछ मुश्किलें जरूर आईं। लेकिन नई दिल्ली घोषणापत्र ने सभी को धता बता दिया। घरेलू स्तर पर आयोजन की अहमियत यह रही कि इसके माध्यम से भारत यह बताने में पूरी तरह से कामयाब रहा कि उसके माध्यम से विश्व के सामने संघर्षों के बीच शांति की बात आम-सहमति से मजबूती से रखी जा सकती है। जबकि दुनिया के मामले में शांति-सौहार्द से इतर ब्रिक्स एक भरोसेमंद वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में अपनी धमक को बरकरार रख पाया। यह जानकारी विदेश मामलों के विशेषज्ञों ने हरिभूमि से बातचीत में दी है।

हरिभूमि से बातचीत में बोले विशेषज्ञ

पीएम की संवाद डिप्लोमसी की हुई जीत

पूर्व राजदूत अनिल त्रिगुणायत ने कहा कि यह जो नई दिल्ली घोषणापत्र जारी हुआ है। उसका श्रेय कहीं न कहीं बीते कुछ महीनों से चल रही हमारी बैक चैनल बातचीत और उसके बाद अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ब्रिक्स सम्मेलन से इतर ईरान, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और चीन जैसे देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ लगातार की गई उच्च-स्तरीय बैठकों को जाता है। मैं, इसे दुनिया के अलग-अलग भागों में संघर्षों के मध्य शांति के लिए की गई हमारी मध्यस्थता की कोशिश नहीं कहूंगा। बल्कि एक ईमानदार वार्ताकार की महत्वपूर्ण पहल कहना पसंद करूंगा। उन्होंने कहा कि जब कोई समूह बनता है, तो उसके बीच मतभेदों का उभरना सामान्य बात है। खाड़ी के कई देश पश्चिम-एशिया युद्ध में आपस में लड़ रहे हैं, रूस भी युद्ध लड़ रहा है। लेकिन नई दिल्ली ने अपनी प्राथमिकता में शुमार शांति-स्थिरता की बात को जिस तरह से आम सहमति के साथ आगे बढ़ाया है। वह वाकई सराहनीय है। यह शांति न केवल भारत के राष्ट्रीय हितों के लिए आवश्यक है। बल्कि इसका विश्व की भलाई के लिए भी बड़ा महत्व है।



ट्रंप ने बढ़ाया ब्रिक्स का हौसला

त्रिगुणायत ने कहा, ये अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ही थे। जिन्होंने आज दुनिया के सामने मुख्य रूप से व्यापार के मामले में ब्रिक्स को एक सशक्त वैकल्पिक ढांचे के रूप में खड़ा कर दिया है। उन्होंने बीते समय में कई ऐसे एकतरफा निर्णय लिए। जिसने तमाम अंतरराष्ट्रीय नियम-कायदों को पूरी तरह से कमजोर कर दिया। रूस पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए, भारत-चीन व अन्य देशों के लिए टैरिफ बढ़ाया तो कहीं युद्ध करा दिया। इस चिंताजनक भू-राजनीतिक परिदृश्य में आज ग्लोबल साउथ के अलावा बाकी विकासशील देश भी एक लचीला और भरोसेमंद इंटरनेशनल सिस्टम के रूप में ब्रिक्स की तरफ देख रहे हैं।

शांति को धरातल पर जांचना जरूरी

विदेश मामलों के विशेषज्ञ डॉ.हेमंत अदलखा ने कहा कि बदलते वैश्विक माहौल और भारत-अमेरिका संबंधों के दृष्टिकोण से देखें तो दिल्ली में हो रहा ब्रिक्स सम्मेलन काफी महत्वपूर्ण हो जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वह पश्चिम-एशिया से लेकर यूक्रेन तक युद्धों की जल्द समाप्ति के पक्ष में हैं। इन्हें खत्म किया जाना चाहिए। लेकिन यहां मुख्य मुद्दा यह है कि क्या भारत ने शांति की दिशा में सिर्फ अपनी सोच दुनिया के सामने दृढ़ता के साथ रखी है या फिर इसके पीछे हमारे पास कोई ठोस योजना भी है। मेरे मुताबिक, ब्रिक्स का नई दिल्ली घोषणापत्र, हालिया समय में संपन्न हुए शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन के अंत में सामने आए दस्तावेज से काफी हद तक मेल खाता हुआ नजर आता है। जिसमें समूह ने आम सहमति के साथ ईरान का नाम लिए बगैर ये कहा था कि तेहरान में जो कुछ हो रहा है, एससीओ उसकी निंदा करता है।

चीन के रुख से मिलते विचित्र संकेत

अदलखा ने कहा कि उन्हें चीन की तरफ से राष्ट्रपति शी जिनपिंग की ब्रिक्स सम्मेलन में भागीदारी को लेकर अंतिम पलों में दी गई स्वीकृति वाला व्यवहार उचित नहीं लगा। एक ओर चीन ब्रिक्स का सबसे बड़ा सहयोगी और हिमायती होने का दावा करता है। वहीं, दूसरी ओर उनके राष्ट्राध्यक्ष समूह के सबसे बड़े वार्षिक आयोजन में शिरकत करने के संबंध में निर्णय आयोजन से ठीक पहले करते हैं। यहां इस मुद्दे को उद्घाटित करना इसलिए भी जरूरी हो जाता है। क्योंकि एलएसी विवाद की समाप्ति के बाद भारत और चीन भी अपने संबंधों को पुनः पटरी पर लाने के लिए प्रयासरत हैं। जिसमें यह कहना गलत नहीं होगा कि ड्रैगन के संबंध में हर कदम फूंक-फूंक कर रखना जरूरी हो जाता है।

खबर संक्षेप

कोलंबो सिक्यो. कॉन्क्लेव एक्सरसाइज का समापन

हरिभूमि न्यूज.नई दिल्ली। नौसेना की पूर्वी कमांड में बीते 9 सितंबर से जारी तीन दिवसीय टेबल टॉप एक्सरसाइज शनिवार को संपन्न हो गई है। जिसका आयोजन कोलंबो सिक्योरिटी कॉन्क्लेव के तहत किया गया था। एक्सरसाइज का मुख्य उद्देश्य हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में गैर-कानूनी समुद्री गतिविधियों से निपटने की समन्वित प्रतिक्रिया को विकसित करना था। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि समुद्री सुरक्षा विशेषज्ञों ने 72 घंटों तक गहन सिम्युलेटेड ऑपरेशनल परिदृश्यों को लेकर कार्य किया।

सऊदी अरब ने ऐहतियातन बंद की तेल पाइपलाइन

काहिरा। सऊदी अरब ने कहा कि उसने ड्रोन हमले के एक दिन बाद एक प्रमुख तेल पाइपलाइन को बंद कर दिया है, वहीं यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने लाल सागर के दक्षिणी प्रवेश द्वार पर स्थित एक रणनीतिक द्वीप पर कब्जा कर लिया है। अधिकारियों ने कहा कि इन दोनों घटनाओं को ईरान युद्ध में एक नए मोर्चे के तौर पर देखा जा रहा है। हूती विद्रोहियों ने बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य के पास वर्षों में अपनी सबसे बड़ी क्षेत्रीय बढ़त हासिल की है। यह दुनिया के प्रमुख समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है।

'जैश-ए-मोहम्मद' का कमांडर भद्रवाह में ढेर

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के भद्रवाह स्थित सेओज धार इलाके में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में मारे गए जैश-ए-मोहम्मद के एक पाकिस्तानी आतंकी कमांडर का शव बरामद किया। आतंकी को पहले एक संयुक्त अभियान के दौरान मार गिराया गया था। सीआरपीएफ की टीम ने तलाशी अभियान के दौरान आतंकी का शव बरामद किया। मुठभेड़ स्थल से अमेरिकी निर्मित एम4 राइफल भी बरामद हुई है। सुरक्षाबलों ने बरामद शव और हथियार को कब्जे में लेकर आगे की जांच शुरू कर रही।

एनआईए ने राज्य के 10 शहरों के ठिकानों पर ली तलाशी

लश्कर ए तैयबा के भेदी की खोज जम्मू कश्मीर में ताबड़तोड़ छापे

एजेंसी ⏭ श्रीनगर

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने आतंकी साजिश मामले में शनिवार को जम्मू-कश्मीर में 10 स्थानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के आकाओं और उनके कथित स्थानीय सहयोगियों के नेटवर्क से जुड़ी सीमा पार आतंकी साजिश के मामले में की गई। एनआईए के एक बयान में कहा गया कि ये छापेमारी कुपवाड़ा, कुलगाम, बांदीपुरा, बारामूला और सोपोर में स्थित ठिकानों पर की गई।

इनका उद्देश्य साजिश से जुड़े आगे के सबूत जुटाना और घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों को रसद तथा अन्य सहायता उपलब्ध कराने वाले लोगों की भूमिका का पता लगाना था। एनआईए ने कहा, 'तलाशी के दौरान मामले से संबंधित आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है। इसकी जांच की जा रही है और जांच के दौरान जुटाए गए अन्य साक्ष्यों के साथ इसका मिलान किया जा रहा है।'



पूरे नेटवर्क का पता लगाने की कोशिश

एनआईए वित्तीय लेन-देन, संचार माध्यमों, आरोपियों की आवाजाही तथा हथियारों और विस्फोटकों के स्रोत एवं आपूर्ति श्रृंखला की भी जांच कर रहा है। इसका उद्देश्य पूरे नेटवर्क का पता लगाना और उसकी गतिविधियों के विस्तार को उजागर करना है। बयान में कहा गया कि एनआईए साजिश में शामिल सभी लोगों की पहचान करने और उनकी-उनकी भूमिका तय करने के लिए जांच जारी है।

ऐसे हुई जांच की शुरुआत

जांच की शुरुआत 31 मार्च 2026 की रात लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े एक कार्यकर्ता की गिरफ्तारी के बाद हुई। उसके पास से एक हथगोला और कारतूस बरामद किए गए थे। बयान में कहा गया कि जांच के दौरान इस साजिश से जुड़े पाकिस्तानी नागरिकों की गिरफ्तारी हुई और स्थानीय सहायता नेटवर्क के सदस्यों की पहचान तथा उनकी संदिग्ध भूमिकाओं का पता चला। बयान में कहा गया कि जांच में पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा के आकाओं और उनके स्थानीय सहयोगियों के बीच संबंधों का पता चला है।

हाफिज सईद के खिलाफ दो माह में दूसरा गैर-जमानती वारंट



जम्मू। राष्ट्रीय अन्वेषण एजेंसी (एनआईए) ने जम्मू-कश्मीर में सक्रिय आतंकी संगठनों को हथियार, धन और निर्देश देने से जुड़े मामले में भारत के लिए सबसे वांछित आतंकवादियों में शामिल लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के संस्थापक हाफिज सईद के खिलाफ गैर-जमानती वारंट हासिल किया है। पाकिस्तान में रह रहे सईद के खिलाफ दो महीने में यह दूसरा गैर जमानत वारंट (एनबीडब्ल्यू) है। जम्मू की विशेष अदालत ने आठ सितंबर को एनआईए की ओर से सईद के खिलाफ दायर आवेदन पर सुनवाई करते हुए यह एनबीडब्ल्यू जारी किया। सईद को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 75 के तहत आतंकवादी घोषित किया गया है। एनआईए ने अपने आवेदन में पाकिस्तान के पंजाब में सरगोधा के निवासी सईद को एक मामले में फरार आरोपी बताया है।

अमेरिका के 'पीछे हटने' के बाद ही खुलेगा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज

पश्चिम एशिया में जारी जंग के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर ईरान ने बड़ा संकेत दिया है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने कहा है कि अगर अमेरिका ईरान के खिलाफ अपनी नाकेबंदी और दूसरी कार्रवाइयां बंद करता है, तो होर्मुज को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तय नियमों के तहत खोलने की दिशा में काम किया जा सकता है।

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलने को अमेरिका के तेहरान के खिलाफ अपनी नाकाबंदी, बैन और दूसरे दबाव के तरीकों को खत्म करने से जोड़ा है। एक मीडिया ग्रुप के साथ एक खास इंटरव्यू में ईरान के प्रेसिडेंट ने कहा कि ईरान स्ट्रेटेजिक रूप से अहम इस वॉटरवे के लिए इंटरनेशनल लेवल पर रिकॉग्नाइज्ड मैरीटाइम अरेंजमेंट पर काम करने के लिए तैयार है। पेजेशकियन ने कहा कि तेहरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को कंट्रोल करने वाले एक खास फ्रेमवर्क पर ओमान के साथ बातचीत कर रहा है। उन्होंने वॉटरवे पर रोक लगाने के ईरान के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि ये अमेरिका और इजरायली मिलिट्री एक्शन और ईरान पर दबाव के जवाब में आया है। उन्होंने सवाल किया कि वाशिंगटन रीजनल रूट्स को ब्लॉक क्यों कर सकता है और इलाके में हथियार तैनात कर सकता है, जबकि वो ईरान से कोई जवाब न मिलने की उम्मीद कर रहा है? पेजेशकियन ने कहा कि तेहरान हमले के दौरान शांत रहने के बजाय अपना बचाव करता रहेगा।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन की दो टूक



यूएस बैन हटना एक अहम शर्त

ईरान के टॉप लीडर ने साफ किया कि होर्मुज को पूरी तरह से फिर से खोलने से पहले बैन और यूएस ब्लॉकेड खत्म होने होंगे। उन्होंने वॉशिंगटन पर आरोप लगाया कि मिलिट्री एक्शन से अपने मकसद पूरे करने में नाकाम रहने के बाद वह आम ईरानियों पर इकोनॉमिक प्रेशर डाल रहा है। पेजेशकियन के मुताबिक, बैन की वजह से बेरोजगारी, गरीबी और मरीजों के लिए मुश्किलें बढ़ी हैं, साथ ही बड़ी सोशल और इकोनॉमिक दिक्कतें भी पैदा हुई हैं।

अगर ममता उपचुनाव लड़ेंगीं तो हम प्रत्याशी वापस ले लेंगे

एजेंसी ⏭ कोलकता

टीएमसी के बागी गुट के नेता और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ऋतब्रत बेनर्जी ने कहा कि अगर ममता बेनर्जी उपचुनाव लड़ती हैं, तो वे अपना उम्मीदवार वापस ले लेंगे। हम चाहते हैं कि ममता विधानसभा में वापस आएं। ऋतब्रत ने कहा कि उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवार को लगभग अंतिम रूप दे दिया है, लेकिन अगर ममता स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में भी चुनाव लड़ने का फैसला करती हैं, तो हम नहीं लड़ेंगे।



■ विपक्षी गुट के ऋतब्रत ने कहा

वे नंदीग्राम से विधानसभा पहुंचें

उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि वे नंदीग्राम से आएं। उन्होंने उस निर्वाचन क्षेत्र का जिक्र करते हुए कहा, जहां से वह 2021 के विधानसभा चुनाव हार गई थीं। ये टिप्पणियां ममता की टीएमसी और ऋतब्रत गुट में पार्टी के नाम और चुनाव चिन्ह को लेकर विवाद के बीच आई हैं।

स्टील स्लैग सड़कों से निर्माण लागत में कमी

हरिभूमि ब्यूरो नई दिल्ली। स्टील स्लैग रोड टेक्नोलॉजी सड़क निर्माण लागत को लगभग 40 प्रतिशत तक कम कर सकती है, जबकि पारंपरिक सड़कों की तुलना में चार गुना अधिक मजबूती प्रदान करती है। यह बात शनिवार को केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पीएमओ, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री, डॉ. जितेंद्र सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि यह तकनीक सड़कों के रखरखाव चक्र को भी काफी बढ़ा सकती है—इसमें लगभग 15 वर्षों के बाद ही रखरखाव की आवश्यकता होती है।

भारतीय सेना ने एलओसी पर असामान्य सैन्य तैनाती के दावों को किया खारिज

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारतीय सेना ने सोशल मीडिया पर फैलाई जा रहीं जम्मू-कश्मीर में 'लाइन ऑफ कंट्रोल' (एलओसी) के पास आतंकवादी गतिविधियों से जुड़ी खबरों का खंडन किया है। भारतीय सेना के आधिकारिक फैक्ट चेक अकाउंट से कहा गया कि 'कश्मीर इंटेल' नाम का 'एक्स' अकाउंट ऐसी झूठी खबरें फैला रहा है, जिनमें दावा किया गया है कि 'लाइन ऑफ कंट्रोल' (एलओसी) के पास आतंकवादी गतिविधियां बढ़ गई हैं। ये दावे उन खबरों से जोड़े जा रहे हैं, जिनमें कहा गया है कि भारतीय सेना ने उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा और बारामूला जिलों में बड़े सैन्य ठिकानों के पास रहने वाले लोगों से अपने घर खाली करने को कहा है। सेना ने कहा कि एलओसी पर आतंकवादी गतिविधियों के बढ़ने और 'असामान्य भारतीय सैन्य तैनाती' के दावे पूरी तरह से झूठे हैं। पाकिस्तान से चलने वाला 'कश्मीर इंटेल' नाम का प्रोपेगैंडा अकाउंट यह फेक न्यूज फैला रहा है।

'कश्मीर इंटेल' झूठ फैला रहा

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल, लातेहार

शुद्धि–पत्र

इस कार्यालय के द्वारा प्रकाशित ई–निविदा संख्या 05/2026-27/EE/RWD /LATEHAR जिसका PR No. – 389041 REO(26-27)#D का निविदा को अपरिहार्य कारण से रद्द किया जाता है।

कार्यपालक अभियंता,
PR 389652 (REO)26-27*D ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल, लातेहार

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रायपुर–10

// आम सूचना //

जारी दिनांकः 11/09/2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण उपसंभाग क्र. 3 रायपुर द्वारा जिला रायपुर के अटल पथ एक्सप्रेस वे पर फुंडहर चौक में रोड सेपरेटर विभाग आवेदित ग्राम डूमरतराई , फुंडहर पटवारी हल्का नंबर 74 एवं 68 राजस्व निरीक्षक मण्डल– 10 रायपुर मे स्थित भूमि जिसका निजी एवं शासकीय भूमि के भू-अर्जन चिन्हांकन का सीमांकन कार्यालय भू-अर्जन अधिकारी रायपुर के आदेश दिनांक 11/ 09/2026 के परिपालन मे दिनांक 16/09/2026 को समय 12 बजे पश्चात मेरे द्वारा किया जाना नियत है।

अतः उक्त सीमांकन मे जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा / आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह उक्त तिथि मे पटवारी हल्का नम्बर 74 एवं 68 के डूमरतराई, फुंडहर मे स्थित कार्यालय मे मय दस्तावेज सहित स्वंय अथवा वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात मेरे द्वारा किसी प्रकार की दावा / आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं है।

(राजस्व निरीक्षक)
G-262703257/1 रा.नि.मं. रायपुर 10

नीलगिरी ऑयल के धनिया पावडर और एक्वाग्री प्रोसेसिंग के 'असुरक्षित और कीटनाशक अवशेष' ज्यादा, 2 उत्पादों को हटाना होगा तत्काल

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। नियामक ने 2 कंपनियों, निलगिरी ऑयल एंड एलाइड इंडस्ट्रीज और एक्वाग्री प्रोसेसिंग, को अपने दो उत्पादों को तुरंत बाजार से वापस बुलाने का निर्देश दिया है। इन उत्पादों में उच्च कीटनाशक अवशेष और सुरक्षा संबंधी चिंताएं पाई गई हैं। एफएसएसएआई ने बीते शनिवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से इस कार्रवाई की जानकारी दी।

एफएसएसएआई ने उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने उठाया बड़ा कदम उठाया

प्रयोगशाला परीक्षण और मूल्यांकन के बाद की कार्रवाई

एफएसएसएआई ने इन फूड बिजनेस ऑपरेटर्स को वापसी के आदेश जारी किए हैं। यह कार्रवाई प्रयोगशाला परीक्षण और मूल्यांकन के बाद की गई है। निलगिरी ऑयल एंड एलाइड इंडस्ट्रीज के 'शालीमार्स शेफ- धनिया पाउडर' में कीटनाशक अवशेष निर्धारित मानकों से अधिक मिले। वहीं, एक्वाग्री प्रोसेसिंग के 'कैरागीनन' उत्पाद को सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण वापस लेने को कहा गया है। एफएसएसएआई द्वारा 'कैरागीनन' के नमूने में कैडमियम की मात्रा असंतोषजनक पाई गई। यह उत्पाद निर्धारित विशिष्टताओं के अनुरूप नहीं था। खाद्य विश्लेषक ने दोनों नमूनों को 'असुरक्षित' घोषित किया। दोबारा परीक्षण में भी परिणाम वही रहे। नियामक ने कहा कि इन उत्पादों का निर्माण एफएसएस अधिनियम, 2006 के प्रावधानों का उल्लंघन करता है।



कैडमियम की मात्रा अधिक पाई गई : एफएसएसएआई ने नीलगिरी ऑयल एंड एलाइड इंडस्ट्रीज को 'शालीमार्स शेफ - धनिया पाउडर' को तत्काल वापस बुलाने का आदेश दिया है। कंपनी के परिसर से लिए गए इस धनिया पाउडर के नियामक नमूने में कीटनाशक अवशेष निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं थे। इसे असुरक्षित पाया गया। इसी तरह, एक्वाग्री प्रोसेसिंग को अपने 'कैरागीनन' उत्पाद को बाजार से हटाने का निर्देश मिला है।

उपभोक्ताओं को सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराना ही हमारा लक्ष्य

एफएसएसएआई ने खाद्य कारोबार संचालकों के खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई तेज की है। नियामक का उद्देश्य उपभोक्ताओं को सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराना है। एफएसएसएआई अपनी इन कार्रवाइयों को सोशल मीडिया मंचों पर भी साझा कर रहा है। नियामक ने ऊर्जा पेय और मादक पेय बनाने वाली कंपनियों पर भी शिकंजा कसा है। कई पांच सितारा होटलों को भी नोटिस जारी किए गए हैं।

नमूनों का दोबारा परीक्षण कराया

खाद्य नियामक ने इन उत्पादों के नियामक नमूने लिए थे। 'कैरागीनन' का नमूना फसाई के दक्षिणी क्षेत्र द्वारा लिया गया था। 'शालीमार्स शेफ - धनिया पाउडर' का नमूना कंपनी के परिसर से लिया गया। दोनों नमूनों का प्रयोगशाला में परीक्षण किया गया। प्रारंभिक परीक्षण में ही वे असुरक्षित पाए गए। इसके बाद दोबारा परीक्षण भी किया गया, जिसमें भी वही असंतोषजनक परिणाम सामने आए। इनके आधार पर वापसी के आदेश दिए।

विशेषः हिंदी दिवस, 14 सितंबर

हर साल 14 सितंबर के आस-पास सरकारी दफ्तरों में हिंदी पखवाड़ा शुरू होता है, मंचों से हिंदी की महिमा गाई जाती है और अपनी भाषा पर गर्व करने की बातें होती हैं। लेकिन इन औपचारिकताओं से आगे बढ़कर हमें यह सवाल भी पूछना चाहिए कि क्या हम अपनी रोजमर्रा के जीवन में हिंदी को सचमुच सम्मान देते हैं? उससे प्यार करते हैं?

हमारे हिंदुस्तान की आत्मा है हिंदी



आवरण कथा
यामिनी गजानन रामपल्लीवार

भाषा और संस्कृति का रिश्ता कोई ऊपरी बंधन मात्र नहीं होता, वह जड़ और वृक्ष का रिश्ता होता है। हिंदी के संदर्भ में यह बात और भी गहरे अर्थ रखती है, क्योंकि हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, हिंदुस्तान की सांस्कृतिक पहचान का जीवंत प्रमाण है। इसकी जड़ें संस्कृत जैसी वैज्ञानिक और अनुशासित भाषा में हैं, जिसने भोजपुरी, अवधी और ब्रज जैसी सैकड़ों बोलियों को अपनी सुंदर शाखाओं की तरह जन्म दिया। यह विस्तार किसी एक भाषा की सीमा नहीं, बल्कि एक पूरे उपमहाद्वीप की सांस्कृतिक चेतना का फैलाव है।

भाषा से जुड़ी देश की पहचान

14 सितंबर को जब हम हिंदी दिवस मनाते हैं, तो यह अवसर केवल एक तिथि का उत्सव नहीं होना चाहिए। यह अवसर रुककर यह सोचने का भी हो कि हमने इस भाषा को कितना जिया है और कितना केवल औपचारिकता में समेट दिया है? इतिहास गवाह है कि जब कवि इकबाल ने लिखा था, 'हिंदी हैं हम, वतन है हिंदोस्तां हमारा।' तब उन्होंने भाषा और राष्ट्र की पहचान को एक ही सांस में बांध दिया था। उनकी यह पंक्ति आज भी उतनी ही सार्थक है, क्योंकि जिस भाषा की पहचान हिंद महासागर के तट से लेकर हिमालय की चोटियों तक फैली हो, वह भाषा किसी परिचय की मोहताज नहीं।



शब्दों में सदियों की साधना

हिंदी का यह वैभव किसी एक कवि या रचनाकार की देन नहीं, बल्कि सदियों की साधना का परिणाम है। तुलसी ने इसे भक्ति की मिठास दी, सूर ने इसमें वात्सल्य का रस घोला, कबीर ने इसे सीधी और निर्भीक वाणी दी और निराला ने इसमें विद्रोह और नवीनता का स्वर भरा। इन सबने मिलकर हिंदी को वह समृद्धि दी, जो आज भी हर हिंदुस्तानी की रग-रग में बहती है। यही कारण है कि हिंदी को केवल एक भाषा कहना उसके साथ अन्याय होगा, वह तो भावनाओं की वह साझी विरासत है, जिसमें देश की विविधता खुद को सहज पाती है।

समावेशी भाषा है हिंदी

यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि हिंदी की श्रेष्ठता का यह अर्थ कभी नहीं कि अन्य भाषाओं या बोलियों को कमतर आंका जाए। हिंदी का असली गौरव इसी में रहा है कि उसने सदा दूसरी भाषाओं और बोलियों को अपनाया, उनसे शब्द लिए और उन्हें भी फलने-फूलने का अवसर दिया। भोजपुरी, अवधी, ब्रज, मैथिली और राजस्थानी जैसी बोलियां हिंदी की प्रतिद्वंद्वी नहीं, उसकी शक्ति हैं। इसी समावेशी स्वभाव के कारण हिंदी हर हिंदुस्तानी के मन में अपना स्थान बना पाई है।

कहां हैं झिझक की जड़ें

यह विडंबना ही है कि आज कुछ लोगों को हिंदी बोलते हुए झिझक या कमतरी का एहसास होता है। यह झिझक कहां से आती है, इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। बड़े शहरों के कॉर्पोरेट कार्यालयों में, महानगरों की पार्टियों में और यहां तक कि कुछ शिक्षित परिवारों में भी हिंदी बोलने को पिछड़ेपन से जोड़कर देखा जाने लगा है। अंग्रेजी में दक्षता आवश्यक है, इसमें कोई संदेह नहीं, क्योंकि वह आज वैश्विक संपर्क की भाषा बन चुकी है। परंतु किसी दूसरी भाषा को सीखने और अपनी भाषा को त्यागने में बुनियादी अंतर है। जब यह अंतर धुंधला पड़ने लगता है, तभी भाषा का यह संकट जन्म लेता है। बरसों पहले मेरे एक पारिवारिक समारोह में एक किशोर अपनी दादी से अंग्रेजी में बात करने की कोशिश करने लगा, टूटे-फूटे शब्दों में, केवल इसलिए कि साथ बैठे उसके अंग्रेजी-माध्यम के मित्र उसे 'देसी' न समझें। दादी ठहरकर मुस्कुराईं और बोलीं, 'बेटा, जिस भाषा में मैंने तुझे कहानियां सुनाईं, उसी में बात कर, शर्म किस बात की?'

उस किशोर की दादी के एक वाक्य ने पूरा वातावरण बदल दिया। गहराई से सोचें तो स्पष्ट होता है, वह झिझक केवल उस बच्चे की नहीं थी, वह उस पूरी पीढ़ी की झिझक थी, जिसे यह सिखाया गया कि तरक्की अंग्रेजी की जुबान से होकर गुजरती है और अपनी भाषा पीछे छूट जाने वाली चीज है। यह संकट केवल भाषाई नहीं, सांस्कृतिक और मनोवैज्ञानिक भी है। जो व्यक्ति अपनी मातृभाषा बोलने में संकोच करता है, वह धीरे-धीरे अपनी जड़ों से भी दूर होता चला जाता है। हमें इस बात को समझना होगा कि भाषा केवल शब्दों का संग्रह नहीं होती, वह सोचने की एक शैली होती है, संस्कारों को आगे बढ़ाने का माध्यम होती है। जब बच्चा अपनी दादी की कहानियां, लोरियां हिंदी में नहीं सुन पाता, जब वह लोकगीतों की लय से अपरिचित रह जाता है, तो वह केवल एक भाषा नहीं खोता, अपने भीतर की एक पूरी दुनिया खो देता है।



सभी करें हिंदी का सम्मान

यह कहना उचित होगा कि भाषा का अपमान केवल उस भाषा का अपमान नहीं, वह पूरी संस्कृति का अपमान है। जिस तरह किसी वृक्ष की जड़ों को काटकर उसकी शाखाओं की हरियाली की उम्मीद नहीं की जा सकती, उसी तरह अपनी भाषा से कटकर अपनी सांस्कृतिक पहचान को जीवंत रखने की कल्पना भी अधूरी रह जाती है। यह प्रवृत्ति बदलनी चाहिए और इसके लिए किसी बड़े आंदोलन की नहीं, बल्कि छोटे-छोटे व्यावहारिक प्रयासों की आवश्यकता है। घर के भीतर बच्चों से हिंदी में बात करना, कार्यस्थल पर जहां संभव हो वहां हिंदी को सहजता से अपनाना, हिंदी साहित्य को केवल पाठ्यक्रम की मजबूरी न मानकर आनंद के लिए साहित्यिक किताबें पढ़ना, ऐसे ही अनेक छोटे-छोटे प्रयास मिलकर बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं।

संकल्प लेने का दिन हिंदी दिवस

आज जब हिंदी दिवस के अवसर पर सरकारी कार्यालयों में औपचारिक समारोह होंगे, भाषणों में हिंदी की महिमा गाई जाएगी, तब यह प्रश्न स्वयं से पूछना जरूरी है कि क्या हमने इस भाषा को अपने दैनिक जीवन में उतना सम्मान दिया, जितना वह हकदार है। हिंदी को बचाने की जिम्मेदारी किसी एक दिन या किसी एक विभाग की नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति की है, जो इसे अपनी भाषा मानता है। हिंदी दिवस केवल स्मरण का दिन नहीं, संकल्प का दिन बने, यही आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जब तक हम अपनी भाषा बोलने में गर्व का अनुभव नहीं करेंगे, तब तक उसकी समृद्ध विरासत आगे नहीं बढ़ पाएगी। इसलिए आइए, इस हिंदी दिवस पर केवल उत्सव नहीं, आत्मनिरीक्षण भी करें और अपनी भाषा को उसका वास्तविक सम्मान लौटाएं। *

विशेषः गणेश चतुर्थी

परंपरा-आस्था का संगम महापर्व गणेशोत्सव



गणेश चतुर्थी से आरंभ होने वाला गणेशोत्सव केवल धार्मिक पर्व नहीं है। इसकी जड़ें भारत की परंपरा, इतिहास और संस्कृति से भी जुड़ी हैं। इस पर्व का आरंभ सामाजिक समारोहों के रूप में कब और कैसे हुआ, आप जरूर जानना चाहेंगे।

सांस्कृतिक पर्व / शिखर चंद जैन

गणेश चतुर्थी का त्योहार भारतीय जनमानस के हृदय में अत्यंत पवित्र स्थान रखता है। यद्यपि भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी (14 सितंबर) को विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश की स्थापना और अनंत चतुर्दशी को उनके विसर्जन का दृश्य हर वर्ष भारत के कोने-कोने में दिखाई देता है, परंतु इस महापर्व के कई ऐसे पहलू हैं, जो बहुधा लोकस्मृति या सामान्य वार्ताओं से परे छूट जाते हैं। यह उत्सव केवल धार्मिक कर्मकांड, ढोल-नगाड़ों और सुंदर झांकियों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके मूल में राजनीति, समाज, प्राचीन भूगोल, खगोल विज्ञान और पर्यावरण संरक्षण की गहरी जड़ें जुड़ी हुई हैं। गणेश चतुर्थी भारत की उस अमर सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है, जो अध्यात्म को समाज सेवा से, इतिहास को भविष्य की सोच से और धर्म को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ती है।

तिलक की दूरदर्शी सामाजिक पहलः गणेश चतुर्थी का इतिहास अत्यंत प्राचीन है और 18वीं शताब्दी में पेशवाओं के काल में इसे पुणे में राज्योत्सव के रूप में मनाया जाता था। आधुनिक भारत में इसका स्वरूप पूरी तरह से बदलने का श्रेय लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक को जाता है। वर्ष 1893 में तिलक ने इसे निजी गृह-पूजा के बंद कमरों से निकालकर 'सार्वजनिक गणेशोत्सव' का रूप दिया।

ब्रिटिश हुकूमत के दौर में 'वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट' और अन्य कठोर कानूनों के कारण भारतीयों के लिए राजनीतिक सभाएं करना या सामाजिक मुद्दों पर एकत्र होना पूरी तरह प्रतिबंधित था। तिलक ने भांप लिया कि अंग्रेज शासक धार्मिक सम्मेलनों में सीधे हस्तक्षेप करने से डरते हैं। अतः उन्होंने गणेशोत्सव को एक सांस्कृतिक और सामाजिक मंच बनाया। पंडालों में स्वतंत्रता संग्राम के विचारों, स्वदेशी आंदोलनों और समाज सुधारों पर चर्चा होने लगी। इस प्रकार, एक धार्मिक उत्सव औपनिवेशिक सत्ता के खिलाफ जनक्रांति का प्रतीक बन गया।

जल निकायों का वैज्ञानिक कायाकल्पः आधुनिक समय में विसर्जन के कारण होने वाले जल प्रदूषण पर चिंता व्यक्त की जाती है, लेकिन पुराने दौर में गणेश प्रतिमा का निर्माण और उसका जल-विसर्जन एक अत्यंत वैज्ञानिक और पर्यावरणीय प्रक्रिया थी। पारंपरिक रूप से, गणेश प्रतिमाएं केवल शुद्ध चिकनी मिट्टी (शाडू माटी) से बनाई जाती थीं। इसमें हल्दी, चंदन, भस्म और कुमकुम का लेप किया जाता था। मानसून के अंत में जब नदियां और तालाब नए पानी से भर जाते थे, तब इन मिट्टी की मूर्तियों को जल में विसर्जित किया जाता था। मिट्टी, जल निकायों को समृद्ध करती थी, जबकि हल्दी और चंदन प्राकृतिक एंटीसेप्टिक तथा जीवाणुरोधक के रूप में पानी को शुद्ध करते थे। यह प्राचीन परंपरा वास्तव में वर्षा ऋतु के बाद जल स्रोतों के वैज्ञानिक कायाकल्प का माध्यम थी।

मोदक का औषधीय महत्वः गणेश जी को 'मोदक प्रिय' कहा जाता है, लेकिन मोदक केवल एक स्वादिष्ट मिठाई नहीं है। इसका निर्माण आयुर्वेद के सिद्धांतों पर आधारित है। पारंपरिक रूप से भाद्रपद (सितंबर) के महीने में उकडीचे मोदक (भाप में पके हुए मोदक) बनाए जाते हैं। मानसून के खत्म होने और शरद ऋतु के आगमन के समय शरीर में 'पित्त' दोष बढ़ने की संभावना होती है। मोदक के बाहरी आवरण में चावल का आटा और अंदर गुड़, ताजा कसा हुआ नारियल, जायफल और इलायची का मिश्रण होता है, जिसे शुद्ध देशी घी के साथ परोसा जाता है। नारियल और गुड़ पेट की अग्नि को शांत करते हैं और पाचन तंत्र को दुरुस्त रखते हैं। इस तरह मोदक का भोग ऋतु परिवर्तन के दौरान स्वास्थ्य की रक्षा करने वाला एक आयुर्वेदिक आहार है।



समृद्ध करे सांस्कृतिक परिदृश्यः भारत के कला और सांस्कृतिक परिदृश्य को समृद्ध करने में गणेशोत्सव ने एक 'अदृश्य अकादमी' के रूप में भूमिका निभाई है। 10 दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में सार्वजनिक पंडालों द्वारा संगीत संध्याएं, नाटक (नाट्य संगीत), लोककलाएं (जैसे लावणी, गोंधल) और नृत्य प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इस तरह इसका सांस्कृतिक महत्व भी है। *

कविता
अलका 'सोनी'

जन-मन में बसती है हिंदी

किताबों के पन्नों पर
पढ़े जाने से पहले,
भाषणों में,
कहीं सुने जाने से पहले,
गूंजी थी वो मेरे कानों में।
जैसे गूंजी थी
अभिमन्यु के कानों में
चक्रव्यूह भेदने की कला।
फिर अकसर गूंजती ही रही वो,
मां की आवाज में।
लोरी में,
और पिता की डांट में
छिपे दुलार में भी।
और उनके कई
अनकहे भय के बीच,
हौंसला देने वाले संसार में भी।
उसने तब भी
गले लगाया था मुझे
जब मैं नहीं जानती थी
उसके व्याकरण का कोई नियम।
क्योंकि यह उसके
और मेरे बीच के
उन रिश्तों की गर्माहट है,
जिन्हें परिभाषित नहीं कर सकता
कोई शब्दकोश।
वो मेरे आंगन में बिखरी
सुबह की धूप है।
सर पर बनी रहने वाली,
ममता की छांव है।
दादी की कहानी में
हर बार आता हुआ
कोई पुराना गांव है।
वो और कोई नहीं
मेरी हिंदी है।
जिसमें बसी है
कबीर की निर्भीकता,
तुलसी की लोक-गंध की खुशबू
प्रेमचंद के पात्रों का संघर्ष,
महादेवी की करुणा,
और निराला की विद्रोही चेतना।
क्योंकि मेरी हिंदी ने
बनाया है
राजमहलों से अधिक
जन-मन में अपना घर।

व्यंग्य / गोविंद भारद्वाज

सरकार जब नई आती है तो रुतबा जमाने के लिए और आमजन में भरोसा कायम करने के लिए यह आदर्श वाक्य दोहराती है कि हमारी सरकार में कोई गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं होगी। लेकिन धीरे-धीरे नए-नए तरीके से गड़बड़ी आरंभ हो जाती है।

गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं



गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं-यह जुमला मैं बचपन से सुनता आ रहा हूं। यह जुमला आज के दौर में उतना ही प्रसांगिक है, जितना पुराने दौर में। सत्ता आए या जाए, सरकार किसी की भी बने लेकिन 'गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं' स्थाई आदर्श वाक्य है। यह न बदला है और न कभी बदलेगा। सरकार जब नई आती है तो रुतबा जमाने के लिए और आमजन में भरोसा कायम करने के लिए यह आदर्श वाक्य दोहराती है कि हमारी सरकार में कोई गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं होगी। धीरे-धीरे नए-नए तरीके से गड़बड़ी आरंभ होती है और पांच साल तक गड़बड़ी के सहारे ही सरकार चलती है। गड़बड़ी कोई और नहीं उन्हीं के नेता और कार्यकर्ता करते हैं। आम लोग तो उनकी गड़बड़ी बर्दाश्त करते हैं। सरकारों की बात छोड़िए हमारे यहां के प्रशासन ने भी इसे नारा ही बना लिया है। कोई आला अधिकारी जब अपनी ड्यूटी ज्वाइन करता है तो वह अपने अधीनस्थ कर्मचारी को यही हिदायत देता है, 'मेरे होते हुए गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।' जिले में बैठे अफसर भी यही कहते हैं कि जिले में कोई गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। स्कूल प्रशासन से लेकर सचिवालय प्रशासन तक के अधिकारी बस यही आदर्श वाक्य इस तरह से दोहराते हैं कि जनता और कर्मचारी उनके इस वाक्य से डर जाएंगे। भैया डरना तो दूर की बात वे मुस्कुराते हुए कहते हैं कि थोड़े दिन रुक जाओ अभी नया-नया आया है। सचमुच नयापन झड़ते ही वह अधिकारी भी पुराने ढर्रे पर आ जाता है और गड़बड़ी बर्दाश्त करने का आदी हो जाता है। आप से ही यह कहकर निश्चिंत हो लेता है कि गड़बड़ी कहां नहीं होती! यह देश चल ही रहा गड़बड़ियों के सहारे है। गड़बड़ी बर्दाश्त करना हमारी परंपरा है। बिना गड़बड़ के तो सरकार चल ही नहीं सकती। गड़बड़ी नहीं होगी तो पुलिस की क्या जरूरत। जांच करने के लिए कोई आयोग बनाया तब ही जाएगा, जब गड़बड़ी होगी। कुल मिलाकर गड़बड़ी बर्दाश्त करना हमें आना चाहिए। जो गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं कर सकता वह कुशल प्रशासक बन ही नहीं सकता। पिछले दिनों की बात है हमारे शहर के माननीय ने कार्यग्रहण किया। दूसरे दिन समाचार पत्र में छपा कि महोदय ने आला अधिकारियों के साथ शहर में फ्लैग मार्च निकाला और शहर वासियों को संदेश दिया की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मेरी समझ में यह नहीं आ रहा कि कौन-सी और किस प्रकार की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी? ये चोर-लुटेरों, बदमाशों, उठाईगीरों या जमाखोरों, भ्रष्टाचारियों, लापरवाहों, रिश्वतखोरों, बलात्कारियों या मिलावटखोरों के लिए चेतावनी दी गई या आम नागरिकों के लिए। खैर यह जुमला असरदार हो न हो पर लोगों को दिलासा दिलाए रखने के लिए कहना जरूरी है। हालांकि गड़बड़ी करता कौन है, ये विषय शोध का है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

संगीतमय जीवन

विख्यात खयाल गायिका गंगूबाई हंगल की आत्मकथा कई वर्ष पहले कन्नड़ भाषा में प्रकाशित हुई थी। हाल में ही उसका हिंदी अनुवाद 'जीवन संगीत' शीर्षक से प्रकाशित होकर आया है। यह आत्मकथा सामाजिक उपेक्षाओं, पारिवारिक समस्याओं और आर्थिक संकटों के बीच रहकर संगीत को समर्पित एक कलाकार की साधना यात्रा है। गंगूबाई हंगल ने कई स्थलों पर स्वीकार किया है कि उनकी मां के त्याग और उनके गुरुओं के सही मार्गदर्शन ने ही उन्हें इतनी प्रतिष्ठा दिलाई। यही नहीं वे पूरी विनम्रता से हर उस शख्स के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करती दिखाई देती हैं, जिन्होंने किसी भी रूप में उनकी संगीत साधना में जरा भी सहयोग प्रदान किया था। हालांकि कुछ स्थलों पर उनके मन में समाई टीस प्रकट हुई है। जातिगत भेदभाव पर अपने अतीत को याद करते हुए वह कहती हैं, 'अगर हम लोग किसी ऊंची जाति के घर खाना खाने जाते थे तो हमें खुद अपने बर्तन मांजने पड़ते थे।' किशोरावस्था में ही विवाह कर दिए जाने और उसके कुछ समय बाद ही मां-पिता के निधन होने के बावजूद गंगूबाई ने कभी अपनी संगीत साधना में व्यवधान नहीं आने दिया। इसी का परिणाम रहा कि वे हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में उपलब्धियों के सोपानों पर अग्रसर रहीं और अद्वितीय प्रतिष्ठा प्राप्त की। इस आत्मकथा में कहीं भी आत्मश्लाघा का भाव नजर नहीं आता है। वे अपने सभी प्रशंसक संगीत प्रेमियों, विभिन्न सम्मानों से नवाजने के लिए सरकार के प्रति कृतज्ञता भी ज्ञापित करती हैं। *



पुस्तकः जीवन संगीत- गंगूबाई हंगल (आत्मकथा), अनुवादः मृत्युंजय,
मूल्यः 199 रुपए, प्रकाशकः राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

लघुकथाएं

परीक्षा



पिछली सर्दियों की बात है। रात के अंधेरे को चीरती हुई ट्रेन अंबाला की तरफ भागती चली जा रही थी और साथ ही मेरी घबराहट भी बढ़ती जा रही थी। कुछ ही देर में अंबाला आने वाला था। आज सुबह की ट्रेन से मैं पापा के साथ दिल्ली गई थी। पुलिस इंस्पेक्टर की परीक्षा देने और अब वापिस लौट रही थी। वापस लौटते हुए ट्रेन में पापा की तबीयत अचानक खराब हो गई थी। माइग्रेन के दौरे के कारण उन्हें चक्कर आने लगे थे और मितली भी। ऐसी तकलीफ उन्हें हर चार-छह महीने में कभी भी हो जाया करती थी। ऐसे में उन्हें दो दिनों तक पूरा आराम करना पड़ता था। ट्रेन ने रात के एक बजे अंबाला पहुंचना था। मुझे डर लग रहा था कि सर्दी की ठिठुरती रात में इस समय मैं पापा को संभाले हुए सुरक्षित घर तक कैसे पहुंचूंगी? घर से स्टेशन पर किसी को बुलाया भी नहीं जा सकता था। न मम्मी को और न छोटी बहन को। अंबाला के प्लेटफॉर्म पर ट्रेन रुकी तो मैंने सहारा देकर पापा को डिब्बे से नीचे उतारा। फिर सहारा देकर उन्हें स्टेशन से बाहर ले आई। पापा निढाले से थे।

स्टेशन के बाहर पांच-सात ऑटो-रिक्शा खड़े थे, जिनके ड्राइवर कपड़े से मुंह, सिर ढंके स्टेशन से बाहर आती सवारियों से उनके गंतव्य के बारे में पूछ रहे थे। ऐसे किसी ड्राइवर से बात करने में भी मुझे डर लग रहा था। तभी न जाने कैसे मुझमें इतनी हिम्मत आ गई कि एक ड्राइवर को मैंने बड़ी आत्मविश्वास भरी रौबदार आवाज में शंकर नगर चलने के लिए कहा और पापा के साथ ऑटो-रिक्शा में बैठ गई। मुझे लगा पुलिस इंस्पेक्टर की परीक्षा से पहले ही असली परीक्षा मैंने पास कर ली है। *

-हरीश कुमार 'अमित'

खाका

अविनाश पुलिस महकमे का वरिष्ठ स्केच आर्टिस्ट था। उसके हाथों से बने खाके कभी गलत नहीं होते थे। एक शाम, एक सहमी हुई बुजुर्ग महिला उसके घर में हुई डकैती के गवाह के तौर पर एक शख्स का हुलिया बताने पहुंची। अविनाश ने कागज पर पेंसिल टिकाई। जैसे-जैसे महिला उस शख्स के माथे के कटे निशान, तीखी नाक और गहरी आंखों का ब्योरा देने लगी, अविनाश की अंगुलियां कांपने लगीं। कैनवास पर उसके अपने इकलौते बेटे का चेहरा उभर रहा था। अविनाश के भीतर भयंकर द्वंद्व छिड़ गया, एक कलाकार की निष्ठा और बाप के मोह के बीच। क्या वह लकीरों को बदलकर अपने बेटे को बचा ले? उसने भारी मन से, बिना कोई हेर-फेर किए बिल्कुल हूबहू वैसा चेहरा उकेरा, जैसा महिला ने बताया था और ड्रॉइंग शीट पुलिस अफसर की ओर बढ़ा दिया। तभी महिला स्केच देखकर रोते हुए बोली, 'हां साहब! यही वो जांबाज लड़का है, जिसने डकैतों से भिड़कर मेरी जान बचाई। अस्पताल में बेहोश पड़ा है, इसके घर खबर करवा दो।' अविनाश की कांपती अंगुलियों से पेंसिल छूटकर गिर गई। *



– देवेंद्रराज सुथार

जैकेट के शेष

बड़ा सवाल- गांजा तस्करी ...

अधिकारी जब्त गांजे के साथ तस्वीरें खिंचवाते हैं। उसके बाद यह सवाल जा आया कहां से और उसके पीछे का नेटवर्क क्यों नहीं तोड़ा जा रहा। उल्लेखनीय है कि विधानसभा के बजट सत्र में गृहमंत्री विजय शर्मा ने एक सवाल के जवाब में बताया था कि पिछले 13 महीनों में राज्य में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के 1,434 मामलों में 2,599 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान 20,089 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया। लेकिन सवाल यह है कि इतनी बड़ी मात्रा में गांजा पकड़े जाने के बाद भी प्रदेश के शहरों, कस्बों और मोहल्लों में इसकी उपलब्धता खत्म क्यों नहीं हुई? सप्लाई करने वाले आकाओं और रैकेट को ध्वस्त क्यों नहीं किया गया। पुलिस दावा करती है कि गांजा तस्करों पर शिकंजा कसा जा रहा है। लेकिन हरिभूमि की पड़ताल में तस्वीर कुछ ओर ही निकलकर आई। पता चला कि गांजा अभी भी गलियों तक पहुंच रहा है। बस...तस्करों ने तरीके और इलाके थोड़ा बदल दिए हैं।

रायपुरः बदला गांजा ...

बुलाने के बजाय अलग-अलग स्थान बताए जा रहे हैं, ताकि पुलिस को लगातार एक ही ठिकाने पर निगरानी का मौका न मिले। हरिभूमि की पड़ताल में सामने आया कि आमानाका के कुकुरबेडा, श्याम नगर, कुशालपुर और पंडरी बस्ती क्षेत्र में सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे के बीच गांजे की बिक्री की जा रही है। तस्करों ने चार से अधिक जगहों को बिक्री के लिए इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। एक जगह पर बार-बार बिक्री करने के बजाय ग्राहक को दूसरी जगह भेजा जाता है।

कुकुरबेड़ा में पुराने ....

वहां स्कूटी में एक युवक मिलेगा। इसी दौरान गांजा लेने पहुंच एक अन्य व्यक्ति को हॉकी स्टेडियम रोड की ओर जाने के लिए कहा गया। टीम जब बताए गए स्कूल रोड पर पहुंची, तो स्कूटी सवार युवक ने 100 रुपए में गांजे की पुड़िया दी।

पहले से दी जाती है ग्राहक की सूचना : पहले युवक ने दूसरे युवक को ग्राहक के गांजा लेने आने की जानकारी दे दी थी। यही वजह रही कि दूसरे स्थान पर मौजूद गांजा बेचने वाले युवक को ग्राहक की पहचान करने में परेशानी नहीं हुई। तस्करों ने करीब आधा दर्जन स्थान बनाए हुए हैं। इन जगहों पर एक बार में केवल एक व्यक्ति को गांजा दिया जा रहा है। दिनभर एक ही स्थान से लगातार बिक्री नहीं की जाती। ग्राहक को नई जगह बताकर वहां भेजा जाता है और वहीं से गांजा उपलब्ध कराया जाता है।

दूसरी जगह बुलाकर दी पुड़िया : श्याम नगर में भी गांजा बेचे जाने की सूचना पर हरिभूमि की टीम गांजा लेने पहुंची। यहां युवक से गांजे की पुड़िया के संबंध में जानकारी ली गई। शुरुआत में युवक ने गांजा नहीं मिलने की बात कही। टीम कुछ देर इंतजार करती रही। इसके बाद युवक ने गांजा लेने के लिए शाम को आने की बात कही। बताए गए समय के अनुसार टीम शाम को दोबारा श्याम नगर पहुंची। इस दौरान युवक ने खुद गांजा देने के बजाय एक अन्य व्यक्ति से फोन पर बात की और टीम को टिकरापारा बस्ती आने के लिए कहा। इसके बाद टीम बताए गए स्थान पर पहुंची। यहां एक युवक चेहरे पर स्कार्फ पहने हुए मिला। युवक ने 100 रुपए में गांजे की पुड़िया दी। इस पूरे घटनाक्रम में श्याम नगर से टिकरापारा बस्ती तक गांजा देने का स्थान बदल दिया गया। श्याम नगर में सामने आए इस घटनाक्रम में गांजा बिक्री के लिए स्थान बदलने का तरीका दिखाई दिया। एक ही जगह पर गांजा उपलब्ध कराने के बजाय ग्राहक को दूसरी जगह बुलाकर पुड़िया दी गई।

सवाल सिर्फ जब्ती ...

में 100-100 रुपए की पुड़िया आसानी से मिल रही है, तो यह सवाल और गंभीर हो जाता है कि आखिर पुलिस की कार्रवाई तस्करी की किस कड़ी तक पहुंच रही है और कौन-सी कड़ी हर बार बच जा रही है? हरिभूमि की पड़ताल में रायपुर, दुर्ग और अन्य जिलों में गांजा आसानी से उपलब्ध होने की तस्वीर सामने आना बताता है कि केवल जब्ती से समस्या खत्म नहीं हो रही। जरूरत उस पूरी सप्लाई लाइन को तोड़ने की है, जो गांजे को दूसरे राज्यों से लेकर शहर की गली तक पहुंचाती है।

दुर्ग-भिलाई : कालेज, स्कूल ...

इससे भी बड़ा खतरा इड्रोपोनिक गांजे का है जो विदेशों से भिलाई-दुर्ग समेत प्रदेश में पहुंच रहा है। दुर्ग पुलिस ऑपरेशन विश्वास के तहत इस बड़े गिरोह का भंडाफोड भी कर चुकी है। यह गांजा सिर्फ पानी और खास पोषक तत्वों की मदद से लैब या बंद कमरों में उगाया जाता है। यह आम गांजे के मुकाबले कई गुना ज्यादा नशीला और महंगा होता है। हाइड्रोपोनक्सि में जड़ों को सीधे खनिज युक्त पानी में रखा जाता है। इसमें मिट्टी की जगह कोको कॉयर, रॉकवूल, पेर्लाइट जैसे माध्यमों का इस्तेमाल किया जाता है, जो केवल जड़ों को सहारा देते हैं, पोषण नहीं। हाइड्रोपोनिक गांजा की सप्लाई भिलाई-दुर्ग में सबसे बड़ा खेप बैंकॉक(थाईलैंड) से ही आती है। म्यांमार, अमेरिका , कनाड और यूरोप आदि जगहों से देश भर में सप्लाई हो रही है। माह अप्रैल 2026 में दुर्ग पुलिस ने हाइड्रोपोनिक गांजा तस्करी करते पकड़ा था।

गांजा के गोरखधंधे ...

सुनसान इलाके में गांजा बेचा जा रहा है। 100 रुपये का गांजा पैकेट इन क्षेत्रों में आसानी से उपलब्ध हो रहा है। वहीं 25 ग्राम के पैकेट के लिए 800 रुपये देकर आर्डर करने पर दो घंटे बाद उपलब्ध कराया जा रहा है।

आतंकवाद पर ब्रिक्स ...

खिलाफ इस समूह का एकजुट रुख सामने आया। घोषणापत्र में सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर बात करते हुए, सदस्य देशों ने पहलगाम में 22 अप्रैल, 2025 को हुए आतंकवादी हमले की निंदा की, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी और कई अन्य लोग घायल हो गए थे। ब्रिक्स घोषणापत्र में पिछले साल पहलगाम के बैसरन घाटी में हुए आतंकवादी हमले का स्पष्ट रूप से जिक्र करते हुए कहा गया, हम आतंकवाद के किसी भी कृत्य की कड़ी निंदा करते हैं और इसे आपराधिक व अनुचित मानते हैं, चाहे उसका उद्देश्य कुछ भी हो, और उसे कभी भी, कहीं भी या किसी ने भी अंजाम दिया हो। **एकतरफा शुल्क और प्रतिबंधों का विरोध** ब्रिक्स नेताओं ने उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक में अधिक प्रतिनिधित्व देने के लिए वैश्विक वित्तीय व्यवस्था में व्यापक सुधार का आह्वान किया है। समूह ने एकतरफा शुल्क, व्यापार प्रतिबंधों और आर्थिक प्रतिबंधों की भी कड़ी आलोचना की। नयी दिल्ली घोषणापत्र में ब्रिक्स ने कहा कि बढ़ता संरक्षणवाद और एकतरफा व्यापार उपाय वैश्विक व्यापार तथा आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए खतरा हैं।

सीमा पर शांति ....

और भारत एक-दूसरे की ताकत से सीख सकते हैं और साझा विकास हासिल कर सकते हैं। उन्होंने दोनों देशों से व्यापक ब्रिक्स सहयोग के उच्च गुणवत्ता वाले विकास के लिए मिलकर काम करने का भी आग्रह किया। चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग ने पीएम मोदी से कहा कि चीन भारत के साथ अपने संबंधों को 'रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण' से देखता है।

- रेड नोटिस जारी था, पंजाब में दोहरे हत्याकांड समेत कई गंभीर मामलों में था वांछित

मोल्दोवा से भारत लाया गया वांछित अपराधी अमृतपाल, सीबीआई ने कराया प्रत्यर्पण

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने इंटरपोल रेड नोटिस वाले वांछित अपराधी अमृतपाल सिंह उर्फ गुरपाल सिंह का मोल्दोवा से भारत प्रत्यर्पण कराने में सफलता हासिल की है। सीबीआई ने विदेश मंत्रालय, गृह मंत्रालय और पंजाब पुलिस के समन्वय से यह कार्रवाई पूरी की। पंजाब पुलिस की चार सदस्यीय टीम आरोपी को भारत वापस लाने के लिए मोल्दोवा भेजी गई थी। सीबीआई के अनुसार, अमृतपाल सिंह पंजाब में दर्ज कई गंभीर आपराधिक मामलों में वांछित था। उसके खिलाफ हथियारों के इस्तेमाल से दोहरे हत्याकांड, शस्त्र अधिनियम और एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामले दर्ज हैं। इसके अलावा उस पर जाली दस्तावेजों के इस्तेमाल और पासपोर्ट अधिनियम के उल्लंघन के भी आरोप हैं।



पाक में हाफिज सईद दो महीने में दूसरा गैर-जमानती वारंट

जम्मू। राष्ट्रीय अन्वेषण एजेंसी (एनआईए) ने जम्मू-कश्मीर में सक्रिय आतंकी संगठनों को हथियार, धन और निर्देश देने से जुड़े मामले में भारत के लिए सबसे वांछित आतंकवादियों में शामिल लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के संस्थापक हाफिज सईद के खिलाफ गैर-जमानती वारंट हासिल किया है। पाकिस्तान में रह रहे सईद के खिलाफ दो महीने में यह दूसरा गैर जमानत वारंट (एनबीडब्ल्यू) है। जम्मू की विशेष अदालत ने आठ सितंबर को एनआईए की ओर से सईद के खिलाफ दायर आवेदन पर सुनवाई करते हुए यह एनबीडब्ल्यू जारी किया।

गुमशुदा की तलाश



नाम : विक्रम सिंह

पिता का नाम- ज्ञान सिंह, निवासी- कैरोट जवारिन वर्तमान में मझगवां में रहकर पढ़ाई कर रहे थे। विक्रम सिंह दिनांक 09 सितंबर 2026 को घर से पेपर देने की बात कहकर निकले थे, लेकिन उसके बाद से घर वापस नहीं लौटे हैं। परिजनों द्वारा उनकी गुमशुदगी की सूचना थाने में दर्ज करा दी गई है। यदि किसी भी सज्जन को विक्रम सिंह के संबंध में कोई जानकारी मिले अथवा वे कहीं दिखाई दें, तो कृपया तत्काल निम्न मोबाइल नंबरों पर सूचना देने की कृपा करें।

संपर्क करें-
भाई-मो. 7049983759
पिता- मो. 7489756018

विधिक नोटिस

दिनांक- 11/9/2026

हितार्थ- मीनाल चौहान पिता सुभाष चौहान उम्र 35 वर्ष निवासी-46/40, मदर टेरेसा नगर कैम्प-1 भिलाई तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

प्रति, जो कोई भी संबंधित हो

महोदय, मैं अपने पक्षकार- मीनाल चौहान पिता सुभाष चौहान उम्र 35 वर्ष से प्राप्त अधिकार एवं निर्देशानुसार निम्नलिखित रजिस्टर्ड नोटिस प्रेषित करता है- 1. यह कि, मेरे पक्षकार के द्वारा एक कंपनी फिन विजन के नाम से संचालन कंपनी को रजिस्टर्ड करने का प्रयास किया जा रहा है एवं उक्त पंजीयन की कार्यवाही वर्तमान में लंबित है एवं कंपनी का पंजीयन आज दिनांक तक नहीं हो पाया है।

2. यह कि मेरे पक्षकार के द्वारा उक्त कंपनी के अधिकृत कार्यालय को आरंभ करने दिनांक- 12/12/2025 को एक स्थान जो कि 3025-26 करेंसी टावर रायपुर, रायपुर (छ.ग.) में स्थित है, को किराये पर प्राप्त करने हेतु विधिक कार्यवाही जारी है एवं उक्त कार्यालय के केयर टेकर के द्वारा वर्तमान तक उक्त स्थल का किराया प्राप्त किया जा रहा है।

3. यह कि उक्त निर्माणाधीन कार्यालय के परिसर में कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा आये दिन कार्यालय में आकर धमकी देते हुए झूठे मुकदमे दयार करने एवं तथाकथित पुलिसकर्मीयो का उक्त कार्यालय में संलिप्तता होना बताते हुए अनर्गल आरोप लगाये जा रहे हैं, शिकायतों एवं पुलिस की कार्यवाही से बचने हेतु आये दिन गुमनाम व्यक्तियों के द्वारा अवैध वसूली की मांग की जा रही है। 4. यह कि मेरे पक्षकार के द्वारा किसी भी प्रकार की कोई धोखाधड़ी, आपराधिक कृत्य किसी भी व्यक्ति, संस्थान या समिति के साथ आज दिनांक तक नहीं किया गया है। मात्र अवैध वसूली की नियत से उस तथाकथित व्यक्तियों के द्वारा अपनी ऊँची पहुंच व रसूख का हवाला देकर मेरे पक्षकार को अपमानित करने एवं अवैध राशि की मांग की जा रही है जो कि एक आपराधिक कृत्य है। यहां पर उल्लेखनीय है कि उक्त तथाकथित व्यक्तियों के द्वारा गुमनाम शिकायत भी करने का प्रयास किया जा सकता है।

अतएव आप नोटिसी जो कोई भी व्यक्ति संस्था, समिति द्वारा यदि मेरे पक्षकार को झूठे आपराधिक प्रकरण अथवा अवैध राशि की मांग करने वाला कोई भी कृत्य किया जाता है तो वह अवैध व असंवैधानिक होगा, यदि ऐसे किसी भी व्यक्ति, संस्था, समिति के पास मेरे पक्षकार के विरूद्ध किसी भी प्रकार के कोई आपराधिक कृत्य की कोई जानकारी हो तो उक्त विधिक सूचना के प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर मेरे कार्यालयीन पते पर मय दस्तावेज प्रस्तुत कर सकते हैं। यदि उनकी शिकायत में कोई तथ्य प्रकट होते हैं तो उसका निराकरण करने हेतु मेरा पक्षकार वचनबद्ध है।

सो सूचना जाने

दुर्ग (छ.ग.)
दिनांक-11/09/2026

भवदीय
अनिल काम्बले (अधिवक्ता)
जिला न्यायालय दुर्ग (छ.ग.)
Mo.No-6260578995

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

शुद्धिपत्र संख्या—1

ई—निविदा सूचना संख्याः 105—एसएनटी—परि.—टेंडर—2026. दिनांक—18.08.2026

शुद्धिपत्र संख्या 1 : ऊपर दिए गए टेंडर के लिए 04.09.2026 को शुद्धिपत्र संख्या 1 जारी किया गया है। टेंडर खोलने की तारीख में कोई बदलाव नहीं है।

अधिक जानकारी/टेंडर दस्तावेज खरीदने, पात्रता के मानदंडों और 'ई' निविदा दस्तावेज की पूरी जानकारी के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट **https:\/\/www.ireps.gov.in** पर जाएं।

उप मुख्य संकेत एवं दूर. इंजी. (परि.—II)
सीपीआर/10/393 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

कार्यालय नगर पालिका परिषद कुरूद, जिला - धमतरी (छ.ग)

पुराना बाजार चौक- कुरूद, फोन - 7705-223149, फैक्स-7705-223635, Email-npkurud@yahoo.in, kurudnp@gmail.com

क्रमांक / 2542/ लो.नि.वि. / 2026-27 कुरूद, दिनांक 11/09/2026

ईश्तहार सूचना

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि, नगर पालिका परिषद कुरूद क्षेत्र में मेसर्स बालाजी लैण्ड डेव्हलपर्स कुरूद द्वारा वार्ड क्रमांक 14 गायत्री मंदिर के पीछे कॉलोनाईजर एक्ट के तहत कॉलोनी विकास हेतु नगर पालिका परिषद कुरूद में 15 प्लाट क्रमांक 2, 3, 5, 8, 24, 25, 81, 82, 83, 91, 92, 93, 97, 101, 104 बंधक है। कॉलोनाईजर द्वारा कॉलोनी विकास अनुज्ञा के विपरित आज दिनांक तक कॉलोनी में बाह्य एवं आंतरिक विकास नही होने के कारण कॉलोनीवासी मुलभूत सुविधा से वंचित है जिस हेतु निकाय में बंधक प्लाटो का अधिग्रहण अग्रिम कार्यवाही प्रस्तावित की जा रही है। जिस किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के भीतर कार्यालय नगर पालिका परिषद कुरूद में वैध दस्तावेज के साथ आपत्ति दर्ज कर सकते है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद कुरूद
जिला - धमतरी (छ.ग.)

CAVEAT NOTICE

That, the Department of Urban Administration and Development, State of Chhattisgarh has scheduled the general local body elections in local urban bodies to be held in December 2026 / January 2027 and has carried out the delimitation and reservation exercises in compliance with statutory frameworks, ensuring administrative efficiency and public interest. The administrative actions cover 15 remaining urban local bodies (including Municipal Corporations like Bhilai, Risali, Birgaon, and Bhilai-Charoda) and 02 newly formed urban local bodies (Nagar Panchayat Tamnar and Nagar Panchayat Badi Kareli). The processes of ward delimitation and category-wise/gender-wise reservation for the post of Mayor, President and Ward Councilors thereof are being executed strictly under the relevant provisions of the Chhattisgarh Municipal Corporation Act, 1956, the Chhattisgarh Municipalities Act, 1961, and the Chhattisgarh Municipalities (Reservation of Wards for SC, ST, OBC and Women) Rules, 1994.

It is apprehended that the aggrieved persons / proposed petitioners may approach this Hon'ble Court challenging the finalized statutory proceedings concerning ward delimitation (parisiman) and reservation (arakshan) for the upcoming general local body elections scheduled to be held in the month of December 2026 / January 2027 and the processes of ward delimitation and category-wise/gender-wise reservation carried out under the relevant rules governing the field, by way of preferring petitions and may pray for an interim order against the same as well. In the event of filing of such a petition, it would be imminent in the interest of justice to afford an opportunity of being heard to the Caveator/State Government before passing any order whatsoever.

The address for notice to the caveator is being given hereinbelow.

"The Advocate General,
Office of the Advocate General,
Chhattisgarh High Court
Campus,Bodri, Bilaspur (CG.)"

BILASPUR
DATED

Seal

(PRAVEEN DAS ADDL. AG)
COUNSEL FOR THE CAVEATOR / STATE

पेज एक के शेष

केशकाल में देवताओं ...

स्वरूपों को लेकर ग्रामीण केशकाल थाना परिसर पहुंचे। यहां देवी-देवताओं ने परंपरा के तहत थाने में हाजिरी दी। इस दौरान पुलिस विभाग की ओर से देवी-देवताओं का श्रद्धापूर्वक स्वागत किया गया। पुलिस विभाग की ओर से अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अरुण नेताम, नगर निरीक्षक विकास बघेल सहित पुलिस स्टॉफ ने थाना परिसर पहुंचे देवी-देवताओं का सम्मानपूर्वक अभिनंदन किया। पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने परंपरा के अनुरूप उनका स्वागत किया। थाना परिसर में इस दौरान श्रद्धालुओं और ग्रामीणों की मौजूदगी से धार्मिक वातावरण देखने को मिला।

बालिकाओं के साथ यौन ..

फिलहाल सात छात्राओं की ओर से शिकायत किए जाने की बात सामने आई है। शिकायत में छात्राओं और पालकों के हस्ताक्षर हैं। गौरतलब है कि इस कन्या आवासीय विद्यालय में छटवीं से लेकर बारहवीं तक वर्तमान में 341 छात्राएं अध्ययनरत है। मिली जानकारी के मुताबिक शिकायत करने वाली छात्राएं कक्षा 9वीं की हैं।

प्राचार्या पर मामला दबाने का आरोपः पालकों ने शिकायत में विद्यालय प्रबंधन की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि छात्राओं की ओर से मामले की जानकारी प्राचार्या को दिए जाने के बाद भी इसे गंभीरता से लेने की बजाय दबाने का प्रयास किया गया। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि छात्राओं को आश्रम से निकालने तक की बात कही गई थी। पालकों का कहना है कि आवासीय विद्यालय में रहने वाले छात्राओं की सुरक्षा और उनके साथ होने वाले व्यवहार की जिम्मेदारी विद्यालय प्रबंधन की है।

रायपुर में 25 लाख ...

मंत्रियों को भी कमान सौंपी गई हैं। आशीर्वाद दीये के आयोजन के प्रभारी डिप्टी सीएम विजय शर्मा हैं। भाजपा संगठन ने 17 सितंबर से लेकर 17 अक्टूबर तक एक माह का कार्यक्रम तय किया है। इसमें रोज अलग-अलग कार्यक्रम होंगे। पहले दिन का कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर होगा। इस कार्यक्रम का नाम आशीर्वाद दीया रखा गया है। इसके लिए प्रदेश भाजपा संगठन ने बड़ी तैयारी की है।

हर बूथ में 100 दीये : प्रदेश भाजपा संगठन ने प्रदेश के हर बूथ में सौ-सौ दीये जलाने का लक्ष्य तय किया है। प्रदेश में इस समय 28 हजार बूथ हैं। इन बूथों पर दीये जलाए जाएंगे। साथ ही भाजपा के सभी मंडलों और शक्ति केंद्रों, जिला कार्यालयों तथा भाजपा कार्यकर्ताओं के घरों पर भी दीये जलाए जाएंगे।

राजधानी में 25 लाख दीये जलाएंगे : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के रूप में 25 साल पूरे होने के कारण राजधानी रायपुर में भाजपा संगठन ने 25 लाख दीये जलाने का फैसला किया है। इसके लिए शहर जिला भाजपा और ग्रामीण जिला भाजपा के साथ सामाजिक, व्यापारिक संगठनों का भी सहयोग लिया जा रहा है। एक बड़ा आयोजन 13 किलोमीटर लंबा होगा। विशेष रूप से 13 किलोमीटर की लंबी सड़क पर साढ़े 6 लाख दिए जलाए जाएंगे। इस सड़क के लिए मैप भी जारी किया गया है, जिसमें विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारियों की भी ड्यूटी लगाई गई है। 13 किलोमीटर की लंबी सड़क पर एक साथ दिए जलाने का मार्ग इस प्रकार है।

किस जिले में कितने दीयेः प्रदेशभर के जिलों में अलग-अलग संख्या में दीये जलाए जाएंगे। इसमें राजनांदगांव में 15 लाख, धमतरी में 10 लाख, बालोद में 10 लाख, सरगुजा में पांच लाख, जशपुर में 2.25 लाख, बस्तर में 2.5 लाख, बीजापुर में दो लाख, कांकेर में 5 लाख, बेमेतरा में 1.5 लाख सहित अन्य जिलों में भी दो से दस लाख तक दीये जलाए जाएंगे।

सभी एक दीया जलाकर ...

नागरिकों से आग्रह किया कि वे अपने घर में एक दीप जलाकर प्रधानमंत्री को अपना आशीर्वाद प्रदान करें। मुख्यमंत्री ने कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया, आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधि, महिला स्वसहायता समूहों की दीदियों तथा प्रधानमंत्री आवास हितग्राहियों की विशेष भागीदारी रहेगी। इस दौरान आम नागरिक एवं विभिन्न योजनाओं के हितग्राही भी अपने घरों में एक दीप जलाकर अपनी शुभकामना और आशीर्वाद व्यक्त करेंगे।

सीएम हाउस में छत्तीसगढ़ी ...

छत्तीसगढ़ की महिलाओं के लिए खास महत्व रखने वाला पर्व है। यह त्योहार मायके, परिवार और रिश्तों से जुड़ी भावनाओं को सामने लाता है। आयोजन में महिलाओं की बड़ी भागीदारी ने तीजा की पारंपरिक रौनक को और बढ़ा दिया। मुख्यमंत्री निवास में महिलाओं ने उत्साह के साथ पर्व मनाया।

मुख्यमंत्री निवास में हुए आयोजन में मंत्री गजेंद्र यादव, मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, महापौर मीनल चौबे, महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू समेत बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह की पत्नी वीणा सिंह और उनकी बहू भी कार्यक्रम में मौजूद रहीं। आयोजन ने छत्तीसगढ़ की लोक परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को एक साथ मंच दिया।

39वें नेशनल गेम्स...

दोनों बैठकों की अध्यक्षता मुख्यमंत्री व छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष विष्णु देव साय ने की। बैठक की शुरुआत महासचिव डॉ. विक्रम सिंह सिसोदिया ने अध्यक्ष की अनुमति से एजेंडे के अनुसार बैठक की कार्यवाही शुरू की। उन्होंने सचिवीय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इसमें विगत वर्ष राज्य के खिलाड़ियों द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी सदन के समक्ष रखी गई। कोषाध्यक्ष संजय मिश्रा ने वर्ष 2025-26 की ऑडिट रिपोर्ट अनुमोदन के लिए प्रस्तुत की। इसके साथ ही वर्ष 2026-27 का वार्षिक बजट भी सदन के समक्ष रखा गया और अनुमोदन की प्रक्रिया पूरी की गई। वर्ष 2026-27 के लिए ऑडिटर के नाम पर भी चर्चा की गई और कोषाध्यक्ष द्वारा नाम सदन के समक्ष रखा गया। बैठक में छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री एवं छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन के उपाध्यक्ष केदार कश्यप, सांसद एवं एसोसिएशन के उपाध्यक्ष विजय बघेल, उपाध्यक्ष हिमांशु द्विवेदी, महासचिव डॉ. विक्रम सिंह सिसोदिया, कोषाध्यक्ष संजय मिश्रा सहित एसोसिएशन के पदाधिकारी, राज्य खेल संघों एवं जिला खेल संघों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

40वें नेशनल गेम्स की मेजबानी के लिए छत्तीसगढ़ का दावा

आगामी 39वें नेशनल गेम्स को लेकर भी बैठक में चर्चा हुई। महासचिव डॉ. विक्रम सिसोदिया ने बताया कि जनवरी या फरवरी 2027 में मेघालय में 39वें नेशनल गेम्स होना तय हो चुका है। उन्होंने सभी खेल संघों से तैयारियां शुरू करने और ऐसी प्लानिंग तैयार करने को कहा, जिससे छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी अधिक से अधिक पदक जीत सकें। उन्होंने खेल संघों से अपनी योजना छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ एवं खेल विभाग को उपलब्ध कराने की बात कही, ताकि उसके क्रियान्वयन की प्रक्रिया शुरू की जा सके। 40वें नेशनल गेम्स को लेकर महासचिव डॉ. विक्रम सिंह सिसोदिया ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नेशनल गेम्स को छत्तीसगढ़ में आयोजित कराने के लिए केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया व भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा को पत्र लिखा है। उन्होंने बताया कि उन्होंने स्वयं भी संबंधित स्तर पर मुलाकात कर छत्तीसगढ़ को नेशनल गेम्स की मेजबानी दिए जाने का आग्रह किया है। उन्होंने यह भी बताया कि इसके लिए छत्तीसगढ़ की ओर से 2.5 करोड़ रुपए पहले ही जमा किए जा चुके हैं।

गंगरेल के 6 गेट खोले..

छोड़ा गया था। इससे नदी में बाढ़ की स्थिति बन गई है। बाद में पानी की आवक घटने पर जावक भी घटाकर 10400 क्यूसेक कर दिया गया है। अभी बांध के 6 गेट खोलकर पानी नदी में छोड़ा जा रहा है।

बाढ़ में फंसा मरीज..

तबीयत बिगड़ने के दौरान सामने आया, जब उन्हें समय पर अस्पताल पहुंचाने में ग्रामीणों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। गोपेश कुमार पटेल की स्थिति उल्टी-दस्त की शिकायत के बाद अचानक गंभीर हो गई। तड़के सुबह पानी का स्तर कुछ कम होने के बाद ग्रामीणों की मदद से उन्हें नाला पार कराया गया और अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार कराया गया। ग्राम पंचायत लटियारा के सरपंच रुपेश कुमार ध्रुव सहित ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से डुमर नाला में तत्काल पुलिया निर्माण कराने की मांग की है।

राजिम-नवापारा के ...

गांव के लोगों से सतर्क रहने तथा नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए सुरक्षा बरतने की अपील की है। महानदी के बढ़ते जलस्तर का सबसे स्पष्ट असर राजिम के एक पाट पर पंचेश्वरनाथ महादेव तथा बीच नदी में भोलेनाथ कुलेश्वरनाथ महादेव मंदिर तक दिखाई दे रहा है।

राशिफल

मेष मन परेशान हो सकता है। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। पिता का साथ मिलेगा। नौकरी में यात्रा पर जा सकते हैं।

वृष नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान मिलेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। खर्च अधिक रहेंगे।

मिथुन कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। मन प्रसन्न रहेगा। व्यर्थ के क्रोध से बचें।

कर्क किसी मित्र के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते है। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। पारिवारिक समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

सिंह परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। सम्मान में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। यात्रा पर जाना हो सकता है।

कन्या संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त हो सकते हैं। अफसरों से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

तुला नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। वाणी में मधुरता रहेगी। अपनी भावनाओं को वश में रखें। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। परिवार में व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

मकर किसी भवन या सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। भाई-बहनों का साथ मिलेगा।

कुंभ आय में वृद्धि तो होगी, परन्तु अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते हैं।

मीन शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। आय भी बढ़ेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा।

कार्यालय संपदा अधिकारी छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र-दन्तेवाड़ा

:: आम-सूचना ::

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छ.ग. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल संभाग दंतेवाड़ा द्वारा सामान्य आवास योजनान्तर्गत बचेली, में निर्मित भवनों में एम.आई.जी-23, जो कि मूल आबंटी श्री शिवचरण द्विवेदी / पिता स्व. श्री लल्लू मणी द्विवेदी की मृत्यु होने के कारण उनके वारिस श्री सर्वेश द्विवेदी / पिता स्व. श्री शिवचरण द्विवेदी को मण्डल द्वारा आबंटित किया गया है। नामांतरी द्वारा रू. 50 का नानज्यूडीशियल स्टाम्प पेपर प्रस्तुत कर अनुबंध निष्पादित कर लिया गया है।

इस संबंध में यदि किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्धशासकीय संस्था को नामान्तरण के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस कार्यालय में प्रस्तुत करें। निर्धारित दिनांक पश्चात् आपत्ति प्राप्त मान्य नहीं होगी।

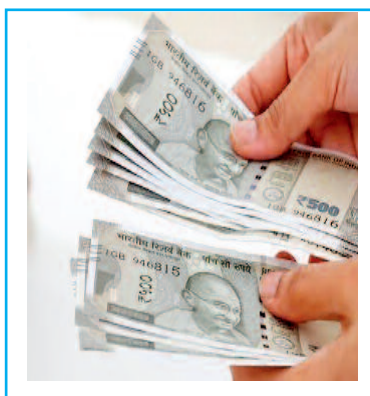
संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र- दंतेवाड़ा

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांकः 32-सीईई-सी-एसईसीआर-2026 दिनांकः 27.08.2026

कार्य का नामः दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर डिवीजन में (i) कुम्हारी और सरोना में पी. आई. को ई. आई. से बदलने, (ii) मरोडा यार्ड में दुर्ग दिशा की लाइन से दल्लीराजहरा ला



सैलरी बढ़ने से नहीं, पैसे की सही चाल से बनती है दौलत

कमाई बढ़ने के साथ खर्च बढ़ा तो हाथ रह सकता है खाली

बचत को प्राथमिकता, नियमित निवेश, जीवनशैली पर नियंत्रण जरूरी

सालाना वित्तीय समीक्षा लंबे समय में बना सकती है मजबूत संपत्ति

जानकारी
बिजनेस डेस्क

अच्छी नौकरी, बढ़ती सैलरी और हर साल मिलने वाली वेतनवृद्धि किसी भी व्यक्ति को आर्थिक रूप से मजबूत होने का भरोसा देती है, लेकिन ज्यादा कमाई अपने आप में दौलत की गारंटी नहीं है। कई बार आय बढ़ने के साथ खर्च भी उसी रफ्तार से बढ़ जाता है और महीने के अंत में बचत पहले जितनी ही रह जाती है। इसके उलट सीमित आय वाला व्यक्ति अगर खर्च पर नियंत्रण रखे, नियमित बचत करे और लंबे समय तक अनुशासन के साथ निवेश करता रहे तो वह अच्छी संपत्ति बना सकता है। यही वजह है कि धन बनाने की प्रक्रिया में कमाई के साथ पैसे को संभालने की आदतों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। वित्तीय विशेषज्ञों के मुताबिक आर्थिक मजबूती किसी एक बड़े निवेश या अचानक मिले बड़े रिटर्न से नहीं बनती। यह छोटे-छोटे लेकिन लगातार लिए गए सही वित्तीय फैसलों का परिणाम होती है।



पहली आदत : बचत बाद में नहीं, पहले

ज्यादातर लोगों की आर्थिक दिनचर्या कुछ ऐसी होती है कि पहले घर का खर्च, बिल, खरीदारी और दूसरी जरूरतें पूरी की जाती हैं और महीने के अंत में बची रकम को बचत में डालने की कोशिश होती है। समस्या यह है कि अक्सर महीने के अंत तक बचाने के लिए कुछ खास बचता ही नहीं।इसके बजाय वेतन आते ही बचत और निवेश की रकम अलग कर देना ज्यादा प्रभावी तरीका हो सकता है। उदाहरण के लिए किसी व्यक्ति की मासिक आय एक लाख रुपये है तो वह अपनी क्षमता के मुताबिक 20 से 30 हजार रुपये पहले ही बचत या नियमित निवेश के लिए अलग कर सकता है। इसके बाद बची रकम में महीने का खर्च चलाने की आदत बनाई जा सकती है। इसका फायदा यह है कि बचत इच्छा पर निर्भर नहीं रहती, बल्कि वित्तीय दिनचर्या का हिस्सा बन जाती है।

दूसरी आदतः बाजार के उतार चढ़ाव से घबराएं नहीं

निवेश शुरू करना आसान है, लेकिन बाजार में गिरावट आने पर निवेश जारी रखना ज्यादा मुश्किल होता है। शेयर बाजार में तेजी के दौरान निवेशक उत्साहित होते हैं और गिरावट में कई लोग डरकर निवेश रोक देते हैं या जल्दबाजी में अपनी हिस्सेदारी बेच देते हैं। लंबी अवधि के निवेश में सबसे महत्वपूर्ण चीज नियमितता और अनुशासन है। निवेश का तरीका व्यक्ति की आय, जोखिम उठाने की क्षमता और वित्तीय लक्ष्य के अनुसार होना चाहिए। भविष्य के लक्ष्य के लिए अलग-अलग साधनों में निवेश का संतुलन बनाया जा सकता है। कर्मचारी भविष्य निधि, सार्वजनिक भविष्य निधि, पेंशन योजनाएं, म्यूचुअल फंड और अन्य साधनों की भूमिका व्यक्ति की जरूरत के अनुसार अलग हो सकती है।

तीसरी आदत : आय बढ़े तो पूरा खर्च न बढ़ाएं

सैलरी बढ़ने के साथ जीवनशैली में बदलाव स्वाभाविक है। समस्या तब शुरू होती है जब आय में हुई हर वृद्धि का बड़ा हिस्सा नए खर्च में चला जाता है। बेहतर कार, महंगा मोबाइल, बड़ा घर, बाहर खाना और बार-बार छुट्टियों पर खर्च जैसी चीजें धीरे-धीरे मासिक बजट का हिस्सा बढ़ा देती हैं। इसे जीवनशैली की महंगाई कहा जा सकता है। इससे बचने का आसान तरीका यह है कि वेतनवृद्धि का पूरा फायदा खर्च में न लगाया जाए।

चौथी आदत : बीमा को निवेश नहीं, सुरक्षा मानें

वित्तीय योजना में बीमा की भूमिका को लेकर अक्सर भ्रम रहता है। कई लोग बीमा को भी निवेश की तरह देखते हैं और रिटर्न की तुलना करने लगते हैं। जबकि बीमा का मूल उद्देश्य बड़े वित्तीय जोखिम से सुरक्षा देना है। स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थिति में अस्पताल का बड़ा खर्च वर्षों की बचत पर भारी पड़ सकता है। पर्याप्त स्वास्थ्य बीमा ऐसी स्थिति में बचत और निवेश को अचानक निकालने की जरूरत कम कर सकता है। इसी तरह परिवार के कमाने वाले सदस्य के साथ अनहोनी होने पर जीवन बीमा परिवार की आर्थिक जरूरतों को संभालने में मदद कर सकता है। इसलिए निवेश की योजना बनाने से पहले जरूरी जोखिमों के लिए पर्याप्त सुरक्षा तैयार करना समझदारी है। बीमा का चुनाव केवल प्रीमियम देखकर नहीं, बल्कि कवरेज और शर्तों को समझकर करना चाहिए।

पांचवीं आदत : साल में एक बार पूरे पैसे का हिसाब

निवेश शुरू करने के बाद उसे भूल जाना भी सही रणनीति नहीं है। आय, खर्च, कर्ज, बीमा और निवेश की स्थिति समय के साथ बदलती रहती है। इसलिए साल में कम से कम एक बार पूरी वित्तीय स्थिति की समीक्षा करनी चाहिए। इस समीक्षा में देखा जा सकता है कि पिछले वर्ष कितना पैसा बचा, निवेश कितना बढ़ा, कर्ज कितना कम हुआ और क्या मौजूदा निवेश अभी भी तय लक्ष्य के मुताबिक है। आय बढ़ने पर निवेश की रकम बढ़ाई जा सकती है।

दौलत बनाने का असली सूत्र

धन निर्माण को एक सरल क्रम में समझा जा सकता है। कमाई बढ़ाएं, बचत पहले करें, जोखिम से सुरक्षा लें, नियमित निवेश करें और समय-समय पर समीक्षा करते रहें। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि निवेश के लिए छोटी रकम से शुरुआत करके समय के साथ निवेश बढ़ाना अधिक व्यावहारिक हो सकता है। नियमित निवेश लंबे समय में चक्रवृद्धि का फायदा मिलने की संभावना बढ़ती है। अमीर बनने का फार्मूला या रातोंरात पैसा दोगुना करने वाली योजना नहीं है। मजबूत संपत्ति आमतौर पर लगातार किए गए छोटे वित्तीय फैसलों से बनती है।

गुल्लक से बाजार तक पहुंचा पैसा

बदल रही बचत की तस्वीर



भारतीय परिवारों के लिए पैसा बचाने का मतलब लंबे समय तक घर में नकद रखना, सोना खरीदना, जमीन लेना या बैंक की सावधि जमा में रकम लगाना रहा है। लेकिन अब इस सोच में धीरे-धीरे बड़ा बदलाव दिखाई दे रहा है। परिवारों की बचत का एक हिस्सा बैंक और पारंपरिक साधनों से निकलकर म्यूचुअल फंड, एसआईपी और शेयर बाजार जैसे वित्तीय साधनों की ओर बढ़ रहा है। यानी बचत की पुरानी आदत खत्म नहीं हुई है, लेकिन उसके साथ निवेश की नई आदत तेजी से जुड़ रही है। इस बदलाव का सबसे बड़ा संकेत घरेलू बचत में वित्तीय साधनों की बढ़ती हिस्सेदारी है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 23 में घरेलू बचत में वित्तीय बचत की हिस्सेदारी करीब 27 फीसदी थी, जो वित्त वर्ष 25 में बढ़कर 33 फीसदी हो गई। वहीं, वित्त वर्ष 25 में प्रतिभूति बाजार के माध्यम से परिवारों की बचत का प्रवाह बढ़कर करीब 6.91 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि वित्त वर्ष 24 में यह करीब 3.58 लाख करोड़ रुपये था।

एफडी के साथ अब बाजार भी विकल्प

भारतीय परिवारों की वित्तीय मानसिकता में बदलाव का मतलब यह नहीं है कि बैंक जमा या एफडी का महत्व खत्म हो गया है। बैंक जमा आज भी बचत का बड़ा माध्यम है। लेकिन अब निवेशक अपने पूरे पैसे को एक ही जगह रखने के बजाय अलग-अलग साधनों में बांटने की कोशिश कर रहे हैं। एक हिस्सा बैंक में तरल जरूरतों के लिए रखा जा रहा है, कुछ पैसा बीमा और सेवानिवृत्ति योजनाओं में जा रहा है और लंबी अवधि के लक्ष्य के लिए म्यूचुअल फंड या शेयर बाजार का रास्ता अपनाया जा रहा है। हालिया आंकड़ों में भी यही बदलाव दिखाई देता है। वित्त वर्ष 25 में घरेलू वित्तीय परिसंपत्तियों में म्यूचुअल फंड में प्रवाह करीब 4.7 लाख करोड़ रुपये रहा, जो वित्त वर्ष 24 के करीब 2.4 लाख करोड़ रुपये से काफी ज्यादा है।

एसआईपी ने बदली निवेश की आदत

म्यूचुअल फंड में निवेश बढ़ने की एक बड़ी वजह एसआईपी का बढ़ता चलन है। पहले शेयर बाजार या म्यूचुअल फंड में निवेश करने के लिए लोगों को बड़ी रकम की जरूरत महसूस होती थी। एसआईपी ने इस धारणा को बदला है। अब नियमित अंतराल पर छोटी रकम निवेश करना संभव है। इससे निवेश बाजार में एकमुश्त पैसा लगाने के बजाय धीरे-धीरे निवेश करने की आदत में बदल रहा है।

आर्थिक आजादी की असली सुरक्षा कमाई के साथ जोखिम का भी बीमा

- बाढ़, आग, सड़क हादसे व साइबर ठगी जैसे जोखिम एक झटके में खत्म की रहे जमा पूंजी
- अब निवेश के साथ बीमा सुरक्षा को भी वित्तीय योजना का जरूरी हिस्सा बनाने की जरूरत



आर्थिक आजादी का मतलब सिर्फ अच्छी कमाई, बैंक में पर्याप्त पैसा या शेयर और म्यूचुअल फंड में निवेश होना नहीं है। असली आर्थिक मजबूती तब मानी जाती है, जब अचानक आने वाला बड़ा खर्च भी परिवार की वर्षों की बचत और निवेश को हिला न सके। बीमारी, सड़क हादसा, घर या दुकान में आग, प्राकृतिक आपदा और अब साइबर ठगी जैसे जोखिम कभी भी सामने आ सकते हैं। ऐसे में बीमा केवल किसी नुकसान की भरपाई का साधन नहीं, बल्कि पूरी वित्तीय योजना को सुरक्षित रखने वाली ढाल बन जाता है। अक्सर निवेशक अपनी संपत्ति बढ़ाने पर ज्यादा ध्यान देते हैं, लेकिन उस संपत्ति को जोखिम से बचाने की योजना पीछे छूट जाती है। उदाहरण के लिए किसी व्यक्ति ने कई वर्षों में बचत करके घर बनाया, बच्चों की पढ़ाई के लिए निवेश किया और सेवानिवृत्ति के लिए अलग कोष तैयार किया। यदि अचानक कोई बड़ा हादसा हो जाए और लाखों रुपये का खर्च सामने आ जाए तो वह व्यक्ति अपने निवेश को समय से पहले निकालने के लिए मजबूर हो सकता है। बाजार में गिरावट के समय निवेश बेचने की स्थिति पैदा हो जाए तो आर्थिक नुकसान और बढ़ सकता है।

वित्तीय योजना में सुरक्षा की चार परतें

एक मजबूत वित्तीय योजना को चार स्तरों में देखा जा सकता है। पहला, रोजमर्रा और अचानक आने वाले छोटे खर्चों के लिए आपातकालीन निधि। दूसरा, परिवार के लिए पर्याप्त जीवन बीमा। तीसरा, स्वास्थ्य और दूसरी जरूरी बीमा सुरक्षा। चौथा, लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए विविध निवेश। इन चारों को अलग-अलग उद्देश्य के साथ तैयार करने से किसी एक संकट का असर पूरी आर्थिक योजना पर नहीं पड़ता। इसके साथ ही नामांकित व्यक्ति की जानकारी, पॉलिसी दस्तावेज और दावा प्रक्रिया से जुड़े जरूरी कागजात परिवार के सदस्यों को भी पता होने चाहिए।

पॉलिसी लेते समय जल्दबाजी से बचें

बीमा खरीदते समय केवल प्रीमियम की राशि देखकर फैसला नहीं करना चाहिए। बीमित राशि, जोखिम का दायरा, दावा निपटाने की प्रक्रिया, प्रतीक्षा अवधि, अपवर्जन और नवीनीकरण की शर्तों को ध्यान से पढ़ना जरूरी है। जीवन और स्वास्थ्य बीमा में अपनी वास्तविक जरूरत के मुताबिक कवरेज तय करना चाहिए। संपत्ति या कारोबार का बीमा लेते समय भी यह देखना जरूरी है कि पॉलिसी में वास्तविक संपत्ति और संभावित जोखिम पर्याप्त रूप से शामिल हैं या नहीं। किसी भी पॉलिसी में दावा करने की समयसीमा और जरूरी दस्तावेजों की जानकारी पहले से रखना बाद में परेशानी कम कर सकता है।

बीमा और निवेश की भूमिका अलग-अलग

वित्तीय योजना में बीमा और निवेश को एक-दूसरे का विकल्प नहीं माना जाना चाहिए। निवेश का मुख्य उद्देश्य समय के साथ धन बढ़ाना है, जबकि बीमा का उद्देश्य बड़े जोखिम से आर्थिक सुरक्षा देना है। इसलिए पहले पर्याप्त बीमा सुरक्षा तैयार करना और उसके बाद लक्ष्य के मुताबिक निवेश बढ़ाना ज्यादा संतुलित रणनीति हो सकती है। जीवन बीमा परिवार के कमाने वाले सदस्य की अनुपस्थिति में आर्थिक सुरक्षा देता है। स्वास्थ्य बीमा अचानक आने वाले अस्पताल खर्च से बचाने में मदद करता है। वाहन बीमा सड़क दुर्घटना से जुड़े नुकसान को संभालने में उपयोगी है। घर और कारोबार के लिए संपत्ति बीमा आग, प्राकृतिक आपदा या अन्य निर्धारित जोखिमों में वित्तीय सुरक्षा दे सकता है। छोटे कारोबारियों के लिए यह सुरक्षा और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। दुकान, मशीनरी, माल और कारोबार से जुड़े जोखिमों के लिए उचित बीमा न होने पर एक दुर्घटना का असर केवल मालिक की संपत्ति पर नहीं, बल्कि पूरे कारोबार और कर्मचारियों की आय पर पड़ सकता है।

साइबर ठगी बना नया आर्थिक जोखिम

डिजिटल लेनदेन बढ़ने के साथ वित्तीय जोखिमों का स्वरूप भी बदल रहा है। पहले चोरी, आग या प्राकृतिक आपदा जैसे जोखिम प्रमुख माने जाते थे, अब साइबर ठगी भी आम व्यक्ति की आर्थिक सुरक्षा के सामने बड़ी चुनौती है। फर्जी बैंक कॉल, गलत लिंक, पहचान संबंधी जानकारी की चोरी और दूसरे डिजिटल धोखे से लोग अपनी जमा पूंजी गंवा सकते हैं। हालांकि हर तरह का साइबर नुकसान सामान्य बीमा से स्वतः सुरक्षित नहीं होता। इसलिए किसी भी साइबर सुरक्षा उत्पाद या बीमा योजना को लेने से पहले यह समझना जरूरी है कि उसमें किन परिस्थितियों में दावा स्वीकार किया जाता है और किन परिस्थितियों को बाहर रखा गया है। केवल बीमा खरीद लेना पर्याप्त नहीं है, उसकी शर्तों को समझना भी उतना ही जरूरी है।

कम बीमा, ज्यादा वित्तीय जोखिम

भारत में बड़ी आबादी अभी भी बीमा को निवेश या बचत का साधन मानकर खरीदती है। कई लोग केवल इसलिए पॉलिसी लेते हैं क्योंकि उसमें भविष्य में पैसा मिलने की उम्मीद होती है। इस सोच में जोखिम सुरक्षा का मूल उद्देश्य पीछे छूट सकता है। विशेषज्ञों की नजर में बीमा खरीदते समय पहला सवाल यह होना चाहिए कि परिवार या संपत्ति को वास्तविक रूप से कितनी सुरक्षा चाहिए। उसके बाद प्रीमियम, अवधि, कवरेज, अपवर्जन और दावा प्रक्रिया को देखना चाहिए। कम प्रीमियम देखकर ऐसी पॉलिसी चुनना जिसमें वास्तविक जोखिम के समय पर्याप्त भुगतान न मिले, वित्तीय योजना को कमजोर कर सकता है।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Email : response.haribhoomi@gmail.com

CLASSIFIED

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment
आवश्यकता

टीचर

Required- Required teachers for Physics, Chemistry, Biology, Commerce, History, Sociology, Political-Science and Economics. Candidate must be PG with B.Ed, English Medium. Principal, Glorious School, Krishna Nagar Near Santoshi Nagar, Raipur 8226078877, 7987357145. (आरो-841

हाऊस कीपिंग

आवश्यकता है- हाउस कीपिंग – पुरुष उम्मीदवार (इन-हाउस रहने हेतु), ऑफिस बॉय – केवल रायपुर लोकल उम्मीदवार एवं कंसल्टेंसी वाले संपर्क करें :- मो.6232022676. (आरो-309)

शोरूम कार्य

आवश्यकता है- टाइल्स एवं सेनेटरी के शोरूम में कार्य करने हेतु युवको की आवश्यक है। संपर्क - मनन इंटरप्राइजेज, विधानसभा रोड,मोवा , थाने के सामने, रायपुर । मोबाइल : 9827109679. (आरो-285)

मार्केटिंग/सेल्स

आवश्यकता है- OBN मार्केटिंग को सेल्स एग्जीक्यूटिव की आवश्यकता है. फ्रैंचाईस लेकर पूरे भारत में कहीं से भी कार्य करें. 7000596044.(आरो-329)

हरिभूमि

आवश्यकता

Requirement- TARANG EDUCATION.10 post- 15,000 to 30,000 per month Qualification- 12th and Graduation phone number- 9767652798. (आरो-849)

चौकीदार/मिस्त्री

आवश्यकता है- रायपुर में बंजरपारा स्थित दाल मिल में चौकीदार की आवश्यकता आवास बिजली पानी सुविधा उपलब्ध मिल में 24 घंटे रहना होगा। दाल मिल चलाने के लिए दाल मिल मिस्त्री वेतन योग्यता अनुसार संपर्क कन्हैयालाल संतोष कुमार दाल मिल बंजरपारा सड्डु रायपुर 9407943129. (आरो-850)

ऑफिस स्टाफ

आवश्यकता है- न्यू कंपनी विस्तार हेतु आवश्यकता हैः- लड़के एवं लड़कियों की सैलरी 12,000 से 15,000 हजार, पताः- सुंदर नगर रायपुर छत्तीसगढ़ संपर्क करें- 7722856852, 8962606852.(आरो-A)

सेल्स/मैनेजर

आवश्यकता है- दुर्ग भिलाई- आयुर्वेदिक कंपनी में कार्य हेतु सेल्स वर्कर 5, फिल्ड वर्कर 3, सेल्स मैनेजर- 2, की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। वेतन योग्यतानुसार- 8000 - 15000 मो - 6268279954.(आरो - 1364)

हरिभूमि क्लासीफाईड

फील्ड मैनेजर/ड्रायवर

आवश्यकता है- किराया भंडार में काम करने के लिए फील्ड मैनेजर-3 ,कॉमर्शियल ड्राइवर तीन पद वेतन योग्यतानुसार समय दोपहर 1 से 4 बजे तक। चावला किराया भंडार गुरुद्वारा के पास स्टेशन रोड दुर्ग। 8821801000, 89594321252.(आरो - 335)

सिविल इंजीनियर

आवश्यकता है- Diploma /BTech civil (10 पद) अनुभवी एवं फ्रेशर दोनों उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं ADANI CEMENT ACC राजा स्टील ट्रेडर्स रिसाली भिलाई संपर्क - 98261-38080 बायोडाटा भेजें 78989-22204 (W), 18/9/2026 इंटरव्यू, शाम-4:00 बजे (आरो - 332)

नर्सिंग स्टाफ

आवश्यकता है- बच्चों के अस्पताल में नर्सिंग कार्य हेतु प्रशिक्षित स्टॉफ की आवश्यकता है। वेतन 20000/- रु तक अथवा योग्यतानुसार संपर्क चहक बच्चों का अस्पताल, भारत माता स्कूल के पास, टाटीबंध, रायपुर फ़ोन 0771-2572033, 9399777426. (आरो-19)

फैक्ट्री कार्य

आवश्यकता है- ऑयल फैक्ट्री में स्टाफ की आवश्यकता फुल टाइम - 10:30 से 8:00 बजे तक लोकेशनः रायपुरा, चांगोरा के पास संपर्कः 9977067874. (आरो-398)

क्लासीफाईड

अकाउंटेंट

आवश्यकता है- अकाउंटेंट चाहिए (3पद)जिसे जीएसटी एवं टेलिग्राइम का अनुभव हो राजा स्टील ट्रेडर्स रिसाली भिलाई संपर्क करें - 98261-38080 बायोडाटा भेजें (W), 78989-22204 , इंटरव्यू -21/9/26 शाम-4:00 बजे (आरो - 333)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- इंडिया हेल्थ एंटरप्राइजेस में ऑफिस कार्य एवं स्वास्थ्य सर्वे हेतु युवक-युवतियों, महिलाओं की आवश्यकता। योग्यताः 10वीं, 12वीं एवं ग्रेजुएट। वेतन 12,000 से 18,000 तक। स्थानः डोंगरगढ़, राजिम सभी छत्तीसगढ़ जिलों में। संपर्कः 6265491588, 8462898943. (आरो-201)

मार्केटिंग

आवश्यकता है- बालोद जिला हेतु (10 पद) सेल्स एवं मार्केटिंग के लिए diploma civil, BTech civil, MBA sales/ marketing फ्रेशर एवं अनुभवी दोनों उम्मीदवार आवेदन करें ADANI CEMENT ACC / राजा स्टील ट्रेडर्स रिसाली भिलाई संपर्क -98261-38080 बायोडाटा भेजें -78989-22204 (W), इंटरव्यू 18/9/2026 शाम-4:00 बजे (आरो - 334)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

शिक्षाकर्मी

आवश्यकता है- राधिका नगर शिक्षण समिति द्वारा संचालित गाँधी विद्यापीठ (अंग्रेजी माध्यम) राधिका नगर, सुपेला भिलाई में निम्नलिखित शिक्षकों की आवश्यकता है:-(1) PRT (2) PGT (3) TGT सभी विषयों के लिए संपर्क करें मो.-83199-82502, 94079-85484.(आरो-4172)

ड्रायवर/डिलीवरी/शॉप वर्क

आवश्यकता है- (1) ड्राइवर (ई रिक्शा/ लोडर) (2) वेजीटेबल डिलवरी स्टाफ (3) वेजीटेबल शॉप स्टाफ Timings- 8-AM To 6-PM, Age 18-40 yrs, वेतन+ Petrol. खुद के 2-व्हीलर और स्मार्ट फोन, Contact- शॉप नं-3, शास्त्री मार्केट, रायपुर 9039043916, 8319726147. (आरो-071)

टेलीकॉलर

आवश्यकता है- टेली कॉलिंग के लिए युवतियों की आवश्यकता है। अनुभवहीन/ अनुभव को प्राथमिकता वेतन योग्यतानुसार पावर हाऊस भिलाई संपर्क करें मो.- 86249-87631, 92442-54776. (आरो - 331)

वेल्डर/कटिंग ऑपरेटर

आवश्यकता है- फैब्रिकेशन कार्य हेतु वेल्डर एवं गैस कटिंग ऑपरेटर की आवश्यकता है। इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें। स्थानः बाराडेरा- धनसुली, मंदिरहसौद, रायपुर। मो. 7024347173.(आरो-070)

क्लासीफाईड

ऑफिस कार्य

शीघ्र आवश्यकता है- जो बाहर रहकर कार्य कर सके इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के, आयु 18 से 30 वर्ष वेतन 12000 + कमीशन + बोनस के साथ 20000 रहना फ्री + गाड़ी किराया + कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क, 9630922589, 9893029618.(आरो-501)

ऑपरेटर/सेल्समैन

आवश्यकता है- कम्प्यूटर ऑपरेटर, सेल्समैन, अकाउंटेंट, बैटरी ऑटो ड्राइवर चाहिए। अनुभवी को प्राथमिकता। वेतन योग्यता अनुसार। पता- श्रीट्रेडर्स, दुकान नं. 236-237, औषधि वाटिका मेडिकल कॉम्प्लेक्स, डूमरतराई, रायपुर बायोडाटा व्हाट्सएप करें- 9425219248, 8602412770.(आरो-41834)

Education
शिक्षण

प्रवेश प्रारंभ - फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करेः-B.ED, B.A, B.COM, B.Sc, BCA, MCA, BBA, LLB M.A, M.COM, M.SC, MBA, MSW, B.LIB, M.LIB, DCA, PGDCA, POLY-TECHNIC, B.tech M.tech (अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करें) सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा संपर्क Bharti Education Academy Sector-6 Bhilai 9826196515, 9826896515. (आरो-4171)

हरिभूमि क्लासीफाईड

Property
प्रापर्टी

प्लाट

प्लॉट बेचना है - दया नगर रिसाली में 25X50=1250 और 25x42.5 = 1062.5 फीट का स्वदीप इण्डेन गैस के सामने संपर्क करे 7415305100.(आरो-A)

प्लॉट बेचना है - बिलासपुर (सकरी मेन रोड से वाकिंग डिस्टेंस) इन्वेस्टर्स हेतु मकान बनाकर बेचने का अवसर सभी साइजों में डायवर्टेड आवासीय प्लॉट सीसी रोड, नाली, पानी, बिजली सुविधा सहित सम्पर्क करें- 7898855268. (RO-41750)

जमीन

जमीन बेचना है- जोरा मॉल के आगे धरमपुरा में 4056.52 वर्गफीट जमीन रोड़ टच, टाइटल क्लियर, तुरंत रजिस्ट्री, ब्रोकर एंव खरीददार संपर्क करें- 6262676856, 9926906005.(आरो-7357)

Finance
फायनेंस

फाइनेंस - प्रगति फाइनेंस द्वारा कृषि, बिजनेस, पर्सनल, लघु उद्योग, आधारकार्ड, समूह लोन , होम लोन पर कम समय आसान क़स्ति (2%ब्याज), (40%छूट) 50 हजार से 40 लाख समस्त लोन कराये - 7606809537, 7587708423.(आरो-4349))

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ





आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवे व व्यक्तिगत से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापक दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

सूर्यवंशी या सैमसन?

अफगानिस्तान के खिलाफ चयन की दुविधा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अफगानिस्तान के खिलाफ रविवार को 3 मैचों की टी20 श्रृंखला के पहले मैच में भारत के सामने दुविधा होगी कि 'वंडर ब्वॉय' वैभव सूर्यवंशी को उतारा जाए या संजू सैमसन के अनुभव पर भरोसा किया जाए।

- आज टीम इंडिया और अफगानिस्तान के बीच पहला टी20

सूर्यवंशी को इंग्लैंड में सैमसन की जगह अंतिम एकादश में जगह दी गई थी लेकिन श्रृंखला के आखिरी मैच में 15 वर्ष के सूर्यवंशी की जगह सैमसन को उतारा गया। टी20 प्रारूप में सैमसन और अभिषेक शर्मा की जोड़ी कामयाब रही है। उम्मीद है कि कोच गौतम गंभीर और कप्तान श्रेयस अय्यर जापान में होने वाले एशियाई खेलों की अंतिम एकादश तय करने से पहले सैमसन और सूर्यवंशी दोनों को बराबर मौके देंगे।

अभ्यास सत्र में सैमसन अधिक संतुलित

अभ्यास सत्र के दौरान सूर्यवंशी की तुलना में सैमसन अधिक संतुलित नजर आए। सूर्यवंशी को जसप्रीत बुमराह की गेंदों पर सहज होकर खेलने में समय लगा क्योंकि पिच से भी बुमराह की गेंदों को मदद मिल रही थी। यह भी हो सकता है कि लगातार लाल गेंद के तीन मैच खेलने के बाद सूर्यवंशी को सामंजस्य बिठाने में समय लग रहा हो। वैसे अफगानिस्तान के पास बुमराह जैसा कोई गेंदबाज नहीं है। अफगानिस्तान के गेंदबाजों के सामने सूर्यवंशी को फुटवर्क का इस्तेमाल नहीं करने पर भी दिक्कत नहीं आएगी।



सूर्यवंशी को लेकर हाइप बढ़ी

सैमसन की बात करें तो तीन पारियों में नाकामी के बाद उन्हें इंग्लैंड दौरे से बाहर करना ज्यादती था। लेकिन सूर्यवंशी को लेकर हाइप इतनी बढ गई थी कि टीम प्रबंधन ने जनता की मांग पर फैसला लिया भले ही बार-बार वे कहते हों कि बाहरी आवाज का असर नहीं होता। अगर ईशान किशन नहीं खेल पाते हैं तो सूर्यवंशी और सैमसन दोनों को मौका मिल सकता है। ईशान को नेट अभ्यास के दौरान कमर में चोट लगी थी।

टीमें इस प्रकार

भारत : श्रेयस अय्यर (कप्तान), संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, तिलक वर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वैभव सूर्यवंशी, यश ठाकुर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई

अफगानिस्तान : इब्राहिम जदरान (कप्तान), दारविश रसूली, नूर उल रहमान, रहमानुल्लाह गुरबाज, सेदिकुल्लाह अटल, अजमतुल्लाह उमरजइ, राशिद खान, मोहम्मद नबी, गुलबदिन नायब, नांगेलिया खरोटे, अब्दुल्लाह अहमदजइ, फजलहक फारूकी, नवीनुल हक, मुजीबुर रहमान, नूर अहमद।

मैच का समय : शाम 7.30 से

फाइनल में शेल्टन, आज ज्वेरेव से खिताबी भिड़ंत

यूएस ओपन : सेमीफाइनल में टियाफो को हराया

एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क

अमेरिका के बेन शेल्टन ने हमवतन फ्रांसिस टियाफो को हराकर अमेरिकी ओपन के पुरुष एकल फाइनल में प्रवेश कर लिया, जहां उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। स्थानीय खिलाड़ियों के बीच हुए इस मुकाबले को देखने के लिए स्टेडियम दर्शकों से खचाखच भरा था। दोनों का हौसला बढ़ाने के लिए बड़ी संख्या में प्रशंसक और कई मशहूर हस्तियां मौजूद थीं। दोनों पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में जगह बनाने के लिए पूरी ताकत झोंक रहे थे। रविवार को होने वाले फाइनल में दर्शकों का समर्थन लगभग पूरी तरह शेल्टन के पक्ष में रहने की उम्मीद है। अब वह लंबे समय से चले आ रहे अमेरिकी ग्रैंड स्लैम खिताब के सूखे को खत्म करने की सबसे बड़ी उम्मीद बन गए हैं।



अपना सब कुछ झोंकने जा रहा हूं : शेल्टन

शेल्टन ने कहा, 'मैं यहां अपना सब कुछ झोंकने जा रहा हूं और कोर्ट पर कुछ भी बाकी नहीं छोड़ूंगा। उम्मीद है कि आप सभी आकर मेरा समर्थन करेंगे। आइए, इसे अमेरिका के लिए करते हैं।'

सबसे कम कीमत पर
Antique Jewellery
Gold Rate (x) * with Making %
22k Gold Value | Making Charges | Total %
91.6% + 3.99% = 95.59%
Jewellery Price* per 10 grams.
₹ 1,46,087/-
making charges included
ANAND Gold
पंडरी, रायपुर

ज्वेरेव ने खाचानोव को हराया

ज्वेरेव ने पहले सेमीफाइनल में कारेन खाचानोव को 6-3, 7-6 (7), 7-6 (6) से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। टियाफो को तीसरी बार अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले 2024 में उन्हें हमवतन टेलर फ्रिट्ज ने, जबकि उससे पहले यानिक सिनर ने हराया था। टियाफो ने कहा, 'मैं ग्रैंड स्लैम के फाइनल में पहुंचना चाहता था। जाहिर तौर पर यह बहुत बड़ा मुकाबला था। उसकी सर्विस भी बेहद अच्छी रही, जिसने मेरे लिए मुकाबला काफी मुश्किल बना दिया।' ज्वेरेव को लंबे समय तक ऐसे पुरुष खिलाड़ी के तौर पर देखा जाता रहा, जिन्होंने ग्रैंड स्लैम खिताब नहीं जीता था, लेकिन उन्हें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में गिना जाता था। इस साल फ्रेंच ओपन में आखिरकार उन्होंने यह इंतजार खत्म किया।





टाउनसेंड-सिनियाकोवा ने जीता महिला युगल खिताब

जोड़ी ने पूरा किया करियर ग्रैंडस्लैम

अमेरिका की टेलर टाउनसेंड और चेक गणराज्य की कैटरीना सिनियाकोवा ने एक टीम के रूप में कैरियर ग्रैंडस्लैम पूरा करते हुए वाइल्ड कार्डधारी एशलिन क्रूगर और रॉबिन मोंटगोमेरी को हराकर अमेरिकी ओपन महिला युगल खिताब जीत लिया। शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी ने 5-7, 6-0, 6-2 से जीत दर्ज की। 30 वर्ष की टाउनसेंड को एकल वर्ग में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने हराया था। टाउनसेंड और सिनियाकोवा ने 2024 विम्बलडन, 2025 आस्ट्रेलिया ओपन और इस साल फ्रेंच ओपन जीता था। यह सिनियाकोवा का 12वां ग्रैंडस्लैम है, जिन्होंने चेक गणराज्य की ही बारबोरा क्रेसिकोवा के साथ सात और कोको गाफ के साथ एक खिताब जीता है।

खबर संक्षेप



8 अक्टूबर से एपीएल हिस्सा लेंगी दीपिका

नई दिल्ली। चार बार की ओलंपियन दीपिका कुमारी और विश्व चैंपियनशिप रजत पदक विजेता अतनु दास 8 अक्टूबर से हैदराबाद में शुरू हो रही तीरंदाजी प्रीमियर लीग (एपीएल) के दूसरे सत्र में मेजबान रिकर्व टीम का हिस्सा होंगे। गत एशियाई चैंपियन धीरज बोम्मदेवरा समेत भारत के 36 सर्वश्रेष्ठ तीरंदाज इसमें दस देशों के 12 अंतरराष्ट्रीय सितारों के साथ मुकाबला करेंगे। कंपाउंड वर्ग में कई बार विश्व कप जीत चुकी एशियाई खेल चैंपियन ज्योति सुरेखा वेन्नम और अभिषेक वर्मा के साथ पूर्व विश्व चैंपियन ओजस प्रवीण देवताले उतरेंगे। विदेशी खिलाड़ियों में तोक्यो ओलंपिक 2020 चैम्पियन तुर्किये के मेटे गाजोज, पेरिस ओलंपिक 2024 कांस्य पदक विजेता अमेरिका की कासे काउफहोल्ड, ब्राजील के अलमेइडा और दुनिया की दूसरे नंबर की तीरंदाज ब्रिटेन की एला गिब्सन शामिल हैं।

20 से 23 नवंबर तक एशियाई कैडेट कप



चेन्नई। उपमहाद्वीप के युवा तलवारबाजों के लिए एशियाई कैडेट कप 20 से 23 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट में 30 से अधिक देशों के 500 से अधिक खिलाड़ी, कोच, अधिकारी और तकनीकी अधिकारी भाग लेंगे। टूर्नामेंट तीन वर्गों एपी, फॉइल और साबरे में आयोजित की जाएगी। इसका आयोजन भारतीय तलवारबाजी संघ ने एशियाई तलवारबाजी परिसंघ के साथ मिलकर युवा कार्य और खेल मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण और तमिलनाडु खेल विकास प्राधिकरण के साथ किया है। एफएआई महासचिव राजीव मेहता ने कहा,' इससे एशिया के युवा तलवारबाजों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव मिलेगा और भविष्य में एशियाई खेलों, विश्व चैंपियनशिप और ओलंपिक में सफलता का मार्ग प्रशस्त होगा।'

जूनियर एशिया कप हॉकी : फाइनल में टीम इंडिया, सुप्रिया ने लगाई हैट्रिक

एजेंसी ▶▶| मोकी

ड्रैग फ्लिकर सुप्रिया के तीन गोल की मदद से गत चैंपियन भारत ने दक्षिण कोरिया को 5-1 से हराकर एएचएफ जूनियर महिला एशिया कप के फाइनल में प्रवेश कर लिया। सुप्रिया ने तीनों गोल पेनल्टी कॉर्नर पर किए। भारत का सामना अब चीन और जापान के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

दोनों टीमों ने संभलकर शुरुआत की लेकिन भारत ने 13वें मिनट में खाता खोला जब मधु सिदर ने शानदार फील्ड गोल पर टीम को 1-0 से बढत दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भारतीय खिलाड़ियों ने कोरियाई गोल पर लगातार हमले बोले। भारत को 17वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर सुप्रिया ने गोल करके बढत दुगुनी कर दी।

गत चैंपियन भारत ने दक्षिण कोरिया को 5-1 से हराया



भारत ने गेंद पर बनाया दबदबा

भारत ने गेंद पर नियंत्रण के मामले में दबदबा बनाए रखा और 21वें मिनट में कोरियाई गोल के 23 मीटर के भीतर हवा में आई गेंद को भारतीय विंगर ने लपका और सर्कल के भीतर शानदार क्रॉस दिया। इसे सुखवीर ने गोल में बदलकर स्कोर 3-0 कर दिया। भारत को 33वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को सुप्रिया ने गोल में बदला। दक्षिण कोरिया के लिए यूरी जियोंग ने 41वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके स्कोर 4-1 किया। भारत ने आखिरी क्वार्टर में बेहतरीन डिफेंस का प्रदर्शन करते हुए कोरियाई हमलों को नाकाम कर दिया। भारत के लिए पांचवां गोल 56वें मिनट में सुप्रिया ने पेनल्टी कॉर्नर पर किया।

अमेरिकी ओपन जूनियर: सेमीफाइनल में हारी रेवती-एंटोनिना की जोड़ी

अमेरिकी जुड़वां बहनें अनिका और क्रिस्टीना पेनिकोवा जीतीं

एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क

भारत की माया राजेश्वरन रेवती और उनकी यूक्रेनी जोड़ीदार एंटोनिना सुष्कोवा का शानदार सफर अमेरिकी ओपन जूनियर बालिका युगल के सेमीफाइनल में मिली हार के साथ समाप्त हो गया।

माया और एंटोनिना की गैर वरीयता प्राप्त जोड़ी को अमेरिकी जुड़वां बहनों अनिका और क्रिस्टीना पेनिकोवा से 6-7(2), 2-6 से हार का सामना करना पड़ा। भारत और यूक्रेन की इस जोड़ी ने हालांकि टूर्नामेंट में प्रभावशाली प्रदर्शन किया और सेमीफाइनल तक के सफर में कई वरीय खिलाड़ियों को हराया।



रूट ने तोड़ा तेंदुलकर का महारिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶| लंदन

इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान जो रूट ने एजबेस्टन टेस्ट में इतिहास रचते हुए महान भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। रूट टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा बार 50 रन या उससे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

रूट ने पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 62 रनों की पारी खेली और अपने टेस्ट करियर की 69वीं फिफ्टी जमाकर सचिन (68 बार) को पीछे छोड़ दिया। अर्धशतकों के इस महारिकॉर्ड के अलावा रूट ने एजबेस्टन के मैदान पर अपने 1000 टेस्ट रन भी पूरे कर लिए। वह एजबेस्टन में 1000 से ज्यादा रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बने हैं। इसके साथ ही रूट इंग्लैंड के ऐसे चुनिंदा खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने चार अलग-अलग टेस्ट मैदान लॉर्ड्स (2,203 रन), मैनचेस्टर (1,128 रन), द ओवल (1,050 रन) और अब एजबेस्टन (1000 रन) पर एक हजार से अधिक रन बनाए हैं।



टेस्ट में अर्धशतक

खिलाड़ी	फिफ्टी
जो रूट	69*
सचिन तेंदुलकर	68
शिवनारायण चंद्रपॉल	66
एलन बॉर्डर	63
राहुल द्रविड़	63

महिला एशिया कप : आठवें खिताब पर भारत की नजरें

एजेंसी ▶▶| दुबई

सात बार की चैंपियन भारतीय टीम की नजरें श्रीलंका के खिलाफ रविवार को महिला टी20 एशिया कप फाइनल में श्रीलंका को हराकर आठवीं बार खिताब जीतने पर लगी होंगी ओर इसके लिए शेफाली वर्मा के साथ दीप्ति शर्मा पर काफी दारोमदार रहेगा। दो अर्धशतक समेत 168 रन बना चुकी शेफाली भारत की सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज साबित हुई हैं और टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन उन्होंने बनाए हैं। धीमी और स्पिनरों की मददगार दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की पिच पर भी उन्होंने सहज बल्लेबाजी की है। स्मृति मंधाना (154) ने एक शानदार शतक लगाया लेकिन दो मैचों में दोहरे अंक तक नहीं पहुंच सकी। शेफाली के प्रदर्शन में निरंतरता रही है। शेफाली को अपने चिर परिचित स्ट्रोक्स खेलने में भी परेशानी नहीं आई जबकि दूसरे बल्लेबाज जूझते नजर आए हैं।

मैच का समय : रात 8 बजे

आज श्रीलंका से भिड़ंत



दीप्ति ने दिखाया जौहर

श्रीलंका की कप्तान चामारी अटापट्टू के साथ सर्वाधिक 11 विकेट ले चुकी दीप्ति ने गेंदबाजी के अलावा बल्ले के जौहर भी दिखाए हैं। बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल में 6 गेंद में 13 रन बनाकर उन्होंने भारत को 150 रन के पास पहुंचाया। दीप्ति के साथ श्रीचरणी और प्रेमा रावत ने भी उम्दा स्पिन गेंदबाजी की है और इन तीनों ने टूर्नामेंट में अपना दबदबा बनाए रखा है। दोनों टीमें फाइनल तक के सफर में अपराजेय रही हैं और पिछली बार 2024 में भारत को श्रीलंका ने ही फाइनल में आठ विकेट से हराया था। अटापट्टू की टीम ने भी पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है और पाकिस्तान के खिलाफ जुझारूपन दिखाते हुए सेमीफाइनल में जीत दर्ज की। दो साल पहले दाम्बुला में हर्षिता और अटापट्टू ने मिलकर भारत को फाइनल में जीत दर्ज करने से रोका था।

पाकिस्तान को 8 विकेट से दी करारी शिकस्त

इंग्लैंड ने टेस्ट सीरीज की 3-0 से 'क्लीन स्वीप'

एजेंसी ▶▶| बर्मिंघम

इंग्लैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ एजबेस्टन में खेले गए टेस्ट सीरीज के तीसरे और अंतिम मुकाबले को 8 विकेट से जीतकर सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया है। पाकिस्तान से मिले 130 रन के आसान टारगेट को मेजबान टीम ने मुकाबले के चौथे दिन 24.2 ओवरों में हासिल कर लिया। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तानी टीम पहली पारी में 133 रन पर सिमट गई।

आलम ये रहा कि इस पारी में 8 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। सऊद शकील ने सर्वाधिक 43 रन बनाए, जबकि मोहम्मद अब्बास ने 21 रन का पारी खेली। इनके अलावा, रजाउल्लाह ने टीम के खाते में 11 रन का योगदान दिया। मेजबान खेमे से जोश टंग ने 42 रन देकर 4 विकेट झटके, जबकि ओली रॉबिन्सन और जोफ्रा आर्चर ने 3-3 विकेट चटकाए।



ब्रूक और एमिलियो ने की 104 रन की साझेदारी

इसके जवाब में इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 453 रन बनाकर 320 रन की शानदार बढ़त हासिल कर ली। इंग्लैंड की टीम 39 रन तक 3 विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद हैरी ब्रूक ने एमिलियो के साथ चौथे विकेट के लिए 104 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला। इस पारी में हैरी ब्रूक ने सर्वाधिक 75 रन बनाए, जबकि जेमी स्मिथ ने 69 रन की पारी खेली। इनके अलावा, एमिलियो ने 60 रन और ओली रॉबिन्सन ने 50 रन टीम के खाते में जोड़े। पाकिस्तान के लिए रजाउल्लाह ने सर्वाधिक 4 विकेट निकाले, जबकि मोहम्मद अली और इमरान रंधावा ने 2-2 विकेट चटकाए।

पाकिस्तान ने पिछली गलतियों से लिया सबक

पाकिस्तान ने अपनी दूसरी पारी में पिछली गलतियों से सबक लेते हुए 449 रन बनाए, मगर ये स्कोर मैच बचाने के लिए नाकाफी था। मेहमान टीम ने शुरुआती 4 गेंदों में 2 विकेट खो दिए थे। उस समय तक खाता भी नहीं खुल सका था, लेकिन इसके बाद शान मसूद (95) ने अजान ओवैस (59) के साथ तीसरे विकेट के लिए 125 रन और कप्तान बाबर आजम (76) के साथ चौथे विकेट के लिए 89 रन जोड़े। टीम को 318 के स्कोर पर आठवां झटका लगा, जिसके बाद मोहम्मद अब्बास (42) ने रजाउल्लाह (81) के साथ नौवें विकेट के लिए 121 रन की साझेदारी करते हुए पाकिस्तान को 400 के पार पहुंचाया। इंग्लैंड के लिए गस एटकिंसन ने सर्वाधिक 3 विकेट निकाले। ओली रॉबिन्सन, जोश टंग और डैन लॉरेंस ने 2-2 विकेट हासिल किए।

एशियाई खेलों में डेब्यू करेंगे करकेरा पदक के लिए लगाएंगे दम



एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

एशियाई खेलों में पदार्पण करने जा रहे कार्तिक करकेरा आइची-नागोया में पुरुषों की मैराथन में अन्य तेज धावकों से मिलने वाली चुनौती से बखूब वाकिफ हैं, लेकिन उनका मानना है कि उनके पास पदक जीतने का मौका है। करकेरा का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 2 घंटे 13 मिनट 10 सेकेंड है।

उन्होंने स्वीकार किया कि जापान के युया योशिदा और इचिटाका यामाशिता काफी बेहतरीन खिलाड़ी हैं, जो 2 घंटे 6 मिनट से कम समय में मैराथन पूरी कर चुके हैं। करकेरा ने कहा, 'निश्चित रूप से उनका काफी दबदबा है और वे मैराथन में हिस्सा लेने वाले दोनों भारतीय धावकों से काफी तेज भी हैं।' एशियाई खेलों की मैराथन स्पर्धा में करकेरा और सावन बरवाल दो भारतीय हिस्सा लेंगे। इनमें से बरवाल ने इस साल 2 मिनट 11 मिनट 58 सेकेंड का समय निकाला था।



लोग चौंक जाते हैं दुनिया के सबसे लंबे घोड़े 'ह्यूगो' को देखकर, इसकी लंबाई जैसा दूसरा घोड़ा नहीं

नई दिल्ली। आमतौर पर शायर नस्ल के घोड़े की लंबाई लगभग 5.5 फीट से 6.3 फीट के बीच होती है, लेकिन इंग्लैंड के नॉर्थम्पटनशायर में रहने वाले ह्यूगो नामक एक घोड़े का नाम 'दुनिया के सबसे लंबे जीवित घोड़े' के तौर पर गिनीज बुक में दर्ज हुआ है। शायर नस्ल के इस घोड़े के मालिक का कहना है कि ह्यूगो की लंबाई अभी और बढ़ सकती है क्योंकि उसकी उम्र अभी छोटी है। आइए ह्यूगो के बारे में विस्तार से जानते हैं।

कितनी है ह्यूगो की लंबाई?

ह्यूगो की लंबाई 199 सेंटीमीटर (लगभग 6.5 फीट) तक पहुंच चुकी है। गिनीज वर्ल्ड ऑफ रिकॉर्ड्स ने बताया कि 4 साल के ह्यूगो की लंबाई की जांच अधिकारिक तौर पर एक पशु चिकित्सक ने की थी और उन्होंने सही माप के लिए ह्यूगो की लंबाई को बिना नाल (घोड़े के पैरों पर लगने वाली धातु की प्लेट) के मापा था। ह्यूगो के मालिक ब्रेट मास्टर्स ने बताया कि ह्यूगो एक फाइव स्टार लाइफस्टाइल जीता है।



फाइव स्टार लाइफस्टाइल जीता है ह्यूगो

ब्रेट ने बताया कि ह्यूगो की देखभाल काइरोप्रैक्टर, डेंटिस्ट, पशु चिकित्सक और मालिश करने वाले विशेषज्ञ करते हैं। जहां काइरोप्रैक्टर हाथों के दबाव से ह्यूगो की रीढ़ की हड्डी, जोड़ों और तंत्रिका तंत्र की जांच करता है, वहीं हर 6 महीने में डेंटिस उसके मुंह की जांच करता है। इसके अतिरिक्त मालिश वाला ह्यूगो की रोजाना मालिश करता है और पशु चिकित्सक भी हर हफ्ते उसके पूरे शरीर की जांच करता है क्योंकि उसकी ग्रोथ प्लेट्स बहुत ज्यादा एक्टिव है।

बहुत शांत स्वभाव का घोड़ा है ह्यूगो- ब्रेट

ब्रेट ने यह भी बताया कि ह्यूगो को कई तरह के सप्लीमेंट्स दिए जाते हैं और उसके खाने-पीने का भी खास ध्यान रखा जाता है। ब्रेट ने आगे कहा, जब भी वह बाहर निकलता है तो लोग रुक-रुककर उसका वीडियो बनाते हैं। यहीं नहीं मैं ह्यूगो को कई प्रदर्शनों में भी ले जाता हूं और अब वह लोगों को अपनी पीठ पर बिठाकर सवारी कराना भी सीख रहा है। वह एक शांत स्वभाव का घोड़ा है।

दुनिया का सबसे छोटा घोड़ा है 'पुमुकेल'

जर्मनी में रहने वाले पुमुकेल नामक घोड़े की लंबाई महज 52.6 सेंटीमीटर (21.1 इंच) है। पुमुकेल सभी की नजरों में तब आया जब वह जर्मन टीवी शो 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स- डाइ ग्रोस शो डेर वेल्ट्रेकोर्डे' में एक आकर्षक सहायक के तौर पर गिनीज सर्टिफिकेट्स वितरित करने के लिए स्टेज पर आया था। तब से पुमुकेल स्टार बन गया और अब उसके नाम एक विश्व रिकॉर्ड भी है।

राजकुमारी डायना की सुर्खियां बटोरने वाली 'रिवेंज ड्रेस' हो रही नीलाम

दुनिया को अलविदा कहने के सालों बाद भी ब्रिटेन की पूर्व राजकुमारी डायना लाखों दिलों पर राज करती हैं। उनका फैशन सेंस आज भी महिलाओं के स्टाइल को प्रेरित करता है और उनके प्रतिष्ठित लुक्स की खूब चर्चा होती है। डायना के पहने हुए कई कपड़े करोड़ों में नीलाम हो चुके हैं। इसी कड़ी में अब उनकी सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरने वाली 'रिवेंज ड्रेस' भी नीलामी के लिए उपलब्ध हो रही है।

इस ड्रेस के पीछे छिपी है रोचक कहानी

डायना ने इस ड्रेस को सितंबर, 1994 की उस शाम को पहना था, जब उनके तलाक के बाद महाराजा चार्ल्स तृतीय ने एक शो के दौरान अपने अफेयर की बात स्वीकार की थी। यही कारण था कि इसे रिवेंज ड्रेस नाम दिया गया और इसके बाद से कई महिलाओं ने तलाक के बाद ऐसे स्टाइल को अपनाया। काले रंग के सिल्क से बनी इस बॉडीकॉन ड्रेस में डायना ने सर्पेंटाइन गैलरी में प्रवेश करते ही लोगों को चौका दिया था।



कब और कहां होगी इस ड्रेस की नीलामी

साल 1997 के बाद अब यह ड्रेस एक बार फिर नीलामी के लिए उपलब्ध है। क्रिस्टीना स्टैम्बोलियन द्वारा डिजाइन की गई इस ड्रेस को सोथबी नामक नीलामीघर इस साल 9 दिसंबर को नीलाम करेगा। इस महीने इसे सोथबी के लंदन स्थित नीलामीघर में प्रदर्शित किया जाएगा। इसके बाद इसे हांगकांग, जिनेवा और अंत में न्यूयॉर्क ले जाया जाएगा, जहां इसे बेचा जाएगा। इसकी अनुमानित कीमत 1.42 से 2.84 करोड़ रुपये के बीच लग सकती है।

फैशन के इतिहास में खास स्थान रखती है यह ड्रेस

डायना ने उस दिन इस ड्रेस को एक शाही मोतियों और रत्न वाले चोकर के साथ पहना था। साथ ही उन्होंने अंगूठी, ब्रेसलेट, काली हील सैंडल और क्लच वाला बैग भी स्टाइल किया था। सोथबी में हैंडबैग और फैशन की ग्लोबल हेड मॉर्गन हलिमी ने कहा, यह ड्रेस बहुत खास है, क्योंकि इसकी विरासत सिर्फ डिजाइन तक ही सीमित नहीं है। इसे पहनकर डायना ने अपना आत्म-मूल्य दर्शाया था और दिखाया था कि मुश्किल वक्त ने भी उन्हें तोड़ा नहीं।



सबसे अमीर बिल्ली नाला कैट, 839 करोड़ की मालकिन

दुनिया में एक ऐसी बिल्ली है, जो 839 करोड़ मालकिन है। दुनिया की सबसे अमीर बिल्ली को सोशल मीडिया पर लाखों लोग फॉलो करते हैं। यह पढ़कर आपको यकीन नहीं हो रहा होगा, लेकिन यह पूरी तरह से सच है। इसका नाम नाला कैट है, जिसने सभी का ध्यान अपनी तरफ खींचा है। सोशल मीडिया पर एक बड़ा नाम और ग्लोबल ब्रांड बन है। नाला की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसे इंस्टाग्राम पर 42 लाख से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं। नाला का शुरुआत जीवन बेहद सामान्य था और वह कैलिफोर्निया के एक एनिमल शेल्टर होम रहती थी। साल 2010 में नाला सिर्फ पांच महीने की थी, तो उसे वारिसिरी मेथाचिट्टीफन ने गोद लिया था। किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि एक दिन नाला कैट दुनिया की सबसे अमील बिल्ली बन जाएगी और इतान मशहूर हो जाएगी। नाला को नया घर मिलने के बाद वो सोशल मीडिया पर स्टार बन गई। नाला के मालिक ने वर्ष 2012 में नाला कैट का इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया, जहां पर वो उसके हर दिन के पलों को लोगों के साथ करने लगी।









इंसानों की नौकरी बचाने के लिए प्रदर्शन करने लगे रोबोट, लोग बोले- भगवान का शुक्र है...

पोलेंड। एआई और रोबोट ने आज पूरी दुनिया को बदल कर रख दिया है। एआई की वजह से लोगों की नौकरियों पर खतरा मंडराने लगा है और कई बड़ी टेक कंपनियों से हजारों लोग नौकरी से बाहर किए जा चुके हैं। ऐसे में एआई और टेक्नोलॉजी की वजह से जब लोगों की रोजी-रोटी पर संकट में आया तो रोबोट्स सड़कों पर विरोध प्रदर्शन करने उतर आए। रोबोट्स का यह विरोध प्रदर्शन एआई पर मजबूत निगरानी के लिए कानून बनाने की मांग को लेकर था। जिसके चलते इंसानों के नौकरियों पर संकट पैदा हुआ है।

एआई और ऑटोमेशन के खिलाफ करीब 30 रोबोट्स का अनोखा प्रदर्शन किया



हाथों में बैनर पोस्टर लेकर रोबोट्स का प्रदर्शन

रोबोट के विरोध प्रदर्शन का मामला पोलैंड है। जहां पर बीते 7 सितंबर को वारसो में डिजिटल मामलों के मंत्रालय के बाहर करीब 30 से ज्यादा रोबोट्स एक साथ विरोध प्रदर्शन करते हुए नजर आए। विरोध प्रदर्शन में शामिल रोबोट्स और डॉग के हाथ में पोस्टर व बैनर थे, जिसे वे लहरा रहे थे। रोबोट्स के हाथों में लहरा रहे पोस्टर पर नारे लिखे हुए थे. एक पोस्टर में लिखा था, मानव बचेगा, तभी मशीन बचेगी। हमें इंसान का साथ चाहिए।

हमें कानून चाहिए के नारे लगाए

मंत्रालय के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे रोबोट्स ने एआई पर मजबूत निगरानी की मांग करते हुए 'हमें कानून चाहिए, हमें नियम चाहिए' के नारे लगाए। रोबोट्स का यह विरोध प्रदर्शन भले ही एआई पर मजबूत निगरानी के लिए कानून की मांग से जुड़ा हो या फिर इंसानों के हित की रक्षा करने से जुड़ा विरोध हो। पर इस विरोध प्रदर्शन ने नई बहस छेड़ दी है। रिपोर्ट के अनुसार, इस विरोध प्रदर्शन के आयोजकों का कहना है कि लेबर मार्केट पर नई टेक्नोलॉजी के असर को लेकर ज़्यादा सार्वजनिक बहस की जरूरत है।

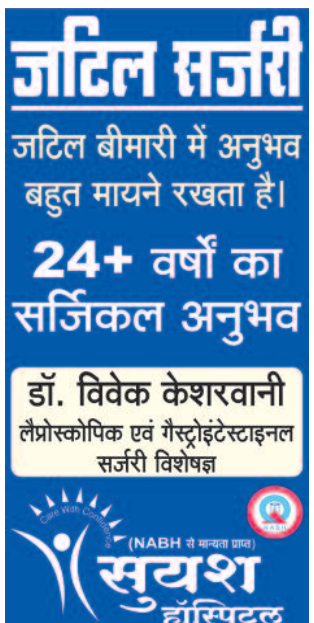












हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com